राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, रविवार, 02 नवंबर 2025
वर्ष 07, अंक 33, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

कठिनाइयों को हराकर... बेटी ने पूरा किया पिता का सपना..03

वृंदावन में बीड़ी कारोबारी पिता की गोली मारकर हत्या, बेटे ने खुद भी किया सुसाइड..12

आसमान से उतरी ऐसी उम्मीद, जिसने बदल दी कश्मीर की किस्मत, फिरा पाकिस्तान के अरमानों पर पानी

एक दिन पहले यानी 30 अक्टूबर 1947 की रात कश्मीर घाटी में तनाव चरम पर था. पट्टन इलाके से खबरें थीं कि करीब 200 ट्रकों में सवार 1500 से 2000 पाकिस्तानी कबायली हमलावर श्रीनगर की ओर बढ़ रहे हैं. बारामूला और उरी में नरसंहार मचाने वाला यही गिरोह अब राजधानी की तरफ था. शाम 7 बजे भारतीय सेना का तीन ट्रकों का काफिला पट्टन के पास पुल पार कर रहा था, तभी झाड़ियों से गोलियों की बरसात शुरू हो गई. पहला ट्रक में सिविलियन ड्राइवर जख्मी हुआ. वहीं, 5 कुमाऊं रेजिमेंट के जवानों को लेकर जा रहा दूसरा ट्रक बुरी तरह से निशाना बना. इस ट्रक में सवार भारतीय सेना के तीन जवान शहीद हो गए और एक घायल हुआ. तीसरा ट्रक किसी तरह बच निकला. बैकअप के लिए पहुंची 1 (पैरा) कुमाऊं की पेट्रोल पार्टी को सिर्फ जलते हुए ट्रक और जलते टायर मिले. वहीं, इस साजिश को अंजाम देने के लिए दुश्मन मौके से भाग चुका था. रात 8 बजे करीब 1000 कबायलियों ने पट्टन में भारतीय पोज़ीशन पर बड़ा हमला किया. भारतीय जवानों और दुश्मन के बीच की दूरी सिर्फ 55 मीटर रह गई थी।

लेकिन भारतीय जवानों की मशीन गन और हॉविट्ज़र तोपों की जबरदस्त फायरिंग के आगे दुश्मन टिक नहीं सका. दुश्मन अपने घायल साथियों को छोड़ बैटल फील्ड से भाग खड़ा हुआ. उसी दिन 161 ब्रिगेड का हेडक्वार्टर श्रीनगर पहुंचा और ब्रिगेडियर जे.सी. कटोच ने कमान संभाली. उस दिन 1 सिख, 1 (पैरा) कुमाऊं और 1 महार रेजिमेंट के कुल 394 जवानों को एयरलिफ्ट कर घाटी

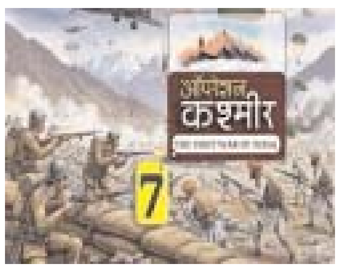

में उतारा गया, साथ ही दो 3.7 इंच हॉविट्ज़र तोपें भी पहुंचीं. 31 अक्टूबर की सुबह दुश्मन दो ग्रुप में बंटकर सुंबल और मगाम की ओर बढ़ा, पर भारतीय सेना पूरी सतर्क थी.

ब्रिगेडियर कटोच निरीक्षण के दौरान हल्की गोली से घायल हुए, पर मोर्चा संभाले रहे. उसी दिन एयरफोर्स ने भी ऑपरेशन तेज कर दिया. तीन टेम्पेस्ट फाइटर्स ने पट्टन और बारामूला के बीच दुश्मनों पर बमबारी की, जबकि चार स्पिटफायर और दो हार्वर्ड विमान श्रीनगर एयरफील्ड पर तैनात रहे. दिनभर में 485 जवान और 46,000 किलो सप्लाई हवाई रास्ते से पहुंचाई गई. रॉयल इंडियन एयरफोर्स और सिविल पायलटों की बहादुरी ने कश्मीर को बचाने की नींव रखी।

1 नवंबर 1947: जब आसमान से उतरी नई उम्मीद

ये वो दिन था जब जम्मू-कश्मीर का भविष्य आसमान में उड़ रहे जहाजों पर टिका हुआ था. सुबह श्रीनगर एयरफील्ड पर एक के बाद एक डकोटा विमान उतर रहे थे. हर विमान से भारतीय सैनिकों का जज्बा उतर रहा था. इस दिन 1 सिख रेजिमेंट के 184 जवानों और 81,038 किलो जरूरी सामान को एयरलिफ्ट करके श्रीनगर पहुंचाया गया. कर्नल हरबख्श सिंह उसी दिन श्रीनगर पहुंचे और उन्होंने 161 ब्रिगेड की कमान संभाली. एयरफील्ड पर उतरते ही उन्हें अहसास हो गया कि अब वक्त बहुत कम है और दुश्मन सिर पर है. चारों तरफ से कबायली हमलावरों का खतरा मंडरा रहा था. सुबह करीब 8 बजकर 30 मिनट पर 1 सिख की एक टुकड़ी पर अचानक हमला हुआ. हमलावर घात लगाकर बैठे थे. पहले कुछ ही सेकंड में हालात बिगड़ गए, लेकिन सिख जवानों ने झट से पलटवार किया. करीब चार घंटे चली इस भिड़ंत में पांच भारतीय जवान शहीद हुए और एक घायल हुआ, लेकिन उन्होंने 12 कबायली दुश्मनों को ढेर भी कर दिया, पांच को घायल किया और एक को जिंदा पकड़ लिया. इधर 1 (पैरा) कुमाऊं की दूसरी टुकड़ी का भी दुश्मन से आमना-सामना हुआ।

श्रीनगर को पूरी तरह से लिया अपने कब्जे में

उनकी पोज़िशन से करीब 500 मीटर उत्तर दिशा में दो कबायली दुश्मन मारे गए और एक स्थानीय कश्मीरी को पकड़ा गया, जो कबायलियों की मदद कर रहा था. दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच दुश्मनों ने फिर जोरदार हमला किया. इस बार उनका निशाना था 1 सिख की मुख्य पोज़िशन. लेकिन भारतीय सैनिकों ने जबरदस्त डिफेंस किया. फायरिंग की गूंज से श्रीनगर घाटी कांप उठी. आखिरकार कबायली दुश्मन पीछे हट गया. इसके बाद, 1 (पैरा) कुमाऊं की गश्ती टीमों को गंदरबल और सुम्बल की तरफ रवाना किया गया, लेकिन वहां कोई बड़ा ग्रुप नहीं मिला. शाम तक श्रीनगर और उसके आसपास की पोज़िशन मजबूत कर ली गई थी. 161 ब्रिगेड का हेडक्वार्टर और 4 कुमाऊं की एक कंपनी श्रीनगर के पास थी. 1 (पैरा) कुमाऊं को एयरफील्ड पर तैनात किया गया, जबकि एक कंपनी नरबल रोड जंक्शन पर डटी थी. 1/2 पंजाब रेजिमेंट भी उसी दिन एयरलिफ्ट होकर पहुंची और एयरफील्ड पर तैनात की गई. 1 सिख रेजिमेंट एयरफील्ड पर थी, जबकि उसकी एक कंपनी शलातेंग रोड जंक्शन और कुछ टुकड़ियां पट्टन के पूर्व की पहाड़ियों पर डटी थीं।

वहीं जम्मू सेक्टर में 50 पैरा ब्रिगेड का एडवांस हेडक्वार्टर, 1 महार रेजिमेंट की एक कंपनी और 3 (पैरा) राजपूत की एक कंपनी जम्मू में थी. 3 (पैरा) राजपूत की एक-एक कंपनी सांबा और माधोपुर में तैनात थी, जबकि बाकी यूनिट गुरदासपुर से जम्मू की ओर बढ़ रही थी।

एक दिन जिसने कश्मीर की किस्मत बदल दी

1 नवंबर 1947 सिर्फ एक तारीख नहीं थी, बल्कि वह दिन था जब भारत ने अपने जज्बेख प्लानिंग और एयरपावर से इतिहास लिख दिया. श्रीनगर एयरफील्ड पर सेना की मौजूदगी ने शहर को बचा लिया. अगर ये एयर ऑपरेशन वक्त पर न हुआ होता, तो श्रीनगर दुश्मन के कब्जे में जा सकता था. इस दिन ने साफ कर दिया कि जंग सिर्फ बंदूकों से नहीं, हौसले से जीती जाती है. 1 सिख, 1 (पैरा) कुमाऊं, 4 कुमाऊं, 1 महार और 1/2 पंजाब यूनिट्स ने मिलकर वो नींव रखी, जिसने पूरे जम्मू-कश्मीर को भारत से जोड़े रखा।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि वह अरुणाचल के सीएम खांडू के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच नहीं कर सकती

प्रयागराज। मंत्रियों के लिए आचार संहिता का हवाला देते हुए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता पेमा खांडू के खिलाफ भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के आरोपों की जांच नहीं कर सकती। केंद्र सरकार ने इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा दायर किया, जो दो गैर-लाभकारी संगठनों द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें खांडू के खिलाफ अपने परिवार के सदस्यों को सार्वजनिक अनुबंध देने के आरोपों की जांच की मांग की गई थी । अपने हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा कि खांडू को नियंत्रित करने वाली मंत्रियों की आचार संहिता राज्य के अधिकार क्षेत्र में आती है और केंद्रीय वित्त मंत्रालय के सार्वजनिक खरीद नियम राज्यों पर बाध्यकारी नहीं हैं।

इससे पहले, याचिकाकर्ताओं ने कहा कि खांडू ने न केवल गृह मंत्रालय द्वारा जारी सभी राज्य और केंद्रीय मंत्रियों पर लागू आचार संहिता का उल्लंघन किया, बल्कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय के खरीद नियमों का भी सम्मान करने में विफल रहे।18 मार्च को अदालत के आदेश के बाद भी केंद्र सरकार द्वारा जवाब दाखिल करने में विफल रहने के बाद, सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले महीने उसे जवाब दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया था। यह जनहित याचिका दो गैर सरकारी संगठनों - सेव मोन रीजन फाउंडेशन और वॉलंटरी

अरुणाचल सेना द्वारा दायर की गई है, जिसमें खांडू, उनके पिता की दूसरी पत्नी रिनचिन ड्रेमा और उनके भतीजे त्सेरिंग ताशी पर अनुबंधों के लाभार्थी होने का आरोप लगाया गया है।

अपने हलफनामे में, केंद्र सरकार ने कहा कि आचार संहिता निश्चित रूप से सभी राज्य और केंद्र के मंत्रियों के लिए बाध्यकारी है। उसने गृह मंत्रालय के 18 सितंबर, 2025 के कार्यालय ज्ञापन का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि मंत्रियों के लिए आचार संहिता का खंड 2(डी) केंद्र और राज्य दोनों के मंत्रियों पर लागू होता है। इस संहिता में कहा गया है, 'कार्यभार ग्रहण करने के बाद, और जब तक वह पद पर बना रहता है, मंत्री यह सुनिश्चित करेगा कि उसके परिवार के सदस्य उस सरकार को माल या सेवाओं की आपूर्ति करने वाले (व्यापार या व्यवसाय के सामान्य क्रम में और मानक या बाजार दरों पर) या मुख्य रूप से उस सरकार से लाइसेंस, परमिट, कोटा, पट्टे आदि के अनुदान पर निर्भर रहने वाले व्यवसाय शुरू न करें, या उसमें भाग न लें। 'हालाँकि, केंद्र सरकार ने तब अपने हलफनामे में कहा था कि इस मामले में गृह मंत्रालय की कोई और भूमिका नहीं है। सरकार ने हलफनामे में कहा, 'इस मामले में गृह मंत्रालय की कोई और भूमिका नहीं है। दरअसल, रिट याचिका में उठाए गए मुद्दे राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। '

अधिवक्ता प्रशांत भूषण और नेहा राठी द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए याचिकाकर्ताओं ने अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया में अपनाई गई प्रक्रियाओं पर भी चिंता व्यक्त की। जुलाई में कहा था कि खांडू या याचिका में कथित लाभार्थियों के रूप में नामित व्यक्तियों को कोई सरकारी अनुबंध नहीं दिया गया । ने न केवल गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा जारी सभी राज्य और केंद्रीय मंत्रियों पर लागू आचार संहिता का उल्लंघन किया, बल्कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय के खरीद नियमों का भी पालन नहीं किया.18 मार्च को अदालत के आदेश के बाद भी केंद्र सरकार द्वारा जवाब दाखिल न करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने उसे जवाब दाखिल करने के लिए तीन हफ़्ते का समय दिया था.

संक्षिप्त ख़बरें

ASEAN देशों के रक्षा मंत्रियों से मिले राजनाथ सिंह, शांति-स्थिरता के लिए सभी ने की भारत की तारीफ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में आसियान (ASEAN) देशों के रक्षा मंत्रियों से मुलाकात की. इस दौरान सभी देशों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने में भारत की अहम भूमिका की सराहना की. बैठक में राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और आसियान के बीच रक्षा और सुरक्षा साझेदारी को और मजबूत करने का यह एक अच्छा मौका है. इस दौरान राजनाथ सिंह के आसियान देशों के सामने दो नई पहलें शुरू करने का ऐलान किया. जिसमें महिलाओं की भागीदारी पर आसियान-भारत पहल (Women in UN Peacekeeping) और आसियान-भारत रक्षा थिंक-टैंक संवाद।

भारत को माना जा रहा महाशक्ति

आसियान की बैठक में भारत की ताकत भी साफ दिखाई दी है. मलेशिया के रक्षा मंत्री ने भारत को महाशक्ति बताते हुए कहा कि आसियान देश भारत के रक्षा उद्योग, साइबर सुरक्षा और तकनीकी नवाचार से बहुत कुछ सीख सकते हैं. फिलीपींस के रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करता है और क्षेत्र के देशों के लिए एक मिसाल है. उन्होंने भारत की तेज और मददगार भूमिका (first responder) की तारीफ करते हुए आने वाले भारत-आसियान नौसैनिक अभ्यास का समर्थन किया. कंबोडिया और सिंगापुर के रक्षा मंत्रियों ने भी भारत के बढ़ते योगदान की सराहना की और कहा कि भारत और आसियान को युवाओं और रक्षा विशेषज्ञों के बीच ज्यादा संवाद और संयुक्त अभ्यास बढ़ाने चाहिए. वहीं थाईलैंड के रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की रक्षा तकनीक और आत्मनिर्भरता मॉडल से आसियान देशों को भी फायदा होगा. बैठक के अंत में सभी आसियान देशों ने कहा कि वे भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करना चाहते हैं ताकि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास सुनिश्चित किया जा सके।

ASEAN 2025

आसियान 2025 की अध्यक्षता मलेशिया कर रहा है और इसका आयोजन राजधानी कुआलालंपुर में किया जा रहा है. ASEAN 2025 की थीम है 'इनक्लूसिविटी एंड सस्टेनेबिलिटी' रखी गई है. बता दें कि ASEAN (Association of Southeast Asian Nations) दक्षिण-पूर्व एशिया का एक प्रमुख क्षेत्रीय संगठन है. यह 8 अगस्त 1967 को बैंकॉक घोषणा के बाद बनाया गया था. इसके संस्थापक सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड हैं, हालाकि अभी इसके 10 सदस्य देश हैं।

लखनऊ बना UNESCO की 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी', तहजीब, कबाब और अवधी स्वादों की वैश्विक जीत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने वैश्विक पहचान की नई ऊंचाई छू ली है. राजधानी लखनऊ को यूनेस्को ने क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी घोषित किया है. यह सम्मान उस शहर को मिलता है, जो अपने खानपान की परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और नवाचार से विश्व को प्रेरित करता है. यह घोषणा उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित यूनेस्को की 43वीं जनरल कॉन्फ्रेंस में 'वर्ल्ड सिटीज डे' के अवसर पर की गई. पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश का गौरव बन चुका है. लखनऊ की यह उपलब्धि उसके समृद्ध खानपान और संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति है. उन्होंने कहा कि लखनऊ की गैस्ट्रोनॉमी को मिली यह पहचान पर्यटन क्षेत्र की बढ़ती शक्ति और 'विकसित उत्तर प्रदेश' के विजन को साकार करने का प्रमाण है।

क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने लखनऊ के लिए नामांकन 31 जनवरी 2025 को केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को भेजा था. विस्तृत समीक्षा के बाद भारत सरकार ने 3 मार्च 2025 को यूनेस्को को अंतिम डॉसियर प्रस्तुत किया. 31 अक्टूबर को आयोजित कॉन्फ्रेंस में लखनऊ को औपचारिक रूप से 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' नेटवर्क में शामिल किया गया. प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति अमृत अभिजात ने बताया कि यूनेस्को की इस सूची में अब दुनियाभर के 70 शहर

शामिल हैं।

2025 में पहुंचे 70.20 लाख पर्यटक

इस साल आठ नए शहरों को इस नेटवर्क में स्थान मिला है. उन्होंने कहा कि लखनऊ का यह चयन उसकी व्यंजन परंपरा और पाक कला धरोहर को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने वाला है. उन्होंने बताया कि साल 2024 में लखनऊ में 82.74 लाख पर्यटक आए, जबकि 2025 के पहले छह महीनों में ही 70.20 लाख पर्यटक पहुंच चुके हैं. यह रुझान बताता है कि खानपान और संस्कृति, उत्तर प्रदेश में पर्यटन वृद्धि के प्रमुख आधार बन चुके हैं.

लखनऊ के स्वाद अब विश्व मंच पर

विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया ने कहा कि लखनऊ अब दुनिया के उन चुनिंदा शहरों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जो खानपान को सांस्कृतिक संवाद और सतत विकास का माध्यम बना रहे हैं. आने वाले समय में पर्यटन विभाग इस वैश्विक पहचान को और सशक्त करने के लिए कई नई पहल करेगा. लखनऊ की यह उपलब्धि उसके अवधी व्यंजनों, नवाबी परंपरा और खानपान की विविधता का जीवंत प्रमाण है. अब टुंडे कबाबी से लेकर कुलचा-निहारी तक, लखनऊ के स्वाद विश्व मानचित्र पर प्रदेश की पहचान को और ऊंचा उठाएंगे।

सर्वोच्च न्यायालय को निचली न्यायपालिका से 'दूर' रहना चाहिए- इलाहाबाद उच्च न्यायालय

बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय में एक गरमागरम संवैधानिक बहस छिड़ गई, जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जिला न्यायपालिका में वरिष्ठता के मानदंड निर्धारित करने के सर्वोच्च न्यायालय के किसी भी कदम का विरोध किया। न्यायालय ने तर्क दिया कि ऐसे निर्देश 'उच्च न्यायालयों की संवैधानिक शक्तियों और कर्तव्यों में हस्तक्षेप' करेंगे। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पाँच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष इलाहाबाद उच्च न्यायालय का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने भावुक दलीलें दीं और शीर्ष अदालत से संयम बरतने का आग्रह किया। द्विवेदी ने कहा, 'सर्वोच्च न्यायालय को सीधी भर्ती, पदोन्नत और निचले जिला न्यायाधीशों के लिए कोटा के मामलों में दूर का रुख अपनाना चाहिए। अगर कुछ कहा ही जाना है, तो केवल सामान्य निर्देश होने चाहिए। उन्होंने संविधान के भाग 6 के अध्याय 6 का हवाला देते हुए इस बात पर ज़ोर दिया कि यह अधीनस्थ न्यायपालिका पर उच्च न्यायालयों को अनन्य नियंत्रण'प्रदान करता है। उन्होंने तर्क दिया, 'उच्च न्यायालय अपनी

वास्तविकताओं को समझने और पदोन्नति एवं भर्ती के मुद्दों को संभालने के लिए सबसे उपयुक्त स्थिति में हैं।

चिंताओं का जवाब देते हुए, मुख्य न्यायाधीश गवई ने स्पष्ट किया कि पीठ का उच्च न्यायालयों के अधिकारों में कटौती करने का कोई इरादा नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हम नामों की सिफारिश करने में उच्च न्यायालयों के विवेकाधिकार को नहीं छीनेंगे। लेकिन हर उच्च न्यायालय के लिए अलग-अलग नीतियाँ क्यों होनी चाहिए? हमारा अप्रत्यक्ष रूप से भी उनके विवेकाधिकार को छीनने का कोई इरादा नहीं है। मुख्य न्यायाधीश बनने की दौड़ में अगले स्थान पर चल रहे न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने भी इसी आश्वासन को दोहराते हुए कहा, आपसी वरिष्ठता पर विचार करने का कोई सवाल ही नहीं है। यह एक सामान्य निर्देश होगा। हमारा उद्देश्य किसी का भी अधिकार छीनना नहीं है। द्विवेदी ने चेतावनी दी कि न्यायिक नियुक्तियों और पदोन्नतियों पर सर्वोच्च न्यायालय की बढ़ती निगरानी पहले ही 'कुछ ज़्यादा ही' हो चुकी है।

अगर यह परीक्षण और त्रुटि का मामला है, तो इसे उच्च न्यायालयों पर छोड़ दिया जाना चाहिए। उन्हें क्यों दरकिनार किया जाए या उनके संवैधानिक कर्तव्य से वंचित किया जाए? उच्च न्यायालयों को मज़बूत करने का समय आ गया है, न कि उन्हें कमज़ोर करने का, उन्होंने कहा।

उन्होंने तर्क दिया कि मौजूदा व्यवस्थाएँ न्यायिक अधिकारियों के लिए पहले से ही पर्याप्त अवसर प्रदान करती हैं। द्विवेदी ने एक असामान्य उदाहरण देते हुए कहा, 'जूनियर सिविल जज उच्च न्यायपालिका की परीक्षा दे सकते हैं, यह क्षेत्र 100% खुला है।' 'अमरनाथ यात्रा की तरह, कोई भी पहलगाम के रास्ते ज़्यादा खड़ी लेकिन छोटी दूरी के रास्ते या सोनमर्ग के रास्ते लंबे लेकिन आसान रास्ते में से चुन सकता है। मंज़िल, यानी उच्च न्यायालय में पदोन्नति, वही रहती है। '

पाँच न्यायाधीशों की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति जेवी चंद्रन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची भी शामिल हैं, इस बात की जाँच कर रही है कि क्या जिला न्यायपालिका में सीधी भर्ती, पदोन्नत और पार्श्व प्रवेशकों के लिए एक समान कोटा नीति होनी चाहिए। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसका न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति और करियर में ठहराव पर प्रभाव पड़ सकता है। पंजाब एवं हरियाणा तथा कलकत्ता सहित अन्य उच्च न्यायालयों के वकीलों ने आँकड़े प्रस्तुत किए हैं जिनसे पता चलता है कि पदोन्नत और सीधी भर्ती के बीच का अंतर कम हो रहा है, जिससे पता चलता है कि उच्च न्यायालयों में पदोन्नति के लिए 'विचार के क्षेत्र' में अब दोनों धाराएँ शामिल हैं। संविधान पीठ अगले सप्ताह इस मामले की सुनवाई जारी रखेगी।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश नहीं मानूंगा: कहने वाले यूपी पुलिस अधिकारी से सुप्रीम कोर्ट सख़्त नाराज़, लगाई कड़ी फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के कंधई पुलिस स्टेशन के एसएचओ को कड़ी फटकार लगाई, जिन्होंने अदालत के आदेश का पालन करने से इनकार किया था और एक याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर उसके साथ मारपीट की, जबकि स्पष्ट न्यायिक निर्देश बलपूर्वक कार्रवाई के खिलाफ हैं। अदालत के आदेश का पालन करने से इनकार करते हुए एसएचओ ने कहा था, 'मैं किसी सुप्रीम कोर्ट का आदेश नहीं मानूंगा, मैं आज तुम्हारा सारा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट निकाल दूंगा। '

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने अवमानना याचिका पर सुनवाई की, जिसमें शिकायत की गई कि 28 मार्च, 2025 के संरक्षण आदेश के बावजूद, याचिकाकर्ता को कथित

तौर पर 23 अप्रैल, 2025 को अवमाननाकर्ता (एसएचओ) गुलाब सिंह सोनकर द्वारा उनके कार्यस्थल से घसीटा गया, गिरफ्तार किया गया और उन पर शारीरिक हमला किया गया। यह भी आरोप लगाया गया कि जब याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की कॉपी प्रस्तुत की, तब भी एसएचओ ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया, कोर्ट के आदेश का अनादर किया और उसका पालन करने से इनकार कर दिया।

कोर्ट ने पहले उत्तर प्रदेश के गृह विभाग को एडीजीपी से कम रैंक के अधिकारी के माध्यम से मामले की जांच करने का निर्देश दिया था। यह देखते हुए कि सरकार की जांच रिपोर्ट ने भी कोर्ट के आदेश की जानबूझकर अवज्ञा की पुष्टि की, कोर्ट ने कहा कि अवमाननाकर्ता- एसएचओ को पुलिस वर्दी की आड़ में न्याय की धारा को प्रदूषित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा, 'प्रथम दृष्टया प्रथम प्रतिवादी द्वारा न्यायालय के आदेश की जानबूझकर अवज्ञा की गई, जिसके साथ पुलिस वर्दी की आड़ में सख्ती से निपटा जाना आवश्यक है। '

कोर्ट एसएचओ के विरुद्ध कठोर आदेश पारित करने के लिए इच्छुक था, लेकिन सरकार के वकील द्वारा यह बताए जाने के बाद कि 'जांच रिपोर्ट के आलोक में अवमाननाकर्ता के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाएगी और कोर्ट को घटनाक्रम से अवगत कराने के लिए समय मांगा जाएगा ', कोर्ट ने सरकार का अनुरोध स्वीकार करते हुए मामले को 7 नवंबर, 2025 को पुनः सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

एकादशी पर वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़, 10 लोगों की मौत

●पीएम ने जताया दुख, मुआवजे का ऐलान।

प्रयागराज। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के एक मंदिर में शनिवार को भगदड़ मचने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में मची भगदड़ ने मुझे व्यथित कर दिया है। यह बहुत दुखद है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई। मैं पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। काशीबुग्गा का वेंकटेश्वर मंदिर आंध्र प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।वेंकटेश्वर मंदिर में देवउथनी एकादशी पर भारी भीड़ उमड़ी थी। इस दिन का मंदिर में खास महत्व है। यह घटना उस समय हुई जब एकादशी के अवसर पर मंदिर में भारी भीड़ जमा थी। श्रद्धालुओं की भारी अनियंत्रित हो गई और रेलिंग टूटने से हादसा हो गया।रेलिंग टूटी तो लोग सीढ़ियों से नीचे आकर गिरे। इधर नीचे जमा भारी भीड़ बचने के लिए भागी। लोग दबते गए और मरते चले गए।भगदड़ सुबह करीब 11:30 बजे हुई। राज्य के मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि घायलों को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया।

संक्षिप्त खबरें

बस्ती में ऑपरेशन लंगड़ा का असर, 50 हजार का इनामी अपराधी सद्दाम मुठभेड़ में घायल

बस्ती। बस्ती जिले मेंपुलिस अधीक्षक अभिनंदन के निर्देशन में चल रहे ऑपरेशन लंगड़ा अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है। स्वाट टीम, सर्विलांस यूनिट और थाना छावनी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 50 हजार रुपये के इनामी अपराधी सद्दाम को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया।मुठभेड़ छावनी थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर बांध के पास हुई, जहां पुलिस और अपराधी के बीच दोनों तरफ से गोलियां चलीं। कार्रवाई के दौरान सद्दाम गोली लगने से घायल हो गया, जिसे पुलिस टीम ने कब्जे में लेकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार, घायल सद्दाम गोंडा जिले का रहने वाला है और लंबे समय से पुलिस को इसकी तलाश थी। इस पर कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिनंदन स्वयं मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बाद में वे अस्पताल पहुंचे, जहां आरोपी सद्दाम का इलाज चल रहा था। एसपी ने वहीं आरोपी से पूछताछ भी की और पूरी घटना की जानकारी ली।मुठभेड़ में थाना छावनी के प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रसाद, स्वाट प्रभारी संतोष कुमार, सर्विलांस प्रभारी शशिकांत सिंह सहित पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस ने मौके से अवैध असलहा और कारतूस भी बरामद किए हैं।पुलिस का कहना है कि जिले में अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

डॉ शालिनी सिंह के नेतृत्व जन चौपाल का आयोजन कर महिलाओं को किया गया जागरूक

बस्ती। बस्ती जिले की प्रभारी निरीक्षक महिला थाना डॉ शालिनी सिंह मय टीम महिला कांस्टेबल प्रियंका, सुमन यादव, श्यामा पाठक द्वारा थाना कोतवाली के ग्राम गरवा में जन चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 150 की संख्या में महिलाओं एवं बालिकाओं ने प्रतिभाग किया महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया एवं विभिन्न हेल्प लाइन नंबरों तथा वूमेन पॉवर लाइन 1090,पुलिस आपातकालीन सेवा 112 एंबुलेंस सेवा 108 चाइल्ड लाइन 1098 स्वास्थ्य सेवा 102 महिला हेल्पलाइन 181 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 साइबर हेल्पलाइन 1930 आदि की जानकारी दी गई।इसके साथ ही देश के तीन नए आपराधिक कानूनों (भारतीय न्याय संहिता,2023; भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ,2023; तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023) साथ ही साथ साइबर जागरूकता अभियान के तहत साइबर अपराधों के खतरों से बचाव के उपायों के बारे में भी जानकारी दी गई जैसे साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट ऑनलाइन धोखाधड़ी एवं सोशल मीडिया धोखाधड़ी, वन - टाइम पासवर्ड, चोरी, यूपीआई फ्रॉड, साइबर बिलिंग आदि के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। चौपाल में आई महिलाओं ने इस अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लिया और प्रसन्नता जाहिर की और बताया कि आप लोगों द्वारा आयोजित किए जा रहे विभिन्न अभियानों से हम लोगों को बहुत ही लाभ प्राप्त हो रहा हैं

आर्गेनिक खाद से बढ़ी पैदावार, किसानों के चेहरे खिले

गोण्डा। वजीरगंज ब्लॉक के ग्राम पंचायत बंधवा में साई क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सीड टू सीड प्रोग्राम के तहत किसान सुरेश सिंह के खेत में हार्वेस्टिंग मीटिंग आयोजित की गई। इसमें 'साई पावर प्लस' और 'ग्रीन गोल्ड' आर्गेनिक खाद से धान की पैदावार रासायनिक खाद की तुलना में प्रति एकड़ 7 कुंतल अधिक दर्ज की गई।

आर. एम. राजेश मणि त्रिपाठी ने बताया कि आर्गेनिक खाद के प्रयोग से धान की बाली लंबी, कल्ले अधिक और वजन बेहतर मिला। मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढ़ी और पौधों में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हुई। इस मौके पर सेल्स ऑफिसर राम आशीष पांडेय, फील्ड ऑफिसर अचिन तिवारी व सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

लगातार बारिश से सड़ने लगा धान, गन्ने को भी नुकसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। लगातार तीन दिनों से जारी झमाझम बारिश ने बलरामपुर के किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। खेतों में पानी भर गया है, इससे सूखने के लिए काटकर रखी गई धान की फसल सड़ने लगी है। जिले के कई गांवों में खेतों का नजारा किसी तालाब से कम नहीं दिख रहा। धान, सरसों, मटर और आलू जैसी प्रमुख फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की है। मौसम में अचानक आए इस बदलाव से ठंड का असर भी शुरू हो गया है। लोगों ने गर्म कपड़े निकालने शुरू कर दिए हैं, वहीं किसान मौसम खुलने का इंतजार कर रहे हैं। पिपरहवा चौराहा, रेहरा बाजार, हरैया और तुलसीपुर क्षेत्रों के कई गांवों में खेतों में जलभराव की स्थिति है। धान की कटी फसल पूरी तरह पानी में डूब गई है। हवा और बारिश से खड़ी फसल भी गिर गई है। किसान अलखराम, सुकई, मंगल, शिवशंकर, ठुनई, रोशनलाल और मनीराम ने बताया कि कई बीघा फसल सड़ने लगी है। किसानों ने कहा कि अब मेहनत की कमाई तो गई ही, खेत दोबारा

तैयार करने में भी खर्च बढ़ जाएगा।

40 फीसदी तक घट सकता है उत्पादन

कृषि विज्ञान केंद्र पचपेड़वा के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. सियाराम कनौजिया ने बताया कि जिले में धान की अधिकांश फसल कटाई के चरण में थी। लगातार बारिश से खड़ी और कटी दोनों फसलें प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि खड़ी फसल का उत्पादन करीब 30 फीसदी, जबकि कटी फसल का 40 फीसदी तक घट सकता है। जो किसान चना, मटर, सरसों या आलू की अगेती बोआई कर चुके हैं, उन्हें भी नुकसान होगा क्योंकि बीज सड़ने की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने सलाह दी कि किसान खेतों में नालियां बनाकर जलनिकासी की व्यवस्था करें ताकि नुकसान कम हो सके।

गन्ना भी झुका, बढ़ी मजदूरी की लागत

रेहरा बाजार क्षेत्र में गन्ने की तैयार फसल भी बारिश की मार झेल रही है। खेतों में गिरे पौधे अब कटाई को मुश्किल बना रहे हैं। किसान रामधीरज, हरीश, रामदीन और सीताराम का कहना है कि फसल गिरने से मजदूरी और समय दोनों बढ़ जाएंगे, जिससे लागत दोगुनी हो जाएगी। किसानों का कहना है कि बारिश से फसलों का गंभीर नुकसान हुआ है। उन्होंने प्रशासन से गांव-गांव जाकर सर्वे कराने और प्रभावित किसानों को आपदा राहत व मुआवजा देने की मांग की है।

बाजार में जलभराव, व्यापार ठप

सादुल्लाहनगर में लगातार बारिश से गूमा तिराहा और मुबारक मोड़ पर जलभराव की स्थिति बनी रही। बाजार की सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आवाजाही में परेशानी हुई। दुकानदारों ने बताया कि ग्राहकों की संख्या घट गई है और व्यापार पर असर पड़ रहा है। स्थानीय निवासी अमीर अंसारी, डॉ. एनए अंसारी, योगेंद्र कुमार व अन्य लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन पर सफाई व निकासी की लापरवाही का आरोप लगाया। इसी तरह जिले के कई क्षेत्रों में जलभराव की समस्या है।

तहसील तुलसीपुर में समाधान दिवस पर सुनी गई शिकायतें, जिलाधिकारी ने निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। तहसील तुलसीपुर में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने आम जनता की शिकायतें सुनीं। उन्होंने उपस्थित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का गंभीरता, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर संबंधित विभागों की टीम मौके पर जाकर स्थलीय जांच कर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि शिकायतकर्ताओं को समय से न्याय मिल

सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जो प्रकरण उच्चाधिकारियों के स्तर से निस्तारण योग्य हैं, उन्हें तत्काल रिपोर्ट लगाकर आगे भेजा जाए, जिससे समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो सके।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जाए और समाधान दिवस की भावना के अनुरूप शिकायतों का निस्तारण किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, उपजिलाधिकारी तुलसीपुर, क्षेत्राधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार राजस्व निरीक्षक ओमप्रकाश श्रीवास्तव हकीमुल्ला लेखपाल राजू यादव श्रीनिवास श्याम सुंदर सहित तहसील व थाना स्तर के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जनता ने अपनी विभिन्न समस्याओं जैसे भूमि विवाद, राजस्व, पुलिस और सामाजिक प्रकरणों से संबंधित शिकायतें दर्ज कराई। प्रशासन ने सभी शिकायतों के शत-प्रतिशत निस्तारण का आश्वासन दिया।

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बदलते प्रतिमान विषय पर हुआ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट- दीनदयाल शोध संस्थान, इंडियन डेंटल एसोसिएशन-यूके तथा सेवा-यूके के संयुक्त तत्वावधान में धर्मनगरी में 'दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बदलते प्रतिमान' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन शनिवार को जटिल दंत समस्याओं के इलाज की बारीकियों की चर्चा की गई। इंग्लैंड के डॉ. कैरी बोपिया द्वारा ऑटोजेनस 3डी बोन ग्राफ्टिंग पर विस्तृत चर्चा की गई। दंत चिकित्सा में स्माइल डिजाइनिंग पर मुंबई के डेंटिस्ट डॉ संदेश मयेकर ने बताया कि मुस्कुराहट एक स्वाभाविक गुण है। मुस्कुराहट स्वाभाविक होती है इसे बनाया नहीं जा सकता। फूल की मुस्कुराहट स्वाभाविक है जबकि कोहिनूर की बनावटी है। मुस्कुराहट दंत चिकित्सा के तत्वों पर निर्भर रहती है मुस्कुराहट के लिए जीभ की बड़ी भूमिका होती है, इसका साइज सही अनुपात में होना चाहिए। सही एवं योजना बंद्ध तरीके से निदान किया जाए तो पूर्ण मुस्कुराहट लाई जा सकती है।

यूके इग्लेंड के डॉ. अशोक सेठी द्वारा प्रत्यारोपण दंत चिकित्सा में प्रकृति की नकल पर तथा लंदन के सीनियर डेंटिस्ट नरेश शर्मा द्वारा चित्रकूट में चलाए गए क्लेफ्ट और बर्न सर्जरी में सफलता, दंत चिकित्सा और सामुदायिक देखभाल के बीच सेतु के निर्माण आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गई। डॉ शर्मा ने बताया कि आरोग्य धाम दंत चिकित्सा के माध्यम से आयोजित कैंपों में जन्मजात दोषों, चोटों या बीमारियों के कारण कटे-फटे क्षतिग्रस्त त्वचा को ठीक करने का कार्य किया जा रहा है, जिससे शरीर के अंगों के कार्यप्रणाली को पुनः ठीक करके उसे बहाल किया जा सके और मरीज के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करके उसके आत्मविश्वास को बढ़ाया जा सके। आरोग्यधाम के वरिष्ठ दंतचिकित्सक डॉ वरुण गुप्ता ने ग्रामीण क्षेत्रों में चलाएं जा रहे दंत शिविरों पर अपने अनुभवों को रखते हुए यहाँ की प्रमुख आवश्यकताओं और कठिनाइयों पर ध्यान केंद्रित किया। बताया कि आरोग्य धाम का दंत चिकित्सा विभाग विगत 25 वर्षो से कार्य कर रहा है। लगभग बीस हजार मरीज प्रतिवर्ष दंत चिकित्सा में पंजीकृत होते हैं। 2018 से आईडीए यूके भी अपनी सेवाएं चित्रकूट प्रोजेक्ट में दे रहा है। इस मौके पर दंत चिकित्सा की नवीनतम तकनीकों, डिजिटल दंत चिकित्सा, दंत प्रत्यारोपण और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन भी किया गया। जिसके अन्तर्गत दंत चिकित्सा क्षेत्र के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए नवाचारों, सेवा, शोध एवं शिक्षा के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के विषय में बहुमूल्य जानकारी पाने का अवसर मिल रहा है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी गई जनसमस्याएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट- शासन के निर्देशानुसार जनसमस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सहित अन्य पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनी तथा निस्तारण के लिए सम्बन्धितों को निर्देशित किया। तहसील सभागार कर्वी में नवागंतुक जिलाधिकारी पुलकित गर्ग व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण रजिस्टर का अवलोकन करते हुए निस्तारण आख्या को देखा तथा प्रार्थना पत्र लेकर आएं फरियादियों की समस्याओं को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण किया जाए तथा निस्तारण से समस्याग्रस्त व्यक्ति को भी अवगत कराया जाए ताकि उसे निस्तारण से संतुष्टि हो सके। कहा कि जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण ही शासन की प्राथमिकता है। कहा कि जमीन से संबंधित विवादों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर भेजकर स्थलीय निरीक्षण कर निस्तारण कराएं। सभी अधिकारियों को

निर्देशित किया कि समय से अपने कार्यालय पहुंचे एवं जनसुनवाई करें। कहा कि समस्याएं लेकर आने वाले फरियादियों से साथ अच्छा व्यवहार करें। निर्देशित किया कि आईजीआरएस का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण समय से कराएं, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। साथ ही कहा कि शासन स्तर से संबंधित लम्बित प्रकरण से अवगत कराएं। बारिश के कारण किसानों को हुए फसल नुकसान का सर्वे कराकर मुआवजा देने के भी निर्देश दिए। इस दौरान प्राप्त कुल 57 प्रार्थना पत्रों में से आठ का निस्तारण मौके पर किया एवं शेष के लिए सम्बन्धितों को एक सप्ताह के अंदर निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया गया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी कर्वी पूजा साहू सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

इसी क्रम में मऊ तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम, अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह व मऊ उपजिलाधिकारी रामऋषि रमन ने समस्याएं सुनी। इस दौरान प्राप्त कुल 70 प्रार्थना पत्रों में से पांच का निस्तारण मौके पर किया गया तथा शेष के निस्तारण के लिए सम्बन्धितों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। राजापुर में उपजिलाधिकारी फूलचन्द्र यादव, क्षेत्राधिकारी राजकमल व तहसीदार भारत प्रताप सिंह ने फरियादियों की समस्याएं सुनी। इस दौरान प्राप्त कुल 60 प्रार्थना पत्रों में से पांच का निस्तारण मौके पर किया गया। इसके अलावा मानिकपुर तहसील में उपजिलाधिकारी मोहम्मद जसीम ने समस्याएं सुनकर सम्बन्धितों को निस्तारण के लिए निर्देशित किया। इस दौरान प्राप्त कुल 32 प्रार्थना पत्रों में से एक का निस्तारण मौके पर किया गया।

तहसील हर्रैया सभागार में सम्पूर्ण समाधान का आयोजन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के हरैयाशासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप शनिवार को तहसील हर्रैया सभागार में सम्पूर्ण समाधान का आयोजन जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्सना की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आयें नागरिको ने अपनी समस्याए जिलाधिकारी के समक्ष रखी। जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को गम्भीरता को सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दियें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 89 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से मौके पर 08 निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिन समस्याओं का समाधान मौके पर नही हो सका है उसका संबंधित अधिकारी प्राप्त

प्रार्थना पत्रों का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से करे ताकि शिकायतकर्ताओं को वास्तविक राहत मिल सकें। उन्होने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूमि विवादों एवं नामांत्रण संबंधी मामलों में अनावश्यक विलम्ब न किया जाय तथा न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित हों। समाधान दिवस में उपस्थित पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित शिकायतों का त्वरित व न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित किया जाय तथा शिकायतकर्ताओं से सरल व व्यवहारपूर्ण तरीके से उनके समस्याओं को जाने। सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएफओ डा. शिरीन, पीडी राजेश कुमार, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गुप्ता, उप जिलाधिकारी उमाकान्त तिवारी, सीवीओ डा. अरूण गुप्ता, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव, जिला सेवा योजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा, डीएसओ विमल कुमार शुक्ला, डीएचओ अरूण त्रिपाठी, ए-आर-कोआपरेटिव आशीष श्रीवास्तव, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, डीएलसी सचिन सिंह, एलडीएम आर.एन. मौर्या, बीएसए अनूप तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, जिला गन्ना अधिकारी सुनील कुमार सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

फिरोज पप्पू हत्याकांड में तीन नवंबर को सुनाया जाएगा निर्णय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। तुलसीपुर नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन फिरोज अहमद उर्फ पप्पू हत्याकांड में शुक्रवार को एसपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। विशेष न्यायाधीश दीप नारायण तिवारी ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसले का आदेश सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने अगली तिथि तीन नवंबर तय की है, इसी दिन फैसला सुनाया जाएगा। चार जनवरी 2022 की रात करीब 10:20 बजे नगर के जरवा मार्ग पर पूर्व चेयरमैन फिरोज पप्पू की उनके घर के पास निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने पूर्व सपा सांसद रिजवान जहीर, उनकी पुत्री जेबा रिजवान और दामाद रमीज

अहमद समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया था कि विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का टिकट पाने की होड़ में फिरोज पप्पू की बढ़ती लोकप्रियता और सक्रियता कुछ लोगों को नागवार गुजरी। इसी राजनीतिक रंजिश में हत्या की साजिश रची गई।

पुलिस जांच के दौरान जरवा मार्ग निवासी महफूज, हरैया के इमिलिया गनेशपुर निवासी मेराजुल हक उर्फ मामा, और प्रतापगढ़ के शकील को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में आरोपियों ने हत्या की पूरी साजिश और घटना की योजना कबूल की थी। पुलिस के अनुसार, इस हत्या की योजना एक माह पहले बनाई गई थी। तीन बार प्रयास असफल रहने के बाद आखिरकार चार जनवरी की रात हमला कर फिरोज पप्पू की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस हत्याकांड के राजफाश के लिए 250 सीसीटीवी कैमरे खंगाले और 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की थी। अब जब अदालत ने फैसले की तारीख तय कर दी है, तो शहर में इस चर्चित मामले को लेकर लोगों की निगाहें टिकी हुई हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के लिये एसडीएम ने बीएलओ को दिया प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। तहसील सभागार शोहरतगढ़ में प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) हेतु बीएलओ को प्रशिक्षण में शनिवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन उपजिलाधिकारी विवेकानंद मिश्र ने बीएलओ को महत्वपूर्ण जानकारी देते हुये सुचारू रूप से अभियान के कार्यक्रम को सम्पादित करने का निर्देश दिया। आगामी विशेष प्रकार केप्रगाढ पुनरीक्षण (एसआईआर) की रूपरेखा एवं तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। चार नवम्बर से बीएलओ घर घर जाकर मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) गणना कार्य चुनाव आयोग के निर्देश के तहत शुरू करेंगें। एसडीएम विवेकानंद मिश्र ने कहा कि इस बार प्रगाढ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम आजादी के बाद देश में नौवीं बार आयोजित किया जा रहा है।

वर्ष 1951 से 2004 तक कुल आठ बार एसआईआर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) विशेष गहन पुनरीक्षण संपन्न हो चुका है। इससे पहले एस आई आर 21 साल पहले 2002-2004 में अंतिम बार हुआ था। अब पुनः होने जा रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लगे सभी बीएलओ जिम्मेदारी से काम करेंगें। कहा कि एसआईआर सुनिश्चित करेगा की कोई भी योग्य मतदाता का नाम छूट न जाए और किसी भी अयोग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने बताया कि इस प्रगाढ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के गणना प्रपत्रों का मुद्रीकरण तीन नवंबर 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद वीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। निर्वाचक नामावली लेखन का कार्य 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक संपन्न होगा, जबकि निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 9 दिसंबर 2025 को किया जाएगा। दावा एवं आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। इसके बाद आपत्तियों की जांच, सत्यापन एवं निस्तारण कार्य 9 दिसंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। अंततः निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा। इस मौके पर वोटर रजिस्ट्रेशन सेंटर कंप्यूटर ऑपरेटर सीपी सिंह व बीएलओ मुरलीधर अमित कुमार चौधरी विजय कुमार सुग्रीव यादव पशुपतिनाथ ठाकुर आदि मौजूद रहे।

दलहन उत्पादन के क्षेत्र में बुन्देलखण्ड को स्वावलम्बी बनाने का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट- भारत सरकार की मंशा देश दलहन उत्पादन के क्षेत्र में स्वावलंबी बने और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र का चित्रकूट दलहन का कटोरा कहा जाने वाला यह भूभाग पुनः दलहन के क्षेत्र में अपना कीर्तिमान स्थापित करें। इसी क्रम में शनिवार को कृषि विज्ञान केन्द्र गनींवा द्वारा ग्राम पंचायत पैकौरा के किसानों को मसूर का प्रदर्शन कर बीज वितरित किए गए। कार्यक्रम में संस्थान के प्रधान सचिव निखिल मुंडलेजी ने किसानों को दलहन और तिलहन के क्षेत्र में उत्पादन के साथ बीज उत्पादन करने के लिए प्रेरित किया गया। कहा किसान के खेत में पैदा होने वाला अन्न का एक-एक दाना कभी बीज के रूप में और कभी अनाज के रूप में हमारे

सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमिताभ वशिष्ठ के द्वारा किसानों को दलहन उत्पादन के साथ दलहनी फसलों का प्रसंस्करण एवं भंडारण पर भी जोर देने के लिए कहा गया।

उन्होंने किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से जुड़कर अधिक से अधिक दलहनी फसलों के उत्पादन एवं उनके प्रसंस्करण की सम्पूर्ण विधा का तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने के लिए के लिए प्रेरित किया। इस दौरान ग्राम पैकौरा के 37 कृषकों को बीज का प्रदर्शन कर वितरण किया गया। कार्यक्रम संयोजक ने बताया कि इस वर्ष केंद्र द्वारा दलहन स्वावलंबन के अंतर्गत 8-10 ग्राम केन्द्रों में लगभग 200 हेक्टेयर का दलहन उत्पादन का कार्यक्रम चलाया जायेगा। इस मौके पर संस्थान के सचिव अपराजित शुक्ला, केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ राजेन्द्र सिंह नेगी, कमलाशंकर शुक्ल, वैज्ञानिक विजय गौतम, अभय शुक्ला आदि मौजूद रहे।

आज जनपद के तीन केन्द्रों में होगी डॉ अंबेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट- भारतीय बौद्ध महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष गयाप्रसाद बौद्ध ने बताया कि युवा एवं बाल विकास समिति अन्तर्गत दो नवंबर रविवार को डॉ अम्बेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। बताया कि यह परीक्षा जनपद के तीन केंद्रों एबेनेजर जूनियर हाईस्कूल कर्वी, सरस्वती शिशु मंदिर भरतकूप व उच्च प्राथमिक विद्यालय मिर्जापुर राजापुर में आयोजित की जाएगी। जिसके लिए राजबहादुर वर्मा को एबेनेजर जूनियर हाईस्कूल कर्वी, मुन्नी लाल शाक्य को सरस्वती शिशु मंदिर भरतकूप, जाहर सिंह एवं गणेश शंकर विद्यार्थी को उच्च प्राथमिक विद्यालय मिर्जापुर राजापुर का केंद्र प्रभारी बनाया गया है। बताया कि डॉ अम्बेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता जूनियर एवं सीनियर वर्ग में परीक्षा जाती है। जिसमें सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 10,000 रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 8000 रुपए, तृतीय स्थान करने वाले को 6000 रुपये तथा 10 विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार के रुप में 1,500 रुपये एवं शील्ड प्रदान की जाती है। इसी प्रकार जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 9,000 रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 7,000 रुपये, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 5,000 रुपये तथा सांत्वना पुरस्कार के रुप में 10 विद्यार्थियों को 1,000 रुपये व शील्ड प्रदान की जाती है। बताया कि परीक्षा को नकलविहीन सम्पन्न कराने के लिए डॉ पीएन बौद्ध को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। बताया कि परीक्षा में मोबाइल फेन, केलकुलेटर डिवाइस सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान, पुस्तकें, नोट्स पर प्रतिबंध रहेगा।

महिला ने लगाया मारपीट करने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। रिपोर्टिंग चौकी राजघाट क्षेत्र में रहने वाली ज्योति पत्नी माखन ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि बीती 24 अक्टूबर को रात करीब 8 बजे वह घर के दरवाजे पर बैठी थी। तभी ग्राम मड़वारी निवासी बलराम पुत्र रामदया, तेज सिंह पुत्र बलराम, राधा पत्नी तेज सिंह व सोन सिंह पुत्र गोवन एक राय होकर आये। पुरुषों ने शराब के नशे में धुत्त होकर उसके साथ गालियां देते हुए मारपीट कर दी। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

संक्षिप्त खबरें

डिसेन्ट मेन्स सैलून का हुआ भव्य उद्घाटन ।

लखनऊ । निलमथा डिप्टीगंज नियर एम बाजार शहीद पथ के पास डिसेंट मेन्स सैलून का भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथि अवध वृन्दावन डेवलपमेंट एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस0 के0 द्विवेदी का प्रोपराइटर इश्तियाक अली ने माला पहनाकर स्वागत किया तथा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रतिष्ठान डिसेन्ट मेन्स सैलून का फीता काटकर उद्‌ाटन किया ।इसी क्रम में विशिष्ठ अतिथी समाज सेवक मो0 शकील , वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर चौबे , संगठन के महासचिव उमाशंकर बाजपेई , राज्य महिला आयोग की महिला काउन्सलर रिषी भट्ट , समाजसेवक रवि सिंह , शत्रुधन कश्यप का भी प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर ने माला पहनाकर सम्मानित किया । यह मेन्स पार्लर आधुनिक सुविधाओ से पूर्ण है । इस कार्यक्रम में उपस्तिथ मोईनुद्दीन , किस्मत अली , सिराज अली, शाकिर अली , विजय रावत , ठाकुर शिवमगन सिंह , काफी संख्या में सम्भ्रान्त जन उपस्तिथ रहे ।

मेन बाजार में भीषण जाम, घंटों फंसे रहे वाहन और मुसाफिर

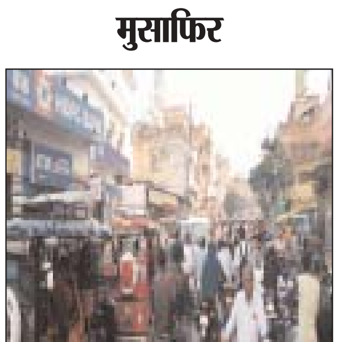

लालगंज (रायबरेली)। नगर की मेन रोड स्थित नईबाजार मोहल्ले में शनिवार को भीषण जाम लग गया। दोपहर तीन बजे के आसपास शुरू हुआ जाम करीब दो घंटे तक चला, जिसमें एंबुलेंस, स्कूल वैन, पीआरवी वाहन और आम लोग फंसे रहे। स्कूल की छुट्टी के समय जाम और बढ़ गया। अस्पताल मोड़ से लेकर करुणा बाजार, आचार्य नगर रोड व बेहटा चौराहे तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। पैदल यात्रियों और साइकिल सवारों को निकलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क किनारे दुकानदारों ने कब्जा कर रखा है, जिससे दो वाहन आमने-सामने नहीं निकल पाते। नगर पंचायत का अतिक्रमण हटाओ अभियान अब बेअसर साबित हो रहा है। अधिशासी अधिकारी राजभान शुक्ला ने बताया कि जल्द ही फिर से अभियान चलाकर सड़क से अतिक्रमण हटाया जाएगा।

चंदापुर थाना क्षेत्र बेखौफ चोरों का आतंक जारी है।

महराजगंज/रायबरेली: गुरुवार/शक्रवार की रात पीछे खेतों की तरफ से निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल की दीवार तोड़कर अंदर घुसे अज्ञात चोरों ने राजकीय बालिका हाई स्कूल मऊ के कमरे की कुंडी तोड़ कर एलईडी टीवी पार कर दिया, सुबह विद्यालय पहुंची प्रधानाध्यापिका ने घटना की जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले में छानबीन शुरू कर दी है। आपको बता दें कि, घटना चंदापुर थाना क्षेत्र के राजकीय बालिका हाईस्कूल मऊ का है। गुरुवार की रात अज्ञात चोरों द्वारा विद्यालय के पीछे की निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल गिराकर अंदर घुसे चोरों ने स्टाफ रूम के दरवाजे का कुंडी ताला तोड़कर रूम में लगी 32 इंच की एलइडी टीवी पार कर दिया। शुक्रवार की सुबह प्रधानाचार्य पूजा सिंह विद्यालय पहुंची तो दरवाजे की कुंडी और ताला टूटा देख उनके होश उड़ गए। विद्यालय में अंदर दाखिल होकर उन्होंने देखा तो स्टाफ रूम में लगा 32 इंची एलइडी टीवी गायब था। उन्होंने घटना की सूचना स्थानीय थाने में लिखित तौर पर दे दी है। सूचना पर मौके पर पहुंची चंदापुर पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और छानबीन शुरू कर दी है।थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि, प्रकरण संज्ञान में आया है। घटना की पड़ताल जारी है। जल्द ही चोरी की घटना का अनावरण कर आरोपियों को जेल भेजा जाएगा।

ग्रामीण भारत में वर्षा जल प्रबंधन इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) सेमिनार का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 2025 को इंजीनियर्स भवन, रिवर बैंक कॉलोनी, लखनऊ में 'ग्रामीण भारत में वर्षा जल प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। आज यह प्रणाली गाँवों में जल संरक्षण, फसल उत्पादन वृद्धि, पर्यावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने के एक प्रभावी उपाय के रूप में उभर चुकी है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. बंगाली बाबू, पूर्व राष्ट्रीय निदेशक ने बताया कि सेमिनार का उद्देश्य और महत्व ग्रामीण क्षेत्रों में जल की उपलब्धता बढ़ाना, भूजल स्तर को पुनर्जीवित करना तथा सिंचाई एवं पेयजल के लिए वर्षा जल का वैज्ञानिक उपयोग सुनिश्चित करना है।डॉ. बंगाली बाबू, ने कहा कि भारत में वर्षा जल संचयन की परंपरा सदियों पुरानी है, किंतु आधुनिक स्वरूप में यह पहल 1990 के दशक में गंभीर जल संकट के बाद संगठित रूप से प्रारंभ हुई। वर्षा जल प्रबंधन के प्रमुख लाभः ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल स्तर में वृद्धि होती है। कृषि सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता बढ़ती है। बाढ़ एवं जलभराव की समस्या में कमी आती है। जल गुणवत्ता में सुधार और पेयजल संकट में राहत मिलती है। पर्यावरणीय संतुलन और सतत विकास को प्रोत्साहन मिलता है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ0 आर0सी0 श्रीवास्तव, पूर्व कुलपति, डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर (बिहार) ई0 पी0आर0 चौरसिया, पूर्व प्रमुख अभियंता (लघु सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार); ई0 जमाल नुसरत चौधरी, पूर्व विभागाध्यक्ष (सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार);

ई0 देवेंद्र कुमार, प्रमुख अभियंता (लघु सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार); तथा ई0 संदीप कुमार, अभियंता-इन-चीफ एवं प्रमुख अभियंता (सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार) उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आरंभ में परिषद सदस्य प्रो. (डॉ.) भरत राज सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं वर्षा जल प्रबंधन की उपयोगिता और ग्रामीण क्षेत्रों में इसके प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए। इसके पश्चात कार्यक्रम के संयोजक ई. के. पी. त्रिपाठी ने विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी विशिष्ट अतिथियों से इस विषय पर बिंदुवार विचार-विमर्श करके अनुशंसा बना कर इसे संबंधित सरकारी एवं अर्धसरकारी विभागों को प्रेषित करना बताया। कार्यक्रम के समापन पर ई0 वी0पी0 सिंह, मानद सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य केन्द्र ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया और सभी अतिथियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने स्नेहभोज (लंच) में सहभागिता की।

कोतवाली प्रभारी ने होमगार्ड को सम्मानित कर होमगार्ड विभाग का बढ़ाया गौरव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। विगत माह की भांति इस माह भी, आज दिन शनिवार को कोतवाली परिसर में प्रभारी निरीक्षक जगदीश यादव एस एस आई देवेंद्र सिंह भदौरिया ने एक होमगार्ड को सम्मानित कर होमगार्ड विभाग का गौरव बढ़ाया।बताते चलें कि कोतवाली क्षेत्र में कार्य करने वाले होमगार्ड व उत्कृष्ट कार्य व अच्छा प्रदर्शन तथा निष्ठा व कार्यशैली के चलते आज कोतवाली परिसर में कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव एवं एस एस आई देवेंद्र सिंह भदौरिया ने होमगार्ड राजीव कुमार मिश्रा को सम्मानित कर उनके द्वारा किये गए कार्यो की सराहना की इस मौके पर ,बी ओ राजेश कुमार राय ,पीसी इंद्रमणि सिंह, छिद्दई प्रसाद ,रमेश कुमार मौर्य, रामकुमार सिंह ,लाल मोहम्मद, मेवालाल गौड़, राम यश मौर्य, रामदास यादव ,रामप्रताप यादव ,आशीष द्विवेदी ,धर्मेंद्र मौर्य ,शिवकरण यादव, कमलाकांत ,रामसुफल, रमापति वाजपेई ,रमेश मिश्रा ,तेज कुमार, राम प्रकाश ,दिनेश सिंह ,रामकुमार यादव ,राजेश सिंह ,बृजेश सिंह रामसमुझ ,सुरेश यादव ,आदि होमगार्ड मौजूद रहे।

आज होगा माता का चतुर्थ विशाल जागरण , उमड़ेगा भक्तों का जन सैलाब

● मऊ बाजार दुर्गा मंदिर ग्राउंड में भक्तों का उमड़ेगा सैलाब, प्रसिद्ध भजन मंडलियां करेंगी संगत को मंत्रमुग्ध ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज/लखनऊ- मोहनलालगंज नगर पंचायत क्षेत्र के मऊ बाजार में स्थित दुर्गा माता मंदिर ग्राउंड पर आज मां भगवती के चतुर्थ भव्य जागरण का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया जाएगा। माँ अष्टभुजी दुर्गा भक्ति मंडल समिति की ओर से आयोजित यह वार्षिक भक्ति उत्सव पहले 30 अक्टूबर को होना प्रस्तावित था, किंतु बारिश के कारण स्थगित कर दिया गया था। अब क्षेत्रीय श्रद्धालुओं के सहयोग और भक्ति भावना के साथ यह आयोजन 02 नवम्बर 2025, रविवार को पूर्ण धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न होगा। मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार जागरण में विशेष रूप से आमंत्रित प्रसिद्ध भजन गायक और भजन मंडलियां माता रानी की महिमा का गुणगान करेंगी। कार्यक्रम में बनारस से प्रसिद्ध गायक राकेश लक्खा, लखनऊ से नेहा द्विवेदी व प्रीति शर्मा, इलाहाबाद से पंडित शिवम् और लखनऊ से ही ज्वाला म्यूजिकल ग्रुप व पार्टी संरक्षक अनुपम लोधी अपने मधुर भजनों से माता रानी को रिझाएंगे और श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो देंगे। आयोजकों ने बताया कि मां के इस भव्य जागरण में दूर-दूर से श्रद्धालु शामिल होंगे और माता जी के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करेंगे। पूरा आयोजन भक्तिमय माहौल में संपन्न होगा, जहां माँ दुर्गा के जयकारों से वातावरण गूंज उठेगा। समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं को सपरिवार सादर आमंत्रित किया गया है कि वे आकर माँ अष्टभुजी के चरणों में अपना शीश नवाएं और उनके आशीर्वाद से अपने जीवन को कृतार्थ करें।

क्रय केंद्र शुरू होते ही, किसानों में हाय तौबा मची, रास्ते में भारी कीचड़ बनी मुसीबत

● गन्ना लोडिंग समय से न होने के कारण घंटों खड़े रहते हैं किसान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। अभी गन्ना क्रय केंद्र शुरू हुए लगभग एक सप्ताह ही हुआ है कि गन्ना तौलाई व उतराई को लेकर किसानों में हाय-तौबा मच गई है। गन्ना लोडर व मजदूर कम होने से गन्ना तुलवाने के बाद किसानों को अपना गन्ना उतराई के लिए कई कई घंटों इंतजार करना पड़ता है। गन्ना क्रय केंद्र पर मौजूद किसान अरुण कुमार तिवारी, होशराम, प्रदीप कुमार, योगेश कुमार वर्मा आदि ने बताया कि तौल के हिसाब से गन्ना लोडर कम होने से गन्ना उतराई के लिए हम सभी को घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। कोई सुनने वाला नहीं है।जहांगीराबाद केन्द्र पर मात्र दो लोडर हैं जिन पर दो- दो मजदूर ट्रकों पर गन्ना लोड करते हैं। किसानों के अनुसार जिनमें एक लोडर धीमा है।किसी प्रकार अगर किसान अपना गन्ना तुलवा भी लेता है तो उसे खाली कराने के लिए बैलगाड़ी व ट्रैक्टर ट्राली लेकर कई कई घंटों तक खड़े रहकर गन्ना लोडरों का इंतजार करना पड़ता है तब जाकर किसी प्रकार अपनी बैलगाड़ी/डनलप व ट्रैक्टर ट्राली खाली करा पाता है। दि बिसवां सेक्सरिया शुगर फैक्ट्री के जहांगीराबाद गन्ना क्रय केंद्र पर सड़क से गन्ना क्रय केंद्र तथा तौल कांटे तक जाने के रास्ते में भारी कीचड़ हो गया है। गन्ना तुलवाने के लिए बैलगाड़ी व ट्रैक्टर ट्राली इस रास्ते पर निकालना मुश्किल हो गया है लेकिन कोई भी फैक्ट्री का जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। इस सम्बन्ध में क्रय केंद्र प्रभारी रामचन्द्र वर्मा ने बताया कि इधर औसतन 80 पर्चियों की तौल हो रही है जिसे मौसम सही होते ही और बढ़ाया जाएगा। गन्ना लोडरों और मजदूरों की कमी से यह समस्या उत्पन्न हो रही है। किसानों को काफी समय तक अपना गन्ना उतरवाने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। अगर लोडर व मजदूर बढ़ा दिये जायें तो समस्या काफी हद तक हल हो जाएगी। खराब रास्ते के सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि अचानक बरसात हो जाने से रास्ता बहुत खराब हो गया है।मिल अधिकारियों को जानकारी दी गई है। उन्होंने जल्द ही इसे सही कराने को कहा है। गन्ना उतराई में देरी व किसानों की परेशानी के सम्बन्ध में जब ठेकेदार प्रदीप कुमार गौड़ से फोन पर बात की गई तो उन्होंने कीचड़ होना तथा गन्ना किसानों द्वारा सहयोग न किये जाने का हवाला देते हुए पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने कहा कि दो लोडर केन्द्र पर हैं जिन पर दो दो मजदूर हैं। किसान जल्दबाजी के चक्कर में जबरदस्ती करता है।वह सहयोग नहीं करता इसलिए टाइम ज्यादा लगता है।

कठिनाइयों को हराकर... बेटी ने पूरा किया पिता का सपना

●लखनऊ की रिया अवस्थी ने यूपीएससी भू-वैज्ञानिक परीक्षा में नौवीं रैंक हासिल कर शहर को किया गौरवान्वित ।

पिता का सपना, माँ की प्रेरणा, और बेटी की लगन ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजाजीपुरम की निवासी रिया अवस्थी ने संघ लोक सेवा आयोग यूपीएससी द्वारा आयोजित भू-वैज्ञानिक जियो साइंटिस्ट परीक्षा में नौवीं रैंक हासिल करके एक मिसाल कायम की है। यह सफलता केवल उनकी नहीं बल्कि उनके दृढ़ संकल्प, अथक परिश्रम और विशेष रूप से पिता के निधन के बाद माँ एवं संयुक्त परिवार के अटूट भावनात्मक समर्थन की कहानी है। मूल रूप से पट्टी अमौरा की निवासी रिया के लिए यह राह आसान नहीं थी। उन्होंने अपनी इस महान उपलब्धि का श्रेय अपनी माँ संध्या अवस्थी और भाई चित्रांश अवस्थी सहित पूरे परिवार को दिया। रिया ने बताया कि पिता सुनील कुमार अवस्थी के निधन के बाद उनकी माँ ने टूटने के बजाय उन्हें उन्नति के मार्ग पर चलने के लिए लगातार प्रेरित किया।

रिया ने बताया पिता का सपना था कि मैं अफसर बनकर उनका नाम रोशन करूं। पिता के न रहने पर माँ और भाई चित्रांश अवस्थी सहित पूरे परिवार ने साथ निभाया। माँ पूरी हिम्मत मेहनत के साथ उन्नति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती रहीं। उसी का नतीजा है कि मैं इस परीक्षा में सफल हो सकी।रिया की यह सफलता दर्शाती है कि मुश्किल समय में भी परिवार का साथ और एक बच्चे का दृढ़ निश्चय किसी भी सपने को साकार कर सकता है।अपनी शुरुआती शिक्षा से ही एक मेधावी छात्रा रही हैं। यूपीएससी में नौवीं रैंक लाने से पहले भी उन्होंने अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता को साबित किया 6वीं रैंक गेट-2025 ऑल इंडिया 185वीं रैंक इंटरमीडिएट के बाद गणित, भौतिक विज्ञान और भू-गर्भ शास्त्र से बीएससी करने वाली रिया ने एमएससी के दौरान ही यूपीएससी जियो साइंटिस्ट की तैयारी शुरू कर दी थी।रिया अवस्थी की यह उपलब्धि उन सभी उम्मीदवारों के लिए एक प्रेरणास्रोत है जो जीवन के बड़े संकटों का सामना करते हुए भी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जी-तोड़ प्रयास कर रहे हैं। यह कहानी लखनऊ की एक बेटी की है जिसने अपने हौसले से न केवल अपना बल्कि अपने पिता का सपना भी पूरा किया।

रामायण में हनुमान की भूमिका-दैवीय वायुगतिकी तथा भक्ति, श्रद्धा, शक्ति और ब्रह्मांडीय सेवा के प्रतीक रूप में छिपा वैदिक विज्ञान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रोफ. भरत राज सिंह, महानिदेशक (तकनीकी), रामायण केवल एक धार्मिक महाकाव्य नहीं, बल्कि मानव चेतना, ऊर्जा विज्ञान और दैवीय वायुगतिकी का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत करने वाला ग्रंथ है। हनुमान जी का चरित्र भारतीय संस्कृति में केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि मानव चेतना की वैज्ञानिक, दार्शनिक और आध्यात्मिक गहराइयों का अद्भुत उदाहरण है। रामायण में वर्णित उनकी शक्ति, गति, और भक्ति यह दर्शाती है कि प्राचीन भारतीय विचारधारा में भक्ति और विज्ञान के बीच कोई विरोध नहीं था, बल्कि दोनों एक-दूसरे के पूरक थे। हनुमान जी के चरित्र में निहित अलौकिक घटनाएँ, जैसे बाल्यावस्था में सूर्य को फल समझकर निगलने का प्रयास, वस्तुतः ऊर्जा अवशोषण (Solar Absorption) और ब्रह्मांडीय शक्ति नियंत्रण का द्योतक हैं। यह प्रसंग इस तथ्य की ओर संकेत करता है कि वानरराज के रूप में अवतरित यह दिव्य सत्ता 'सौर ऊर्जा' और 'गुरुत्वाकर्षण बल' की सीमाओं को लांघने की क्षमता रखती थी।

अरण्यकाण्ड एवं किष्किन्धाकाण्ड में हनुमान की भूमिका सुग्रीव से राम का मिलन कराना, बाली का वध और सीता की खोज-मानव सेवा व ब्रह्मांडीय कर्तव्य के प्रतीक रूप में वर्णित है। गिद्धराज सम्पाति से सूचना प्राप्त कर समुद्र पर छलांग लगाना, मैनाक पर्वत को पाताल में धकेलना तथा लंका में प्रवेश कर सीता माता को आश्वस्त करना ये प्रसंग वायुगतिकीय गति, गुरुत्व पर नियंत्रण तथा दिशा-संवेदन जैसे आधुनिक एयरोडायनमिक सिद्धांतों की झलक प्रस्तुत करते हैं। हनुमान जी की उड़ान को 'दिव्य एयरोडायनमिक्स' के रूप में देखा जा सकता है, जहाँ उनकी प्राणशक्ति उनके शरीर को गुरुत्वाकर्षण से मुक्त करती है। योगशास्त्र में वर्णित उदान वायुका नियंत्रण ही उड़ान की योगिक शक्ति का स्रोत है। जब वे समुद्र पार करते हैं, तो यह घटना केवल अद्भुत भक्ति नहीं बल्कि प्राण ऊर्जा के वैज्ञानिक प्रयोग का द्योतक भी है। उनकी उड़ान के दौरान उत्पन्न ध्वनि और आकाशीय कंपन आधुनिक भौतिकी के 'सुपरसोनिक फ्लाइट' और 'सोनिक बूम' सिद्धांतों से साम्यता रखता है। सुन्दरकाण्ड के लंका-दहन प्रसंग में हनुमान का 'अणिमा-गरिमा' सिद्धियों का प्रयोग, ऊर्जा प्रबंधन और दहन-शक्ति के वैदिक रूप का प्रतीक है। वहीं, लंकाकाण्ड में लक्ष्मण को शक्तिवाण लगने पर सुसेन वैद्य के कहने पर संजीवनी बूटी हेतु हिमालय की यात्रामें मायावी राछस कालनेमि रास्ते में व्यवधान डाल रहा था, जमीं पर उतरकर को मारना, जो उड्डयन गति रोकना (कण्ट्रोल लैंडिंग) दर्शाता है और द्रोणागिरी पर्वत को संपूर्ण उठा लाना यह पृथ्वी के चुंबकीय संतुलन, औषधीय विज्ञान और गुरुत्वाकर्षण प्रतिरोध के प्रतीकात्मक उदाहरण हैं। भरत द्वारा बाण से गिराए जाने के उपरांत पुनः जीवित होकर लंका पहुँचना और अहिरावण का वध कर राम-लक्ष्मण की रक्षा करना यह उनकी 'दैवीय सेवा' का प्रत्यक्ष उदाहरण है। हनुमान चालीसा की पंक्तियाँ 'नासै रोग हरे सब पीरा, जपत निरंतर हनुमंत बीरा' आध्यात्मिक आवृत्ति की शक्ति को दर्शाती हैं, जबकि 'अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता, असबर दीन जानकी माता' उनके द्वारा नियंत्रित वैदिक ऊर्जा-प्रणालियों का संकेत देती हैं। हनुमान अष्टक में 'मनोजवं मारुततुल्यवेगं' जैसे पद हनुमान के दैवीय वेग और वायुगतिकीय नियंत्रण के सर्वोत्तम प्रतीक हैं। युद्ध की समाप्ति पर अयोध्या वापसी के समय पुष्पक विमान से पूर्व ही भरत को राम के लौटने का संदेश देना, न केवल तीव्र संचार क्षमता का संकेत है, बल्कि यह ब्रह्मांडीय सेवा भावना का सर्वोत्तम उदाहरण भी है। हनुमान जी की गदा (मेस) भी दैवीय शक्ति का प्रतीक मात्र नहीं, बल्कि वैदिक इंजीनियरिंग का प्रतीकात्मक रूप है। यह ऊर्जा, संतुलन और नियंत्रण का समन्वय है। भौतिक दृष्टि से, गदा कोणीय संवेग और जायरोस्कोपिक स्थिरता का प्रतिनिधित्व करती है। इसका प्रयोग संकेत देता है कि ऊर्जा जब चेतना द्वारा नियंत्रित होती है तो वह सृजन का माध्यम बन जाती है। इस प्रकार हनुमान जी का चरित्र श्रद्धा, शक्ति और सेवा का ऐसा ब्रह्मांडीय समन्वय प्रस्तुत करता है, जहाँ वैदिक विज्ञान, योगशक्ति और दैवीय वायुगतिकी एक ही सूत्र में गुंथे हुए हैं। उनकी भक्ति का वैज्ञानिक विश्लेषण यह बताता है कि भक्ति केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि ऊर्जा का रूपांतरण है। जब मनुष्य अहंकार त्यागकर समर्पण की अवस्था में पहुँचता है, तब उसकी आंतरिक ऊर्जा दिव्यता से जुड़ जाती है। यही 'भक्ति विज्ञान' है जहाँ मन, प्राण, और चेतना का समुच्चय एक अनंत शक्ति उत्पन्न करता है। रामायण में उनका स्वरूप केवल भक्ति का नहीं, बल्कि विज्ञान और चेतना के एकीकृत दर्शन का जीवंत उदाहरण है, जो आज के वैज्ञानिक युग में भी प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

केन्द्रीय मंत्री सर्वानंद सोनवाल के आगमन से पहले एसपी ने संभाली सुरक्षा की कमान, किया पैदल मार्च

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भरतकूप,चित्रकूट। थाना भरतकूप क्षेत्रान्तर्गत मडफा पहाड़ कोलौहा स्थित शंकराचार्य आश्रम में आगामी 2 नवम्बर 2025 को होने वाले भूमि पूजन कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कार्यक्रम में मा0 केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनवाल के आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने शनिवार को कार्यक्रम स्थल पहुंचकर संपूर्ण क्षेत्र का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने भूमि पूजन स्थल के साथ-साथ आसपास के जनसभा स्थल की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया और वहां तैनात पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि मंत्री के आगमन के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त रखी जाए।निरीक्षण के दौरान एसपी अरुण कुमार सिंह ने वर्ष 2007 में डकैत ठोकिया गिरोह के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद हुए पुलिस जवानों की स्मृति में ग्राम कोलौहा में निर्मित शहीद स्मारक का भी दौरा किया। उन्होंने स्मारक के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण को लेकर स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से चर्चा की। इसके उपरांत एसपी ने कोलौहा के जंगलों में पुलिस बल के साथ पैदल मार्च कर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक भरतकूप उपेन्द्र प्रताप सिंह, अपराध निरीक्षक अभय प्रताप सिंह, पीआरओ कौशल सिंह सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। एसपी के इस निरीक्षण से क्षेत्रीय नागरिकों में सुरक्षा को लेकर विश्वास की भावना मजबूत हुई है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि आगामी कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न होगा।

विद्युत उपभोक्ता परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। विद्युत उपकेन्द्र उसका बाजार फीडर की जर्जर हालत एक बार फिर उपभोक्ताओं के लिए मुसीबत बनकर सामने आई है। आए दिन खराब होने वाले इस फीडर से जुड़े उपभोक्ता पिछले चार पांच दिनों से बिजली के लिए तरस रहे हैं। लोग अंधेरे में रात व्यतीत करने के लिए मजबूर हैं। अनियमित कटौती लोगो के परेशानी का शबब बना हुआ है। बुधवार की रात में कटी विद्युत आपूर्ति शनिवार शाम चार बजे तक बहाल नहीं हो सकी थी। दो दिन में हुए बरसात व हल्की हवा चलने से यहां की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बाधित हो गई है, जिससे दर्जनों गांवों में अंधेरा छा गया था। नगर क्षेत्र और आस-पास के गांवों के उपभोक्ता अक्सर होने वाले फाल्ट की समस्या से जूझते चले आ रहे हैं। बुधवार को हुए फाल्ट के नहीं बनने के कारण दर्जनों गांवों में लगातार दो दिन से बिजली की आपूर्ति पूरी तरह से ठप है। ऐसे में उपभोक्ताओं में गहरा रोष व्याप्त है। इस दौरान उपकेन्द्र पर तैनात कर्मचारियों के मोबाइल बंद मिल रहे हैं। स्थानीय निवासी धीरेन्द्र प्रताप सिंह, अनूप बागी, सिद्धार्थ सिंह, आयुष प्रजापति, आदि ने बताया कि बरसात के दिनों में बिजली गुल होने से न सिर्फ कारोबार प्रभावित हो रहा है, बल्कि घरों में भी परेशानियां बढ़ जा रही हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस सम्बन्ध में जेई कायम सिंह से दूरभाष पर बात करने की कोशिश की गई लेकिन मोबाइल नेटवर्क में न होने के कारण बात नही हो सका।

प्रोफेसर रामदरश मिश्र का हिन्दी साहित्य में योगदान

प्रोण् रामदरश मिश्र का निधन हिंदी साहित्य जगत के लिए एक अत्यंत बड़ी क्षति हैए जिससे एक लंबे साहित्यिक अध्याय का भावपूर्ण अंत हो गया हैण् मिश्र जी ने कविताए कहानीए उपन्यासए संस्मरणए एवं आलोचना के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया थाए और ग्रामीण जीवनए सरलताए तथा मानवीय संवेदना की गहराइयों को अपनी रचनाओं में अभिव्यक्ति दी रामदरश मिश्र का जन्म 15 अगस्त 1924 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के डुमरी गाँव में हुआ था। एक साधारण ग्रामीण परिवार में जन्मे मिश्र जी ने कठिन परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त की और आगे चलकर हिन्दी जगत के शीर्ष शिक्षाविदों में स्थान पाया। उन्होंने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त कीए और फिर गुजरात विश्वविद्यालयए सायाजीराव गायकवाड़ विश्वविद्यालय तथा दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्यापन किया। 1964 से 1990 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग के प्रोफेसर के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने असंख्य विद्यार्थियों को न केवल भाषा और साहित्य का ज्ञान दियाए बल्कि जीवन.दृष्टि भी दी। उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि ने उन्हें गहराई दीए पर उनकी रचनात्मक चेतना सदैव लोकजीवन से जुड़ी रही। मिश्र जी का लेखन बहुआयामी है। उन्होंने कविताए कहानीए उपन्यासए आलोचनाए संस्मरणए आत्मकथा और निबंधकृहर विधा में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी कविताओं में जीवन का संगीत बहता है। वे किसी ष्वादष् या ष्आंदोलनष् के कवि नहीं थेए बल्कि वे जीवन के कवि थे। उनकी कविताएँ ग्रामीण परिवेशए मानवीय संबंधोंए प्रकृति और आंतरिक संवेदना के सौंदर्य को बड़ी सरल भाषा में व्यक्त करती हैं। वे आम आदमी के दुख.दर्दए आशा और संघर्ष को बिना किसी कृत्रिमता के इस तरह रचते थे कि पाठक को लगता है मानो यह उसका ही अनुभव है। उनकी प्रसिद्ध पंक्तियाँ कृ श्बनाया है मैंने ये घर धीरे.धीरेए खुले मेरे ख्वाबों के पर धीरे.धीरेश्कृ न केवल उनके काव्य का सार प्रस्तुत करती हैं बल्कि उनके जीवन.दर्शन को भी उजागर करती हैं। वे धीरे.धीरेए सादगी और सच्चाई के साथ जीवन को गढ़ने में विश्वास रखते थे। उनकी कविता संग्रह ष्पक गई है धूपषए ष्कंधे पर सूरजषए ष्बारिश में भीगते बच्चेष् जैसे शीर्षक ही यह संकेत देते हैं कि वे जीवन के हर क्षण में रोशनी और आशा खोजते हैं। उनके यहाँ दुख भी सौंदर्य का हिस्सा हैए और संघर्ष भी जीवन का उत्सव। वे उस कवि परंपरा के उत्तराधिकारी हैं जहाँ कविता किसी आंदोलन की घोषणा नहीं बल्कि मनुष्य की आंतरिक यात्रा का साधन बनती है। रामदरश मिश्र का कथा.साहित्य भी उतना ही समृद्ध है। उनकी कहानियों और उपन्यासों में समाज का बदलता चेहराए वर्गीय विभाजनए पारिवारिक जटिलताएँ और नैतिकता के प्रश्न एक साथ उपस्थित रहते हैं। वे समाज की विसंगतियों को नारे की तरह नहीं बल्कि संवेदना की गहराई से चित्रित करते हैं। उनके उपन्यास ष्पानी के प्राचीरष् और ष्जल टूटता हुआष् में ग्रामीण जीवन के संघर्ष और आधुनिकता की टकराहट को जिस सजीवता से प्रस्तुत किया गया हैए वह उन्हें मुंशी प्रेमचंद की परंपरा का आधुनिक संवाहक बनाता है। उनके पात्र अक्सर सीमित साधनों में भी जीवन की गरिमा बनाए रखते हैंकृवे टूटते नहींए झुकते नहींए बल्कि संघर्ष के बीच अपने अस्तित्व को बचाए रखते हैं। यही मानवीय जिजीविषा रामदरश मिश्र के कथा.संसार का केंद्र है।

सिर्फ सृजन ही नहींए आलोचना के क्षेत्र में भी मिश्र जी ने हिन्दी साहित्य को नई दिशा दी। उन्होंने ष्हिन्दी उपन्यासरू एक अंतर्यात्राष्ए ष्हिन्दी कहानीरू अंतरंग पहचानष् और ष्हिन्दी कवितारू आधुनिक आयामष् जैसी कृतियों के माध्यम से हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियोंए उसके रूपांतरण और वैचारिक विकास का विश्लेषण किया। उनकी आलोचना में कठोरता नहींए बल्कि सहानुभूति और समझ है। वे साहित्य को जीवन से जोड़कर देखते हैं। उनकी यह उक्तिकृश्साहित्य केवल शब्दों का खेल नहींए यह जीवन का दर्पण हैए जिसमें समाज के हर रंग.रूप की झलक मिलती हैश्कृउनकी दृष्टि का सबसे सटीक सारांश है। उन्होंने कभी साहित्य को केवल बौद्धिक उपक्रम नहीं मानाए बल्कि उसे मानवीय अनुभूति का विस्तार समझा। मिश्र जी का लेखन भारतीय संस्कृति की जड़ों से पोषित है। वे परंपरा के विरोधी नहीं थेए पर अंधानुकरण के भी समर्थक नहीं। उन्होंने बार.बार यह कहा कि परंपरा को जड़ नहींए बल्कि जीवनदायिनी शक्ति के रूप में देखना चाहिए। उनके यहाँ ष्लोकष् केवल विषय नहींए जीवन का अभिन्न अंग है। वे ग्रामीण समाज की भाषाए बोलीए गीत और रीति.नीति को सम्मान देते हैंए और उन्हें साहित्यिक गरिमा प्रदान करते हैं। उनकी रचनाएँ इस बात की गवाही देती हैं कि साहित्य तभी जीवित रहता है जब वह लोक से जुड़ा रहे। अपने दीर्घ रचनात्मक जीवन में उन्हें अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गयाकृसाहित्य अकादमी पुरस्कारए व्यास सम्मानए और पद्मश्री जैसे राष्ट्रीय अलंकरण उनके नाम हैं। लेकिन इन पुरस्कारों से भी बड़ी उनकी सादगीए उनकी विनम्रता और उनकी मनुष्यता है। वे हमेशा कहते थे कि श्सृजन केवल लिखना नहींए जीना भी एक कला है।श् यही कारण है कि उनके जीवन और लेखन में कोई भेद नहीं थाकृवे जैसे लिखते थेए वैसे ही जीते थे।

रामदरश मिश्र की लेखनी ने हिन्दी साहित्य में वह सेतु निर्मित किया जो गाँव और शहरए परंपरा और आधुनिकताए पीढ़ियों और विचारों के बीच संवाद स्थापित करता है। उन्होंने दिखाया कि साहित्य न तो केवल विद्वानों का क्षेत्र हैए न केवल विचारकों काय यह तो हर उस व्यक्ति का है जो महसूस करना जानता है। उनका साहित्य आज भी हमें यह सिखाता है कि सादगी में भी गहराई हो सकती हैए और जीवन के छोटे.छोटे अनुभव भी बड़े अर्थ रख सकते हैं। आज जब समाज तेज़ी से बदल रहा हैए जब भाषा कृत्रिमता और बाज़ार के प्रभाव में अपने स्वाभाविकपन को खोती जा रही हैए तब रामदरश मिश्र का साहित्य हमें उस असली धरती की याद दिलाता है जहाँ मनुष्य अपने अनुभवों की मिट्टी से कविता रचता है। उन्होंने हिन्दी साहित्य को केवल रचनाओं की संख्या नहीं दीए बल्कि एक ऐसी दृष्टि दी जो संवेदना को केंद्र में रखती है। उनका पूरा जीवन इस बात का प्रमाण है कि सच्चा लेखक वह है जो अपने समाज के प्रति ईमानदार रहेए अपने पाठक के प्रति उत्तरदायी रहेए और अपने भीतर की सच्चाई को शब्द दे सके। रामदरश मिश्र का योगदान हिन्दी साहित्य के लिए केवल रचनात्मक नहींए बल्कि नैतिक और मानवीय भी है। उन्होंने हिन्दी भाषा को एक नई आत्मा दीकृजो सरल है पर गहरीए लोकमूलक है पर आधुनिकए व्यक्तिगत है पर सार्वभौमिक। उनके जाने से हिन्दी साहित्य ने अपना एक सच्चा प्रहरी खो दिया हैए पर उनकी रचनाएँ आज भी जीवित हैंए क्योंकि उनमें जीवन की वह रोशनी है जो कभी बुझती नहीं। वे सचमुच हिन्दी साहित्य के श्जीवन.प्रकाशश् हैंकृएक ऐसा दीप जो हर पीढ़ी को यह याद दिलाता रहेगा कि साहित्य का अर्थ केवल शब्द नहींए बल्कि मनुष्य की आत्मा का स्पंदन है।

महेन्द्र तिवारी

दुनिया में हथियारों की खतरनाक होड़ के सूत्रधार बनेंगे ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने की घोषणा पर दुनिया में जबरदस्त हलचल मच गई है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 33 साल बाद परमाणु परीक्षण का आदेश दिया है. चीन और रूस की टेस्टिंग के बीच यह फैसला वैश्विक तनाव बढ़ा सकता है और एनपीटी समझौते पर सवाल खड़े करता है। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास दुनिया में सबसे ज्यादा परमाणु हथियार हैं, लेकिन इंटरनेशनल कैंपेन टू एबॉलिश न्यूक्लियर वेपंस के अनुसार, रूस के पास लगभग 5,500 परमाणु वारहेड हैं, जबकि अमेरिका के पास करीब 5,044 हैं। हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु हमले की तैयारी के अभ्यास का आदेश दिया था. रूसी सेना ने इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल यार्स और सिनेवा मिसाइल का परीक्षण किया, साथ ही टीयू-95 बमवर्षक विमान से लंबी दूरी की क्रूज़ मिसाइल भी दागी. ट्रंप ने इन परीक्षणों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि पुतिन को युद्ध खत्म करने पर ध्यान देना चाहिए, न कि मिसाइल टेस्ट करने पर। ट्रंप के परमाणु परीक्षण के आदेश से वैश्विक स्तर पर हड़कंप मच गया है. विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम वैश्विक निरस्त्रीकरण प्रयासों को कमजोर कर सकता है और न्यूक्लियर नॉन-प्रोलिफरेशन ट्रीटी का उल्लंघन भी माना जा सकता है, जिसे अमेरिका ने 1992 में साइन किया था. आपको बता दें कि इस पर तीखी प्रतिक्रिया आ रही है। ईरानी के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर ट्रम्प के बयान की तीखी आलोचना की। उनका कहना था कि अपने रक्षा विभाग का नाम बदलकर युद्ध विभाग रखने वाला परमाणु हथियारों से लैस दबंग देश खुद परमाणु हथियारों का परीक्षण करने जा रहा है। यही दबंग देश ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम को बदनाम कर रहा है और हमारे सुरक्षित परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले की धमकी दे रहा है। इससे पहले ये जानना जरूरी है कि परमाणु परीक्षण क्या है और इसके क्या नुकसान हो सकते हैं। नाभिकीय अस्त्र परीक्षण या परमाण परीक्षण उन प्रयोगों को कहते हैं जो डिजाइन एवं निर्मित किए गए नाभिकीय अस्त्रों के प्रभाविकता, उत्पादकता एवं विस्फोटक क्षमता की जांच करने के लिए किए जाते हैं। परमाणु परीक्षणों से कई जानकारियां प्राप्त होतीं हैं, जैसे ये नाभिकीय हथियार कैसा काम करते है, विभिन्न स्थितियों में ये किस प्रकार का परिणाम देते है, भवन एवं अन्य संरचनाएं इन हथियारों के प्रयोग के बाद कैसा बर्ताव करतीं हैं। इसके अलावा परमाणु परीक्षणों से वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सैनिक शक्ति का प्रदर्शन करने की कोशिश भी की जाती है। बीसवीं सदी में कई देशों ने परमाणु परीक्षण किए थे। पहला परमाणु परीक्षण अमेरिका ने 16 जुलाई, 1945 में किया था जिसमें 20 किलोटन का परीक्षण किया गया था। अब तक का सबसे बड़ा परमाणु परीक्षण सोवियत रूस में 30 अक्टूबर 1961 को किया गया था जिसमें 50 मेगाटन के हथियार का परीक्षण किया गया था। 25 मई, 2009 को उत्तरी कोरिया ने परमाणु परीक्षण किया था, जिसे विश्व के अधिकांश देशों ने निंदनीय बताया है। विश्व के परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों ने अब तक कम से कम 2000 परमाणु परीक्षण किए हैं। हालांकि अब इस पर अंतर्राष्ट्रीय कानून बने हुए हैं, जिनका पालन करना दुनिया के हर देश का कर्तव्य है, लेकिन अब ट्रम्प ने परमाणु परीक्षण की बात कहकर दुनिया में हलचल मचा दी है। अगर अब परमाणु परीक्षण होता है, तो यह अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। इस तरह अमेरिकी राष्ट्रपति ने परमाणु परीक्षण की बात कहकर इन कानूनों का उल्लंघन किया है। ईरान के विदेश मंत्री का साफ कहना था कि अमेरिका दुनिया में परमाणु प्रसार का सबसे बड़ा खतरा है। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रम्प ने दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन से इतर चीन के प्रधानमंत्री शी जिनपिंग से मुलाकात से ठीक पहले गुरुवार को अपने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि उन्होंने अमेरिका के रक्षा विभाग को परमाणु हथियारों के परीक्षण का आदेश दिया है। अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण, मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे हमारे परमाणु हथियारों का समान परीक्षण शुरू करें। रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि रूस ने हाल में कोई परीक्षण नहीं किया है, लेकिन अगर अमेरिका ऐसा करता है, तो रूस भी परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू कर देगा। सोवियत संघ ने आखिरी बार 1990 में, अमेरिका ने 1992 में और चीन ने 1996 में परमाणु हथियार का परीक्षण किया था। चीन ने हालांकि ट्रम्प के बयान पर संतुलित रुख अपनाया। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन का कहना था कि बीजिंग को उम्मीद है कि अमेरिका व्यापक परमाणु परीक्षण-प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) और परमाणु परीक्षणों पर उसके प्रतिबंधका पालन करेगा। नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाले जापानी परमाणु बम पीड़ितों के समूह निहोन हिडांक्यो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणा कड़ी आलोचना की है और इसे पूरी तरह अस्वीकार्य बताया है।

उधर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका परीक्षण दोबारा शुरू करता है, तो यह हथियारों की नई दौड़ को जन्म दे सकता है. अमेरिकी सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने कहा, 'ट्रंप परमाणु हथियारों को खिलौना बना रहे हैं. 'दुनिया भर के विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका का यह कदम रूस और चीन के बढ़ते परमाणु प्रभाव के जवाब में है, लेकिन इससे अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता को बड़ा झटका लग सकता है.यह स्थिति विश्व भर में हथियारों की खतरनाक होड़ को जन्म दे सकती है।

मनोज कुमार अग्रवाल

वैश्विक संदर्भ में राष्ट्रवाद बनाम धार्मिक कट्टरता

विचार विमर्श आवश्यक।

वास्तविक राष्ट्रवाद के संदर्भ में धार्मिक कट्टरता राष्ट्रवाद किसी भी राष्ट्र की आत्मा होता है और वैश्विक संदर्भ में राष्ट्रवाद बनाम धार्मिक कट्टरता पर बौद्धिक विमर्श की परम आवश्यकता है द्य यह केवल राजनीतिक नारा या भीड़ संचालित भाव नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना का वह केंद्र है जो देश की एकता, अखंडता और गरिमा को अभिव्यक्त करता है। यह वह सार्वभौमिक सत्य है, जिसने युगों से सभ्यताओं को स्थायित्व दिया और समाजों को अनुशासन एवं उद्देश्य की दिशा में अग्रसर किया। किंतु जब यही राष्ट्रवाद धार्मिक कट्टरता, संकीर्ण विचारधारा अथवा अवसरवादी राजनीति के मोहपाश में बंध जाता है, तब वह अपनी दिव्यता खो बैठता है।

राष्ट्र के निर्माण और वैश्विक एकीकरण के संदर्भ में नागरिकों की निष्ठा, समर्पण और संवेदनशीलता अनिवार्य है। परंतु इसका यह तात्पर्य नहीं कि सत्ता-लोलुप राजनीतिक दल राष्ट्रवाद को धर्म, जाति या संप्रदाय से जोड़कर इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र बना लें। ऐसा करने से न केवल राष्ट्रीय भावना आहत होती है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने में विभाजन और अविश्वास की दीवारें खड़ी हो जाती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब-जब सत्ता पर बने रहने की अंधी चाह बढ़ी है, तब-तब साम्राज्यों की जड़ें खोखली हुई हैं। वर्तमान भारतीय राजनीति भी इस प्रपंच से मुक्त नहीं – जहां राष्ट्रवाद कई बार धर्म का पर्याय बनाकर प्रस्तुत किया जाता है, ताकि भावनात्मक उन्माद के सहारे सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ी जा सकें।

लोकतंत्र में सत्ता का परिवर्तनशील रहना ही उसकी प्राणवायु है। निरंतर सत्ता एक व्यक्ति या दल को अधिनायकवादी बनाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की जड़ों को कमजोर कर देती है। अवसरवादी राजनीति, जातिगत समीकरणों की गणना, और तुष्टीकरण की नीति ये सब मिलकर जनकल्याण की मूल भावना को धूमिल करते हैं। जनता के दीर्घकालिक हितों के स्थान पर तात्कालिक लाभों की घोषणाएँ लोकतंत्र को सस्ती लोकप्रियता की ओर ढकेल देती हैं। इससे न केवल राष्ट्रीय चरित्र का ह्रास होता है, बल्कि सामाजिक अनुशासन भी दरकने लगता है। राजनीति में पदलोलुपता, अवसरवाद और जातिवादी समीकरणों की राजनीति लोकतांत्रिक आदर्शों को विकृत करती जा रही है। संविधान में निहित समानता, स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के मूल सिद्धांत जब तुष्टीकरण की नीति से प्रभावित होते हैं, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत होकर सामंतवादी प्रवृत्तियों को जन्म देता है। जातिवादी मतदान, अवतारवाद और निरंकुश सत्ता की चाह,ये सब लोकतंत्र के भीतर अधिनायकवाद के बीज बोने वाले तत्व हैं।भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद संतुलन, समरसता और विचारशीलता पर टिकी है। किंतु जब धर्म को राजनीतिक औज़ार बना दिया जाता है, तब न केवल आस्था का अपमान होता है बल्कि नागरिकता की समानता पर भी गहरी चोट पहुँचती है। पशु व्यापार पर एकतरफा प्रतिबंध, सांप्रदायिक नीतियों के संरक्षण या धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक प्रयोग ये सभी लोकतंत्र के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप पर प्रश्नचिह्न बन जाते हैं।

आज के वैश्विक संदर्भ में देखा जाए तो राष्ट्रवाद और धार्मिक कट्टरता के बीच की रेखा अत्यंत सूक्ष्म हो चली है। बीसवीं सदी के जर्मनी, इटली, म्यांमार या पाकिस्तान के उदाहरण हमें बताते हैं कि जब राष्ट्रवाद सैनिक या संप्रदायिक रूप ले लेता है, तो वह फासीवाद या सैन्य तानाशाही का पूर्वरूप बन जाता है। भारत जैसे प्राचीन सांस्कृतिक राष्ट्र के लिए यह और भी चिंताजनक है, क्योंकि यहाँ लोकतंत्र केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का हिस्सा है।

लोकतंत्र का मर्म जनता के विचारों की स्वतंत्रता और उनकी विवेकशीलता में निहित है। जब राजनीतिक दल शासकीय संसाधनों का दुरुपयोग कर सस्ती लोकप्रियता के लिए उपहारों, योजनाओं और प्रलोभनों की बाढ़ लाते हैं, तब यह नैतिक पतन का संकेत है। इससे जनता की कर प्रणाली पर बोझ तो बढ़ता ही है, साथ ही वास्तविक जनहितकारी योजनाओं का प्रवाह भी बाधित होता है।

ऐसे संक्रमणकाल में देश के प्रबुद्ध वर्ग विद्वान, चिंतक, शिक्षक, मीडिया कर्मी और सामाजिक संस्थाएँ सभी को सजग होकर आगे आना होगा। लोकतंत्र की असल शक्ति सत्ता में नहीं, बल्कि नागरिक चेतना में निहित है। यदि विचारशीलता, तर्कशीलता और संतुलन नहीं रहेगा, तो राष्ट्रवाद भी कट्टरता में परिवर्तित हो जाएगा और लोकतंत्र अपनी आत्मा खो देगा।

इसलिए आज आवश्यकता है – राष्ट्रवाद को धार्मिक या राजनीतिक संकीर्णता से मुक्त कर बौद्धिक संतुलन के पथ पर ले जाने की। क्योंकि सच्चा राष्ट्रवाद न मंदिर में है, न संसद में, वह उस विचार में है, जो हर नागरिक को समान अधिकार, समान अवसर और समान सम्मान देता है। जब हम इस विचार को जीना सीख लेंगे, तभी राष्ट्र वास्तव में शक्तिशाली, संवेदनशील और आत्मनिर्भर बन सकेगा।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

स्वर्ण नीति से स्वावलंबन तकः भारत का नया आर्थिक कवच

[सोना नहीं, भारत की इच्छाशक्ति चमक रही है]

[जहाँ डॉलर झुका, वहाँ सोना खड़ा रहा—और भारत भी]

एक ही सप्ताह में लगभग 3.6 अरब डॉलर की छलांग–और भारतीय रिज़र्व बैंक की तिजोरी में पहली बार स्वर्ण भंडार सौ अरब डॉलर की ऐतिहासिक सीमा पार कर गया। कुल विदेशी मुद्रा भंडार अब सात सौ अरब डॉलर के करीब है, जिसमें सोने का हिस्सा बढ़कर लगभग 15 प्रतिशत तक पहुंच गया है–यह 1996-97 के बाद का सर्वोच्च स्तर है। मात्रा के लिहाज़ से भी भारत अब आठ सौ अस्सी टन से अधिक सोने के साथ विश्व में आठवें स्थान पर है। यह कोई आकस्मिक उपलब्धि नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और डॉलर-प्रभुत्व के विरुद्ध भारत की एक सुनियोजित रणनीतिक पहल है–जो उसकी आर्थिक संप्रभुता को अभेद्य कवच प्रदान कर रही है। वैश्विक बाज़ार में स्वर्ण मूल्य 4,379 डॉलर प्रति औंस तक उछल गया–साल भर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि। भौतिक खरीदारी सीमित रही, मात्र चार टन, परंतु मूल्यांकन लाभ ने भंडार को अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंचा दिया। विदेशी मुद्रा भंडार में सोने का अनुपात भी सात प्रतिशत से दोगुना होकर लगभग 15 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने हाल ही में सौ टन सोना विदेशी तिजोरियों–मुख्यतः बैंक ऑफ इंग्लैंड–से भारत वापस लाकर भू-राजनीतिक जोखिमों को कम किया है, साथ ही अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड्स में निवेश घटाकर पोर्टफोलियो को अधिक संतुलित बनाया है। इज़राइल-ईरान संघर्ष और अमेरिका-चीन व्यापार तनावों के बीच जहाँ डॉलर इंडेक्स 110 के नीचे फिसला, वहीं सोने ने अपनी चमक बरकरार रखी। विश्व स्वर्ण परिषद की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक केंद्रीय बैंकों ने पिछले वर्ष एक हज़ार टन से अधिक सोना खरीदा–और भारत इस सूची में दूसरा सबसे बड़ा संस्थागत खरीदार रहा। आईएमएफ की हालिया बैठक में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने इसे स्पष्ट रूप से रेखांकित किया: 'स्वर्ण संचय वैश्विक अनिश्चितता में स्थिरता का स्रोत है–यह चिंता नहीं, आत्मविश्वास का संकेत है। 'भारत की यह मजबूती केवल संख्याओं की नहीं, बल्कि रणनीति की विजय है। रुपये की गिरावट के दौर में भी सोने ने मूल्य संरक्षण का कवच बनकर अर्थव्यवस्था को स्थिर रखा। ब्रेंट क्रूड के साठ डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहने के बावजूद विदेशी मुद्रा भंडार डगमगाया नहीं। आज भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4 ट्रिलियन डॉलर है, जिसमें लगभग 89 प्रतिशत मूल्य स्वदेशी स्वर्ण संपदा से जुड़ा है–यह अनुपात इक्विटी निवेश के मुकाबले तीन गुना अधिक है। रिसाइक्लिंग में वृद्धि से आयात पर निर्भरता घटी और व्यापार घाटा नियंत्रित हुआ। डी-डॉलरीकरण की रणनीति ने ठोस परिणाम दिए–युआन और रूबल में व्यापार बढ़ा, जिससे विदेशी मुद्रा प्रवाह का संतुलन सुधरा और निवेशकों का विश्वास फिर से लौटा। वैश्विक मंदी के बीच यह स्वर्ण भंडार एक सुरक्षात्मक कवच, एक 'इकोनॉमिक बफर' के रूप में कार्य कर रहा है। विदेशी तिजोरियों से सोना वापस लाना न केवल आर्थिक विवेक का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की पुनर्स्थापना भी है।

परंतु इस चमकदार सफलता के पीछे कुछ गहरी छायाएँ भी हैं। सोना एक निष्क्रिय संपत्ति है–न ब्याज देता है, न लाभांश। अमेरिकी बॉन्ड्स से मिलने वाली 4-5 प्रतिशत रिटर्न की तुलना में यह प्रतिफलहीन है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा सोने का होना तरलता को सीमित करता है–आपातकाल में यही अनुपात नकदी संकट को जन्म दे सकता है। मूल्य अस्थिरता का खतरा भी कायम है: यदि अमेरिकी फेड दरें बढ़ाए या चीन अपने भंडार की बिक्री शुरू करे, तो सोने की कीमतें तेज़ी से गिर सकती हैं। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्वर्ण उपभोक्ता है; कीमतों में उछाल से व्यापार घाटा बढ़कर 32 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। भंडारण लागतें भी बढ़ रही हैं–सुरक्षित तिजोरियों और बीमा की कीमतें अब पहले से कहीं अधिक हैं। विश्व बैंक के मानक के अनुसार, उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विदेशी भंडार का दस प्रतिशत हिस्सा सोने में होना आदर्श माना जाता है–जबकि भारत अब लगभग 15 प्रतिशत पर है। साथ ही, निजी क्षेत्र के पास 25,000 टन से अधिक सोना निष्क्रिय पड़ा है–जो अर्थव्यवस्था की परिसंचारी पूंजी से बाहर है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड जैसी योजनाएँ इस जड़ता को तोड़ने में अपेक्षित सफलता नहीं पा सकीं।

भारतीय रिज़र्व बैंक का यह दांव जितना साहसिक है, उतना ही संतुलित भी। स्वर्ण संचय की रफ्तार जानबूझकर संयमित रखी गई–वैश्विक औसत पंद्रह टन प्रति माह से कम–ताकि भौतिक खरीदारी से अधिक मूल्यांकन लाभ पर भरोसा किया जा सके। घरेलू नियंत्रण तंत्र को भी अभूतपूर्व रूप से सुदृढ़ किया गया है। नई स्वर्ण मोनेटाइजेशन योजनाएँ इस दिशा में अगला कदम हैं–जिनका लक्ष्य है निजी स्वर्ण संपत्ति को औपचारिक अर्थव्यवस्था का सक्रिय हिस्सा बनाना। तरलता के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के पचासी प्रतिशत को बैकअप के रूप में सुरक्षित रखा गया है, जिससे स्वर्ण निवेश की आक्रामकता के बावजूद वित्तीय संतुलन कायम रहे। लेकिन आगे की राह सरल नहीं। चुनौती यह है कि स्वर्ण संचय की गति सीमित रहे, निजी स्वर्ण को व्यवस्थित रूप से शामिल किया जाए, और सुरक्षा व तरलता के बीच सही संतुलन बनाए रखा जाए। यह न तो मजबूती की अंतिम कथा है, न जोखिम का समापन। यह एक परिपक्व राष्ट्र की आर्थिक दूरदर्शिता का प्रमाण है–जहाँ प्राचीन धरोहर को आधुनिक रणनीति का हथियार बनाया जा रहा है। वैश्विक वित्तीय तूफानों के बीच भारत का स्वर्ण भंडार केवल कवच नहीं, बल्कि एक सक्रिय रणनीतिक ढाल बन चुका है। सवाल यह नहीं कि भंडार ने सौ अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया; असली प्रश्न यह है–क्या भारत इस सुनहरे सफर को दो सौ अरब डॉलर तक ले जा सकेगा, वह भी बिना तरलता खोए, और निजी सोने को आर्थिक प्रवाह में शामिल कर बीस प्रतिशत हिस्सेदारी तक पहुँचते हुए? इसका उत्तर समय देगा। पर आज की सच्चाई यह है–यह स्वर्णिम छलक भारत की आर्थिक संप्रभुता का सबसे प्रखर संदेश है: डॉलर प्रभुत्व के युग के क्षरण की शुरुआत, और एक आत्मनिर्भर, स्वर्ण-आधारित भविष्य की ओर पहला निर्णायक कदम। हर टन सोना अब केवल धातु नहीं–यह भारत की अटूट इच्छाशक्ति का प्रतीक है। यह कहानी है उस राष्ट्र की, जो न टूटता है, न झुकता है–बस निखरता है, जैसे तपकर सोना

प्रो. आरके जैन

गन्ना किसानों के समर्थन मूल्य में वृद्धि से किसानों के चेहरे खिल उठे,राज्य अर्थव्यवस्था को मिली मजबूती

उत्तरप्रदेश सरकार ने किसानों के हित मे लिए जा रहे फैसले से किसानों के चेहरे खिल उठे है।किसान अन्नदाता है।किसानों की अनदेखी कर राज्य या देश कभी भी तरक्की नही कर सकता है।किसानों की मांगों को लेकर लिए जा रहे फैसले से किसानों की आय में बढ़ोतरी हुई है,वही किसान गन्ना अच्छी कीमत पर विक्रय कर रहे है।उत्तरप्रदेश की योगी सरकार ने किसानों को एक बड़ा तोहफा देते हुए गन्ने के मूल्य में 30 रुपये क्विंटन की वृद्धि की गई है।गन्ने की खेती की अवधि लम्बी होती है।बारह महीने के बाद गन्ना तैयार होता है।इस लम्बे समय के बाद भी जब किसानों को आय नही होती है तो किसान मायूस हो जाते है।इसलिए सरकार किसानों के हित मे फैसले लेने के लिए और किसानों की हर समय के लिए कटिबद्ध है।अग्रेति प्रजाति के गन्ने में 390 और 400 रुपये प्रति क्विंटल से तय किया गया है।किसानों की मेहनत रंग लाने लगी है।सरकार की मूल्यवृद्धि में गन्ना किसानों को तीन हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ होने की आशा है।योगी ने कहा कि किसानों को अपमानित करके कोई भी राज्य सफल नही हो सकता है।किसानों की आय में बढ़ोतरी होने की पूर्ण सम्भावना है।योगी सरकार के कार्यकाल में गन्ना किसानों के गन्ने के दामो में रु 85 की वृद्धि की गई है।

योगी सरकार के इस फैसले से मेरठ के दो लाख किसानों की झोली में 200 करोड़ रुपये अधिक आएंगे। जबकि मेरठ मंडल में चार लाख किसानों को लाभ मिलेगा। रालोद का कहना है कि किसानों को सरकार ने गन्ना किसानों को खुश करने के लिए 30 रुपये प्रति क्विंटल दाम बढ़ा दिए हैं। माना जा रहा है पंचायत और विधानसभा चुनावों को साधने लिए यह निर्णय लिया गया है। योगी सरकार के इस फैसले से मेरठ के दो लाख किसानों की झोली में 200 करोड़ रुपये अधिक आएंगे। जबकि मेरठ मंडल में चार लाख किसानों को लाभ मिलेगा। सरकार ने किसानों को अगेती प्रजाति के गन्ने का मूल्य 370 से बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। जबकि सामान्य गन्ने की प्रजाति के गन्ने का मूल्य 360 रुपये से बढ़ाकर 390 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। हालांकि मेरठ के किसान संगठन गन्ना मूल्य को 450 रुपये प्रति क्विंटल किए जाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि 400 रुपये क्विंटल में गन्ने की लागत ही मिल रही है। अभी भी उनको घाटा सहना पड़ेगा। अब यूपी में 2027 में विधान सभा चुनाव होने हैं। जबकि साल-2026 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि सरकार ने चुनावों को देखते हुए गन्ने के दामों में वृद्धि की है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में 35 लाख से अधिक किसान गन्ने की खेती करते हैं। 30 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि पर गन्ने की खेती कर रहे हैं। मेरठ में 1.55 लाख हेक्टेयर जमीन पर दो लाख किसान गन्ने की फसल पैदा कर रहे है। जिले के किसान 6.5 करोड़ कुंतल गन्ना मेरठ की चीनी मिल को देते हैं। जबकि उसके एवज में 2200 करोड़ रुपये का किसानों को भुगतान किया जाता रहा है। मगर अब यह राशि 2200 करोड़ रुपये से बढ़कर 2400 करोड़ हो जाएगी। जबकि मंडल में 15 करोड़ क्विंटल गन्ना चीनी मिल में दिया जाता है और उसके एवज में 5200 करोड़ का भुगतान किया जाता रहा है।किसान कल्याण रैली में प्रधान मंत्री मोदी को सुनने के लिए आए थे वे अधिकांश किसान 'गन्ना किसान' थे।किसान अपनी फसल के लिए बेहतर कीमतों की मांग प्रधान मंत्री से कर रहे थे।प्रधान मंत्री मोदी ने किसानों को आश्वासन दिया कि उन्हें सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं और गन्ने की बेहतर कीमत दी जाएंगी। बसपा और सपा ने अपने शासनकाल में प्रदेश की 29 चीनी मिलों को बंद कर दिया। 11 चीनी मिलों को कौड़ियों के भाव बेचा था।जबकि मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने 11 चीनी मिलें चलवाई। 2016 में सपा सरकार के कार्यकाल के दौरान वाल्टरगंज स्थित फेनिल ग्रुप की शुगर मिल घाटे में होने की वजह से बंद हो गई थी।जिससे किसान और मिल कर्मी खाने को मोहताज होने लगे।क्योकि किसानों और मिल कर्मचारियों का 83 करोड़ बकाया था।योगी ने कहा कि पहले की सरकारों में राज्य को बीमारू बना दिया था।समाजवादी पार्टी में 108-10 मिले चलती थी।योगी सरकार के कार्यकाल की अवधि में 122 मिलो का संचालन विधिवत तरिके से हो रहा है।चीनी मिलों के आधुनिकीकरण के साथ ही अब सुगर काम्प्लेक्स का निर्माण होता है।मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में किसानों को समर्थन मूल्य नही मिलता था।किसान की आय सीमित थी।चीनी मिल दिवालिया होने की कगार पर थी और अखिलेश यादव ने खूब कर्ज लिया था।

प्रदेश में अधिकतर चीनी मिलें बंद पड़ी हुई हैं। रोलाद राष्ट्रीय नेतृत्व किसानों की समस्याओं और चीनी मिल चलाने के लिए मांग करेगा। सबसे ज्यादा निजी चीनी मिल रेट के साथ-साथ घटतौली में किसानों का शोषण कर रही हैं। अब किसान और मजदूर समझ चुका है कि सरकार किसान और मजदूरों की हितैषी है। बसपा और सपा ने अपने शासनकाल में प्रदेश की 29 चीनी मिलों को बंद कर दिया। 11 चीनी मिलों को कौड़ियों के भाव बेचा। जबकि मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने 11 चीनी मिलें चलवाई। 2016 में सपा सरकार के कार्यकाल के दौरान वाल्टरगंज स्थित फेनिल ग्रुप की शुगर मिल घाटे में होने की वजह से बंद हो गई थी, जिससे किसान और मिल कर्मी खाने को मोहताज होने लगे थे,क्योकि किसानों और मिल कर्मचारियों का 83 करोड़ बकाया थे।योगी ने कहा कि पहले की सरकारों में राज्य को बीमारू बना दिया था।समाजवादी पार्टी में 108-10 मिले चलती थी।योगी सरकार के कार्यकाल की अवधि में 122 मिलो का संचालन विधिवत तरिके से हो रहा है।चीनी मिलों के आधुनिकीकरण के साथ ही अब सुगर काम्प्लेक्स का निर्माण होता है।मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में किसानों को समर्थन मूल्य नही मिलता था।किसान की आय सीमित थी।चीनी मिल दिवालिया होने की कगार पर थी और अखिलेश यादव ने खूब कर्ज लिया था।

प्रदेश में अधिकतर चीनी मिलें बंद पड़ी हुई हैं। रोलाद राष्ट्रीय नेतृत्व किसानों की समस्याओं और चीनी मिल चलाने के लिए मांग करेगा। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा निजी चीनी मिल रेट के साथ-साथ घटतौली में किसानों का शोषण कर रही हैं। अब किसान और मजदूर समझ चुका है कि ही किसान और मजदूरों की सरकार हितैषी है। सपा किसानों विरोधी पार्टी थी। यह निर्णय गन्ना किसानों के लिए संजीवनी साबित होगी। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और किसान खुशहाल रहेगा। मुख्यमंत्री का यह निर्णय किसानों के प्रति सरकार के बेहतर सोच को दर्शाता है। किसानों में खुशी की लहर है।जबकि किसान संगठन निराशाजनक भी बता रहे है। वर्तमान में गन्ना विकास विभाग के अन्तर्गत कुल 168 सहकारी गन्ना विकास समितियां व 28 चीनी मिल समितियाँ पंजीकृत व कार्यरत हैं। सहकारी गन्ना विकास समितियों व चीनी मिल समितियों का पंजीकरण द्वारा उ.प्र. सहकारी समिति अधिनियम, 1965 की धारा 7 के अन्तर्गत किया जाता है। वर्तमान में प्रदेश की गन्ना समितियों में 60 लाख गन्ना कृषक पंजीकृत है, जिनमें लगभग 45 लाख गन्ना कृषक नियमित रूप से गन्ना समितियों के माध्यम से चीनी मिलों को गन्ना आपूर्ति करते हैं। गन्ना समितियाँ गन्ना किसानों व चीनी मिलों के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए जहाँ एक ओर सदस्य गन्ना कृषकों द्वारा उत्पादित गन्ने की आपूर्ति सम्बन्धित चीनी मिलों को निर्धारित समयावधि में कराते हुए सरकार द्वारा घोषित गन्ना मूल्य दर के अनुसार भुगतान कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं वहीं प्रदेश की संचालित 120 चीनी मिलों में निर्बाध गति से पूर्ण पेराई क्षमता पर गन्ने की उपलब्धता सुनिश्चित कराकर मिल संचालन में पूर्ण सहयोग करती है।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उप्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

श्री नव दिवसीय विष्णु महायज्ञ की निकली भव्य कलश यात्रा

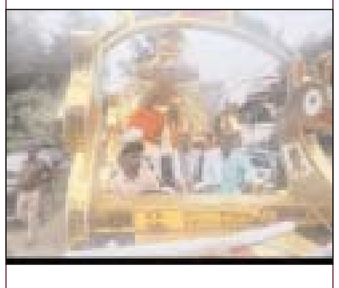

गोला बाजार गोरखपुर । गोला उपनगर स्थित श्री राम जानकी हनुमान मंदिर डीहवा से शनिवार को पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत श्री सवा मास अखंड हरिनाम संकीर्तन के समापन के उपरांत भव्य कलश यात्रा यज्ञाचार्य श्री पंडित राम आशीष शास्त्री के देखरेख में निकाला गया । यज्ञ के आयोजक श्री श्री 1008 श्री त्यागी तपोनिष्ठ विरक्त संत श्री राम बाज दास जी महाराज के सानिध्य में यह कलश यात्रा राम जानकी हनुमान मंदिर से होकर पीले वस्त्र धारण की हुई महिलाएं हाथ में कलश लेकर संकीर्तन करते हुए नगर भ्रमण कर सरयू तट पक्का घाट पर पहुंचकर कलश भरकर पुनः नगर भ्रमण करते हुए यज्ञ स्थल पर कलश के साथ पहुंचे। इस यज्ञ का कार्यक्रम पहली नवंबर कार्तिक मास प्रबोधिनी एकादशी से लेकर निरंतर 9 नवंबर दिन रविवार तक चलेगा। 2 नवंबर को मंडप प्रवेश वरण पीठ निर्माण, 3 नवंबर को अग्निवास हवन प्रारंभ एवं 9 नवंबर को पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न होगा। इस यज्ञ में कथा वाचक द्वारा भक्तगणों को कथा का विधिवत श्रवण कराया जाएगा । यज्ञकर्ता श्री श्री रामबाज दास महाराज ने लोगों से अपील किया है समय से यज्ञ स्थल पर उपस्थित होकर यज्ञ का लाभ उठाते हुए कथा का श्रवण कर अपने जीवन को धन्य बनाए।

अनियंत्रित होकर खाई में गिरा तेज रफ्तार कार

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेवतरी स्थित बार्डर डेवलपमेंट रोड पर शुक्रवार की देर शाम ठूठीबारी से सोनौली जा रही कार अनियंत्रित होकर करीब दस फिट नीचे खाई में जा गिरी। गनीमत रहा की इस घटना में किसी प्रकार का कोई हताहत नहीं हुआ। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने ट्रैक्टर के मदद से कार को सकुशल बाहर निकलवा। जानकारी के मुताबिक ठूठीबारी निवासी कमरुजमा उर्फ आलम पुत्र अलाउद्दीन शुक्रवार की देर शाम करीब सात बजे यूपी 36 ई 6888 कार से बार्डर डेवलपमेंट रोड से सोनौली जा रहा था कि सेवतरी स्थित एसएसबी बीओपी कैंप से करीब 200 मीटर पूरब डेवलपमेंट रोड से कार अनियंत्रित होकर करीब दस फिट नीचे खाई में चला गया। इस घटना में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया लेकिन गनिमत रहा कि कार में ड्राइवर के अतिरिक्त अन्य कोई सवार नहीं था अन्यथा बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची सेवतरी चौकी पुलिस ने स्थानीय लोगों के मदद से कार को ट्रैक्टर से खिंचवाकर बाहर निकलवाया। पुलिस ने ड्राइवर से पूछताछ के बाद कार को कब्जे में लेकर चौकी ले गई। इस संबंध में सेवतरी चौकी प्रभारी गोविंदर यादव ने बताया कि अनियंत्रित होकर कार खाई में चला गया, कार को बाहर निकलवा दिया गया है।

महिला व उसकी बहू की पिटाई का दस पर केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। भूत-प्रेत के विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने दस आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के झाऊ का पुरवा बटौली गांव की सिरताजा पत्नी स्व0 भगवानदीन ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती तीस अक्टूबर की शाम करीब पौने चार बजे भूत प्रेत के विवाद को लेकर हरिमती पत्नी राकेश निवासी अर्रो उमरिया तथा हरिमती के देवर दिनेश पुत्र मिलन, कमलेश, अमलेश पुत्रगण रामसुमेर, मंजू देवी पत्नी अमकेश, नन्हें पुत्र रोधई, सोनी पत्नी इन्द्रेश, तारा देवी पत्नी वीरेन्द्र, शोभा पत्नी कमलेश, तराईन पत्नी फूलचन्द्र, दिनेश पुत्र राममिलन एकराय होकर उसके दरवाजे पर पहुंचे और गालीगलौज करने लगे। पीड़िता के मना करने पर आरोपियों ने लाठी डंडे से मारापीटा। शोर सुनकर बीचबचाव को पहुंची पीड़िता की बहू नीशा को भी मारापीटा तथा घरेलू सामानों मे तोडफोड किया। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि घटना की जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

श्रीमद्भागवत कथा दिव्य कल्पतरु है जो सुनने मात्र से ही व्यक्ति को भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की प्राप्ति होती है

●भागवत का अर्थ भ से भक्ति,ग से ज्ञान व से वैराग्य, त से त्याग होता है।(अखिलेशानन्द जी महराज

श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन गोकर्ण जन्म धुन्धकारी के उद्धार सुखदेव के जन्म की कथा का वर्णन सुन भावुक और गदगद हुए श्रद्धालु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी- गोरखपुर खजनी तहसील क्षेत्र के वरीबन्दुआरी मे श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन श्रीमद्भागवत कथा व्यास पीठ से ज्ञान, वैराग्य,और भक्ति का रसपान कराते हुए अखिलेशानन्द जी महाराज द्वारा गोकर्ण जन्म धुन्धकारी उद्धार के वर्णन के साथ शुकदेव जन्म, और अमर कथा का वर्णन करते हुए बताया कि 'नारद जी के कहने पर पार्वती जी ने भगवान शिव से पूछा कि उनके गले में जो मुंड माला है वह किसकी है तो भोलेनाथ ने बताया वह मुंड माला किसी और का नहीं बल्कि स्वयं पार्वती जी के हैं हर जन्म में पार्वती जी विभिन्न रूपों में शिव की पत्नी के रूप में जब भी देह त्याग करती हैं तो देवाधिदेव भगवान शंकर जी उनके वियोग में उनके मुंड को अपने गले में धारण कर लेते है इस प्रसंग को सुनकर पार्वती ने हंसते हुए कहा हर जन्म में क्या मैं ही मृत्यु को प्राप्त होती रहती हूं, से देवाधिदेव आप क्यों नहीं मृत्यु को प्राप्त होते हैं। शंकर जी ने जगत जननी जगदम्बा पार्वती से कहा हे प्रिए हमने अमर कथा सुन रखी है पार्वती जी ने कहा हे जगताधार देवों में महादेव मुझे भी वह अमर कथा सुनाइए भगवान शंकर ने पार्वती जी को अमर कथा सुनाने लगे। शिव-पार्वती के अलावा सिर्फ एक तोते का अंडा था जो कथा के प्रभाव से फूट गया उसमें से श्री सुखदेव जी का प्राकट्य हुआ कथा सुनते सुनते पार्वती जी सो गई वह पूरी कथा सुखदेव जी ने श्रवण करली और अमर हो गए शंकर जी यह दृश्य देख सुखदेव जी के पीछे उन्हें मृत्युदंड देने के लिए दौड़े। सुखदेव जी भागते भागते व्यास जी के आश्रम में पहुंचे और उनकी पत्नी के मुंह से गर्भ में प्रविष्ट हो गए सुखदेव जी व्यास जी के पत्नी के गर्भ से 12 वर्ष बाद उनके गर्भ से प्रकट होकर बाहर आए इस तरह श्री सुखदेव जी का जन्म हुआ। कथा व्यास जी ने बताया कि भगवान की कथा विचार, वैराग्य, ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बता देती है। राजा परीक्षित के कारण भागवत कथा पृथ्वी के लोगों को सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। समाज द्वारा बनाए गए नियम गलत हो सकते हैं किंतु भगवान के नियम ना तो गलत हो सकते हैं और नहीं बदले जा सकते हैं।

कथा व्यास जी ने उन्होंने कहा कि भागवत के चार अक्षर का विशेष महत्व है इसका तात्पर्य यह है कि भा से भक्ति, ग से ज्ञान, व से वैराग्य और त त्याग श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने से मानव को चारों पदार्थो की प्राप्ति होती है। इसके साथ साथ भागवत के छह प्रश्न, निष्काम भक्ति योग है निष्काम भक्ति योग से मानव के लिए बैकुंठधाम प्राप्त करने का प्रमुख साधन है साथ ही श्रीमद् भागवत तो दिव्य कल्पतरु है यह अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष के साथ साथ भक्ति और मुक्ति प्रदान करने और जीव को परम पद प्राप्त कराने का प्रथम व सरल माध्यम है। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत केवल पुस्तक नही साक्षात श्रीकृष्ण स्वरुप है। इसके एक एक अक्षर में लीला पुरुषोत्तम श्रीकृष्ण समाये हुयें है। उन्होंने कहा कि कथा सुनना समस्त दान, व्रत, तीर्थ, पुण्यादि कर्मो से बढ़ कर है। कथा सुनकर पांडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव विभोर होकर भक्ति रस में गोता लगाते रहे। कथा के मध्य में मेरी लगी श्याम संग प्रीत और मां की ममता के महत्व का भजन सुनाकर कथा व्यास ने उपस्थित श्रोताओं को सनातन धर्म व संस्कृति,तथा उसके अच्छे परिणाम को दर्शाते हुए भगवत भक्ति करने हेतु सभी से अनुरोध किया। मुख्य यजमान इन्द्र विशाल त्रिपाठी रहे। कथा स्थल में यजमानों सहित सैकड़ों गणमान्य अतिथियों एवं नागरिकों ने अपनी गरीमामयी उपस्थिति से अपने को धन्य समझा। मुख्य रूप से राम त्रिपाठी श्याम त्रिपाठी अजय त्रिपाठी विवेक कुमार त्रिपाठी राम आशीष तिवारी तारकनाथ त्रिपाठी गुलाब शुक्ला मुटूर त्रिपाठी रमेश त्रिपाठी अनिल त्रिपाठी मोलई त्रिपाठी तिवारी शनतोष त्रिपाठी सहित सभी ग्रामवासी उपस्थित है।

देवउठनी एकादशी पर सरयू तट पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, गन्ना-सिंघाड़े की खरीदारी से गुलजार रहा बाजार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर (ग़ोला बाजार)- देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर शनिवार को गोला क्षेत्र में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिला। तड़के भोर से ही श्रद्धालु सरयू नदी के पवित्र तटों पर पहुँचने लगे। सूर्योदय के साथ ही नदी तट 'हरि बोल' और 'जय विष्णु भगवान' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू में स्नान कर तिल, तुलसी और गंगाजल से भगवान विष्णु का पूजन-अर्चन किया तथा पापों से मुक्ति और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पौराणिक मान्यता के अनुसार, देवउठनी एकादशी के दिन भगवान श्रीहरि विष्णु चार महीने की योगनिद्रा से जागते हैं, जिससे धर्म-संस्कारों और शुभ कार्यों का पुनः आरंभ होता है। इसी कारण इस दिन विवाह, गृहप्रवेश और मांगलिक कार्यक्रमों की शुरुआत शुभ मानी जाती है। गोला क्षेत्र के रामजानकी मंदिर, विष्णु मंदिर और अन्य देवस्थलों पर भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। महिलाएं सिर पर पूजा की थाली सजाए भजन-कीर्तन गातीं मंदिरों की ओर जाती दिखीं।

स्नान और पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने सरयू किनारे दीपदान किया। जल में तैरते दीपों का दृश्य अत्यंत मनोहारी और भावनात्मक था। कई भक्तों ने दीपदान के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया। इस दौरान पुलिस और नगर पंचायत की ओर से सुरक्षा एवं स्वच्छता के पर्याप्त प्रबंध किए गए थे। इधर बाजारों में देवउठनी एकादशी को लेकर खूब रौनक रही। सुबह से ही दुकानों पर गन्ना, सिंघाड़ा, फल, फूल और तुलसी की मांग बढ़ गई। गोला बाजार, कौड़ीराम, तथा आसपास के ग्रामीण बाजारों में खरीदारी के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गन्ना और सिंघाड़े की दुकानों पर लोगों की लम्बी कतारें लगी रहीं। व्यापारियों के चेहरों पर भी उत्साह झलकता दिखा।

स्थानीय श्रद्धालु रामकुमार पांडेय ने बताया कि 'देवउठनी एकादशी का व्रत चार महीने के चातुर्मास का समापन करता है। इस दिन भगवान विष्णु की आराधना से जीवन में शुभता आती है और मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं।' वहीं महिलाओं ने तुलसी विवाह की पारंपरिक रस्म निभाकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का आशीर्वाद लिया। पूरे दिन धार्मिक वातावरण बना रहा। शाम को मंदिरों में दीपमालाओं से जगमग दृश्य ने लोगों का मन मोह लिया। देवउठनी एकादशी का यह पर्व श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर क्षेत्रवासियों की स्मृतियों में लंबे समय तक अंकित रहेगा।

सपा नेतृत्व ने नए प्रवक्ता के रूप में सरया तिवारी निवासी सर्वेश त्रिपाठी का चयन किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी- गोलखपुर समाजवादी पार्टी (सपा) ने मीडिया में अपना पक्ष को रखने के लिएज्ञ गुरुवार शाम जारी प्रवक्ताओं की सूची में एक नया और दमदार चेहरा शामिल किया है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सरया तिवारी के सर्वेश त्रिपाठी पर विश्वास जताते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। गोरखपुर जिले के खजनी तहसील में सरया तिवारी के सर्वेश त्रिपाठी हैं, न सिर्फ एक परिपक्व राजनीतिक कार्यकर्ता हैं, बल्कि उनके पास सुरक्षा बलों की सेवा का अनूठा अनुभव भी है। वह भूतपूर्व सहायक कमांडेंट के पद से सीआरपीएफ में अपनी सेवाएं दे चुके हैं तथा इनके पिता स्व गंगा शरण त्रिपाठी सेवा निवृत्त जज भी थे। सहायक कमांडेंट के रुप मे सेवा के दौरान उन्होंने देश की सुरक्षा में सराहनीय योगदान भी दिया और राष्ट्रसेवा का पाठ सीखा। वर्तमान में समाजवादी युवजन सभा की राष्ट्रीय सचिव के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे है। युवा मोर्चे में उनके काम और संगठनात्मक क्षमताओं से पार्टी अभिभूत है। इस नियुक्ति को सपा के भीतर नए नेतृत्व को बढ़ावा देने की पहल के तौर पर देखा जा रहा है। अखिलेश यादव लगातार पार्टी में नई ऊर्जा और नए चेहरों को मौका दे रहे हैं। सर्वेश त्रिपाठी का चयन इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। उनके सैन्य अनुशासन और राजनीतिक समझ का फायदा पार्टी को मीडिया और जनता के बीच अपने पार्टी का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने में सार्थक साबित होगा।

डीएम, एसपी तथा सीडीओ ने तहसील गोण्डा सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याए

●समाधान दिवस के दौरान प्राप्त शिकायत अवैध कब्जा को तत्काल हटवाकर अवगत कराने के दिये निर्देश- डीएम

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने लाभार्थियों को मौके पर ही वितरित किया राशन कार्ड

सम्पूर्ण समाधान गोण्डा सदर में 113 शिकायतों में से 07 का मौके पर किया गया निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बृजभूषण तिवारी

गोण्डा। शासन की मंशानुरूप जनसामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का एक ही स्थल पर निस्तारण कराने के उद्देश्य से आज जनपद के समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील गोण्डा सदर में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल तथा मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन ने आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना तथा शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को प्रेषित किया गया।

जनसुनवाई के दौरान तहसील गोण्डा सदर में कुल 113 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये जिसमें 07 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया है शेष को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुये आख्या तहसील में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने निर्देश दिए हैं कि समाधान दिवस में प्राप्त होने वाले शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित किया जाय, तथा टीम द्वारा शिकायत का मौके पर स्थलीय जांचकर पूरी गुणवत्ता के साथ निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाय।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान उन्होंने कहा कि अवैध अतिक्रमण तथा चकमार्ग के मामले में संयुक्त रूप से राजस्व एवं पुलिस फोर्स के साथ मौके पर जाकर निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि तालाब जमीन की पैमाइश, अवैध कब्जा, चकरोड, नाली, अवैध अतिक्रमण आदि को पुलिस फोर्स के साथ हटवाने का कार्य करें। शिकायतकर्ताओं को मौके पर बुलाएं। उसके आने पर लिखित रूप से उल्लेख करें और निस्तारण के प्रकरण का फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी भी करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर पूरी गुणवत्ता के साथ करें अन्यथा संबंधित विभाग के अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस के अंत में जिलाधिकारी ने वहां पर उपस्थित सभी संबंधित विभाग के जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने 05 पात्र लाभार्थियों का मौके पर ही राशनकार्ड बनवाकर वितरित किया।

समाधान दिवस के दौरान शिकायतकर्ता शकील अहमद निवासी धानेपुर ने अवगत कराया कि धानेपुर में भूखंड संख्या-1225 तालाब की भूमि है जिस पर स्थानीय लोगों द्वारा अवैध रूप से पक्का निर्माण कर लिया है। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित क्षेत्र के लेखपाल को कड़ी निर्देश दिए हैं कि उपरोक्त भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को तत्काल हटवाकर अवगत कराया जाय अन्यथा विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उपजिलाधिकारी गोण्डा सदर अशोक कुमार गुप्ता, तहसीलदार मनीष कुमार, नायब तहसीलदार सदर चन्दन, नायब तहसीलदार खरगूपुर, धानेपुर अनुराग पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, अपर उपजिलाधिकारी द्वितीय/अधिशासी अधिकारी नगरपालिका गोण्डा विशाल कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीओ अजय प्रताप सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दूबे, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला प्रोवेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, एसडीओ विद्युत सिविल लाइन, खण्ड विकास अधिकारी झंझरी, पण्डरीकृपाल, इटियाथोक, मुजेहना तथा रुपईडीह, सिंचाई विभाग, लघु सिंचाई विभाग के अधिकारीगण सहित अन्य सभी जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 46 प्रार्थना पत्र, केवल 5 का मौके पर निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में शनिवार को तहसील इटवा में सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तहसील इटवा में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, उपजिलाधिकारी इटवा कुणाल तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया। अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस इटवा में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। लेखपाल एवं कानूनगो मौके पर जाकर शिकायत के निस्तारण से पूर्व निरीक्षण कर उसके बाद की आख्या लगायेगे इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिए। जिलाधिकरी ने निर्देश देते हुए कहा कि तहसील दिवस में जो भी शिकायते प्राप्त हो रही उन शिकायतों का गम्भीरता पूर्वक पर मौके पर जाकर निस्तारण कराये। इसमें किसी भी प्रकार की शिकायत नही मिलना चाहिए। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 46 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-19, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-05, विकास-04, विद्युत-03, कृषि-02, नगर पंचायत-05, अन्य-08 प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा राजस्व-05, प्रार्थना-पत्र का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत-प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी मु0 मुजम्मिल, जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, तहसीलदार इटवा, तहसील इटवा क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी, सीडीपीओ तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नए कानून का उद्देश्य पीड़ित को त्वरित न्याय दिलाना- अपर पुलिस अधीक्षक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार मिर्जापुर । बालू घाट गंगा जी के तट स्थित क्रूज पर भारतीय दंड संहिता, भारतीय सुरक्षा संहिता की धाराओं की लोगों को जानकारी के लिए एक बैठक का आयोजन शनिवार को को एडिशन एसपी मनीष कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आहुत की गई। वैठक मे उपस्थिति उपजिलाधिकारी चुनार राजेश कुमार क्षेत्राधिकारी मंजरी राव अधिवक्ता शीतला प्रसाद यादव एड0 प्रकाश डालते हुए लोगों तीन कानून के बारे जानकारी दी। इस अवसर पर एडिशन एसपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि 1947 में जब देश आजाद हुआ तो पहले भी कानून लागू था। यानि कि आजादी के पहले से ही लागू था पहले जो कानून लागू था क्रमशः भारतीय दण्ड संहिता (आईपीसी) और दणड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम अंग्रेजो द्वारा दण्ड प्रक्रिया को क्रियान्वित करने के लिए बनाई गई थी। इसलिए तीनों कानूनों में सुधार पर चर्चा समय समय पर होती रहती थी चूकि दण्ड संहिता का विधान अंग्रेज शासक के द्वारा शासित प्रजा अर्थात भारतीयों को शासित करने के लिए बनाया गया था और इन कानूनों का मूल उद्देश्य दण्ड विधान होता है न कि न्याय विधान।

वर्तमान समय में लागू किया गया तीन कानून की मूल आत्मा दण्ड केन्द्रित न होकर न्याय केन्द्रित है इसलिए भारतीय दण्ड संहिता का नाम बदलकर भारतीय न्याय संहिता व भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता किया गया है। भारतीय न्याय संहिता की रचना भारत की न्यायिक ब्यवस्था को आधुनिक, सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए एक ब्यापक आपराधिक कानून सुधार के रुप में की गई है तथा मानवाधिकार केन्द्रित करना, त्वरित न्याय दिलाना एवं साइबर अपराध वित्तीय धोखाधड़ी व डिजिटल उत्पीड़न जैसे अपराधों से निपटना है जिसका आइपीसी में पर्याप्त रुप से रक्षोपाय शामिल नहीं था। इस अवसर पर सभासद विकास कश्यप, अवनीष राय, मंत्री यादव, करतार सिंह,कस्बा चौकी प्रभारी अखिलेश कुमार यादव,हेड कांस्टेबल मिथिलेश यादव,विनय यादव,राजेंद्र मौर्या,संतोष कुमार,नगर पालिका क्षेत्र के सफाई कर्मी नाविक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बाइक बनी मौत का कारण - दादी के साथ खेत जा रहे तीन वर्षीय मासूम की मौके पर ही मौत

●गांव में इस दर्दनाक हादसे के बाद मातम मासूम की असमय मृत्यु से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों का आना-जाना लगातार बना रहता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से स्पीड ब्रेकर और यातायात नियंत्रण की व्यवस्था करने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। खरगूपुर-इटिया थोक मार्ग पर शनिवार की सुबह करीब 9 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन वर्षीय मासूम वेदांत, पुत्र वीरेंद्र दुबे, की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा देवरिया कला गांव के पास हुआ, जब बच्चा अपनी दादी के साथ खेत की ओर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इटिया थोक की तरफ से खरगूपुर जा रही तेज रफ्तार प्लैटिना मोटरसाइकिल (UP 43 AW 4616) पर तीन लोग सवार थे। गाड़ी इतनी तेज गति में थी कि दादी की उंगली पकड़े चल रहे मासूम वेदांत को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही बच्चा सड़क पर जा गिरा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की दादी ने रोते हुए बताया कि वे खेत जा रही थीं, तभी पीछे से तेज रफ्तार बाइक आई और उनके साथ चल रहे बच्चे को टक्कर मार दी। 'बच्चा मेरे साथ था, छूटकर सड़क पर गिर गया और वहीं प्राण निकल गए,' उन्होंने कहा।

सूचना मिलते ही खरगूपुर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में तहरीर प्राप्त हो गई है। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। मोटरसाइकिल चालक की पहचान चिनकु पुत्र कमला प्रसाद निवासी चौहाटा, खरगूपुर थाना क्षेत्र के रूप में हुई है। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। गांव में इस दर्दनाक हादसे के बाद मातम छा गया है। मासूम की असमय मृत्यु से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों का आना-जाना लगातार बना रहता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। उन्होंने प्रशासन से स्पीड ब्रेकर और यातायात नियंत्रण की व्यवस्था करने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों।

संक्षिप्त खबरें

राम जन्म का मंचन देख हर्षित हुये दर्शक

सिंगाही खीरी। कस्बे के ऐतिहासिक रामलीला मेले में चल रही रामलीला में शनिवार को बाहर से आए कलाकारों ने भगवान श्रीराम के जन्म का मंचन किया। भगवान राम के जन्म का दृश्य देखकर श्रद्धालु दर्शक हर्षित हो उठे। कस्बे में चल रहे रामलीला मेला में राम जन्म लीला का मंचन किया गया। लीला मंचन के तहत जब अयोध्या के राजा के कोई संतान नहीं होती है तो वह चिंतित रहने लगते हैं। तभी कुल गुरू वशिष्ठ पूछते हैं कि हे राजन चिंतित क्यो रहते हैं। राजा दशरथ गुरू को चिंतित रहने का कारण बताते हुये कहते हैं कि उनके कोई संतान नहीं है गुरू वशिष्ठ कहते हैं कि यज्ञ करों गुरू के कहने पर यज्ञ किया जाता है।गुरू वशिष्ठ राजा को तीन फल देते हैं और कहते हैं कि तीनों रानियों को फल खिला देना तभी राजा तीनों रानियों को फल खिलाते हैं। तभी कौशल्या से राम, सुमित्रा से लक्ष्मण एवं कैकेयी से भरत एवं शत्रुघन का जन्म होता है। राम जन्म होते ही पूरी अयोध्या नगरी में जय जयकार होने लगती है। घर घर बधाई बजने लगती है। राम जन्म की लीला देखकर दर्शक भाव विभोर हो उठे। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस तैनात रही। राम जन्म लीला स्थल पर कमेटी अध्यक्ष सचिन्द्र शाह, प्रबन्धक प्रवीण शाह, उप प्रबन्धक नृपराज शाह सहित कस्बे के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गोला उपजिलाअधिकारी की अध्यक्षता मे समाधान दिवस संपन्न

कुल 48 शिकायतों मे 5 शिकायतो का मौके पर हुआ निस्तारण।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील दिवस पर नवागत गोला एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी ने तहसील सभागार में फरियादियों की सुनी शिकायतें, दिए निर्देश। तहसील दिवस की एक अहम बात। फरियादी सावित्री देवी पत्नी सत्यपाल सिंह, निवासी ग्रामपंचायत तेन्दुआई, ब्लॉक कुंभी का परिवार काफी गरीब है जो की काफी समय से अपना राशन कार्ड बनवाने के लिए परेशान था,लेकिन राशनकार्ड नहीं बन पाया था। नवागत गोला एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी की अध्यक्षता मे गोला तहसील सभागार मे संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमे तहसील समाधान दिवस के अवसर पर कुल मिलाकर 48 सिकायतें प्राप्त हुई जिसमे से कुल 5 सिकायतो का मौके पर निस्तारण करते हुये अन्य 43 सिकायतें सक्षम अधिकारियो को अतिशीघ्र ही निस्तारण के लिये अग्रसारित की गई। इस अवसर पर नवागत गोला एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी गोला पुलिस क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवारी तहसीलदार भीमचंद्र थानाध्यक्ष हैदराबाद सुनील मलिक प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गोला अंबर सिंह नायव तहसीलदार सर्वेस यादव के सहित तमाम विभागो के सक्षम अधिकारी मौजूद रहे।

सुंदरी मंडल अध्यक्ष ने अपने बूथ पर पटेल जयंती मनाई

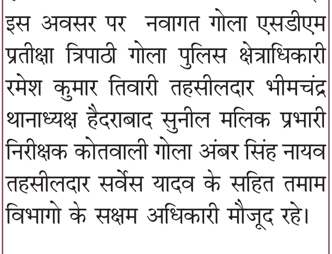

बरेली/भाजपा के सुंदरी मंडल अध्यक्ष ठाकुर जयदीप सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 भी जयंती बड़े गौरव के साथ मनाई गई यहां पर उपस्थित भाजपा जिला उपाध्यक्ष नीरेंद्र सिंह राठौड़ महामंत्री मेघनाथ कठेरिया नंदकिशोर एडवोकेट मंडल उपाध्यक्ष कमलेश शंखधार सुंदरी बूथ अध्यक्ष मोहनलाल गंगवार धनीपुर बूथ अध्यक्ष अर्जुन सिंह नरहरपुर गौरी खेडा श्याम बिहारी लाल पहाड़पुर मोतीलाल सभापुर ओमकार राठौर समेत अनेकों लोग उपस्थित थे सभी ने सरदार पटेल के जीवन चरित्र को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया उनके चित्र पर पुष्प अर्पित उनको नमन किया।

भव्य समारोह में मनाई गई भारत रत्न सरदार पटेल जी की 150वीं जयंती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- समाजवादी पार्टी के पूर्व ज़िलाध्यक्ष अनुराग पटेल के आयोजन में भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती शहर के रॉयल पैराडाइज़ में मनाई गई! कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व सांसद बाल कुमार पटेल ने कहाकि देश आजाद होने के बाद जिस तरह से देश के आंतरिक हालात थे देश छोटी-छोटी रियासतों में बंटा था उसे दौर में सरदार वल्लभभाई पटेल जी ने अपनी कार्य दक्षता को प्रमाणित करते हुए 562 से ज्यादा रियासतों को भारत में सम्मिलित कर एक बहुत बड़ा काम किया था, यदि आपका सूझबूझ वाला दृष्टिकोण नहीं होता तो देश इतना समृद्धशाली और विशाल न होता!सांसद खीरी उत्कर्ष वर्मा ने कहाकि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बनाने के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर लौह पुरूष सरदार पटेल के नाम पर युवाओं के लिए आज की जरूरत के हिसाब से माडर्न और तकनीकी यूनिवर्सिटी बनाएंगे, उनके सम्मान में बड़ा काम किया जायेगा।सांसद धौरहरा आनंद भदौरिया ने कहाकि सरदार पटेल ने मजबूत फैसले लेकर रियासतों को भारतीय संघ में मिलाकर देश को एक किया। लौह पुरुष सरदार पटेल बहुत मजबूत नेता थे। उन्होंने देश की एकता अखंडता के लिए मजबूत फैसले लिए, आज हम लोग संकल्प लेते हैं कि उनके बताए रास्ते और विचारों पर चलते है, देश और प्रदेश को मजबूत करेंगे।

पूर्व जिलाध्यक्ष और आयोजक अनुराग पटेल ने कहाकि भारत रत्न सरदार पटेल जी का जो रास्ता था वही आज पीडीए का रास्ता है, पीडीए पीड़ा के एक सूत्र में बंधा हुआ है। भाजपा सरकार पटेल जी के विचारों के साथ खिलवाड़ कर रही है, भाजपा समाज में नफरत फैलाती है, साम्प्रदायिक सौहार्द खराब करती है, भाजपा की मूल पार्टी आरएसएस है, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था, आरएसएस पर साम्प्रदायिक सौहार्द खराब करने नफरत फैलाने का आरोप था।पूर्व एमएलसी शशांक यादव ने कहाकि भाजपा अपनी कमियों को छिपाने के लिए सरदार पटेल की बात करती है। भाजपा देश की एकता के लिए खतरा है, इसने देश को कमजोर किया है, भाजपा से सावधान रहना है, उत्तर प्रदेश और देश को बचाना है।

जिलाध्यक्ष रामपाल यादव ने कहाकि लौह पुरुष सरदार पटेल ने सभी रियासतों को भारत में मिलाकर अखंड भारत का निर्माण किया। पूर्व विधायक राम सरन ने कहाकि सरदार पटेल जी ने देश की सीमाओं को बढ़ाया था। भाजपा सरकार में देश की सीमाएं सिकुड़ रही हैपूर्व विधायक विनय तिवारी ने कहाकि चीन हमारे देश की जमीन पर अतिक्रमण करता है, भाजपा सरकार उसी के साथ व्यापार बढ़ा रही है। भाजपा सरकार बताएं की जब वह 2014 में केन्द्र की सत्ता में आयी थी तब भारत का क्षेत्रफल कितना था और अब उसके 11 साल सरकार में रहने के बाद देश का क्षेत्रफल कितना बचा है!

पूर्व विधायक दाऊद अहमद में कहाकि केन्द्र सरकार की विदेश नीति, आर्थिक नीति हर मामले में फेल है। अमेरिका हमारे व्यापार पर टैरिफ लगा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति हर दिन प्रधानमंत्री जी पर अपमानजनक टिप्पणी करते हैं। भाजपा सरकार के पास कोई जवाब नहीं है।कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष रामपाल सिंह यादव, महामंत्री अंसार महलूद, पूर्व एमएलसी सदस्य शशांक यादव, पूर्व विधायक गण विनय तिवारी, दाऊद अहमद, रामसरन, सुनील लाला, शमशेर बहादुर सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष मो0 कय्यूम खान, पलिया प्रत्यासी प्रितेंद्र सिंह कक्कू, धौरहरा प्रत्यासी वरुण चौधरी, महिला सभा राष्ट्रीय महासचिव तृप्ति अवस्थी, हिमांशु पटेल, सपा विधानसभा अध्यक्ष लखीमपुर अशोक वर्मा, कस्ता अध्यक्ष वीरेंद्र वर्मा वीरू, मोहम्मदी अध्यक्ष सुरेश पाल सिंह यादव, धौरहरा अध्यक्ष विकास यादव, श्रीनगर अध्यक्ष सरदार त्रिलोक सिंह, गोला अध्यक्ष शेर सिंह यादव, पूर्व उपाध्यक्ष क्रांति कुमार सिंह, मजदूर सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार अधिवक्ता, महिला सभा अध्यक्ष प्रख्याति खरे, छात्र सभा अध्यक्ष प्रवीण यादव, युवजन सभा अध्यक्ष उमेश गिरी, पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष अमित वर्मा, व्यापार सभा अध्यक्ष दीपक रस्तोगी, अधिवक्ता सभा अध्यक्ष मो इसरार खान, सरदार हरप्रीत सिंह, यदुवेन्द्र वर्मा पम्मू, आरती जनवार, दानिश अब्दुल्ला, जुबेर अहमद, शाहबाज़ अली, अभय प्रताप सिंह बंटी, रियाजुल्ला खान, अविनाश भारती, रमियाबेहड़ के अध्यक्ष ओ पी यादव, विधानसभा उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम, राजेश चतुर्वेदी, पूर्व प्रधान तरजिन्दर सिंह, मनोज वर्मा, विपिन वर्मा, कमल वर्मा, नेत्र प्रकाश मिश्र, वसी अहमद, मो असलम, सुभाष वर्मा आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद थे।

गोला खेल महोत्सव का श्वेत कबूतर उड़ाकर भव्य शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। युवा शक्ति का उत्सव गोला खेल महोत्सव की थीम के साथ एक नवम्बर शनिवार को मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि पुलिस क्षेत्राधिकारी रमेश तिवारी, अधिशाषी अधिकारी संजय कुमार एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू के सानिध्य में खेल ध्वज फहराकर शुभारंभ किया गया। गोला खेल महोत्सव के प्रथम दिन मैराथन दौड़ से पूर्व भारतरत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर अतिथियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर की गयीं। कल उनकी 150वीं जयंती थी। मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी ने उपस्थित खेल प्रेमियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि,' हमें मानसिक शक्ति के साथ शारीरिक शक्ति का विकास करने में खेलों का महत्वपूर्ण योगदान है। विशिष्ट अतिथि पुलिस क्षेत्राधिकारी रमेश तिवारी ने कहा,' खेल हमें अनुशासन में रहना सिखाते हैं।नगर पालिका अध्यक्ष जी का अच्छा और सराहनीय प्रयास है कि जिससे गोला की प्रतिभाओं को अपना प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा,' गोला खेल महोत्सव से नगर की प्रतिभाओं को एक नई पहचान मिलेगी और मैं उन्हें आगे बढ़ाने के लिए पूरा प्रयास करुंगा।

रन फॉर यूनिटी मैराथन दौड़ का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी प्रतिक्षा त्रिपाठी, विशिष्ट पुलिस क्षेत्राधिकारी अतिथि रमेश तिवारी एवं पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू द्वारा हरी झण्डी दिखाकर स्व0 राजेन्द्र गिरि स्टेडियम से रवाना किया।सभी प्रतिभागियों ने स्टेडियम से अशोक चौराहा, मोहमदी रोड पुरानी बाईपास से विकास चौराहा होते हुए अशोक चौराहा, अलीगंज रोड मण्डी समिति से भूतनाथ रोड से लखीमपुर रोड़ से रतन द्वार होते हुए स्टेडियम गेट पर दौड़ समाप्त की। मैराथन दौड़ में प्रथम स्थान आरिफ, द्वतीय प्रदीप पाल,तृतीय अजीत ने प्राप्त किया। इस अवसर पर गोला खेल महोत्सव संयोजक श्याम मूर्ति शुक्ला,सहित सैकड़ों नगरवासी मौजूद रहे।

आशा वर्करों ने मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के संबोधित ज्ञापन भेजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/विकासखंड भदपुरा के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्यों लड़ियां पर कार्यरत आशा वर्को को काम करने के बाद पैसे ना मिलने से आहत होकर आज उन्होंने अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अस्पताल की डॉक्टर गुंजन को सोपा जिसमें उन्होंने न्यूनतम वेतन लागू करने की मांग की है साथ ही उन्होंने मांग की है न्यूनतम वेतन लागू होने तक उनका कम से कम 21000 रुपए मासिक वेतन मानेय के रूप में दियाजाए साथ ही आशा संगीनियों को उच्च गुणवत्ता वाले 5त्र फोन इंटरनेट सेवा सहित उपलब्ध कराए जाएं साथ ही । आशाओं के साथ होने वाली विभिन्न दुर्घटनाओं पर उनका कम से कम 200000 की राहत राशि क्षतिपूर्ति के रूप में देना सुनिश्चित किया जाए सभी जनपदों में आशाओं का उत्पीड़न बंद किया जाए वर्ष 25 में उनकी बकाया का शीघ्र भुगतान तथा प्रोत्साहन राशि का भुगतान कराया जाए । यहां पर उपस्थित अध्यक्ष मंजू पटेल सचिव गुलाबो देवी मनोरमा देवी सरोज कुमारी रामवती राजेश्वरी दयावती हीरा कली गौरी देवी किरण लता नन्ही देवी हर प्यारी धन वर्षा माया देवी गौरी आदि आशा वर्क करें मौजूद थी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मोहम्मद मुगीश ने बताया अस्पताल से उनकी डिमांड रिपोर्ट बनाकर भेजी जा चुकी है अब यह पैसा शासन को देना है।

पंचायत भवन निर्माण में घटिया किस्म सामग्री का प्रयोग किए जाने के आरोप

●मानकों को तक पर रखकर कराया जा रहा गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- मामला विकासखंड नकहा की ग्राम पंचायत चहमलपुर में ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव की मिली भगत से ग्राम सादुल्लापुर में कराए जा रहे पंचायत भवन निर्माण में गंभीर भ्रष्टाचार और मानको की अनदेखी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मामला उजागर होने के बाद अपनी गर्दन फसते देख लीपा पोती का खेल शुरू कर दिया गया है ।सूत्रों ने तो यहां तक बताया है कि भ्रष्टाचार के इस खेल पर पर्दा डालने के लिए सेटिंग गेटिंग कर खबरों को रुकवाने को लेकर लक्ष्मी जी का चढ़ावा भी चढ़ाया जा रहा है। ऐन केन प्रकारेण खबरों का प्रकाशन रुकवाने के प्रयास किए जाने की चर्चा जोर पकड़ती जा रही है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार डी.पी.आर.ओ. कार्यालय में बाबूजी तक चढे भारी भरकम चढावे के चलते जानबूझकर जांच को प्रभावित करने की मंशा से जांच को लंबा किया जा रहा है। जिससे पंचायत भवन की कमियों को दूर किया जा सके ।जांच से पहले बाबू द्वारा भ्रष्टाचारियों को बचाने की पुरजोर कोशिश किया जाना सिस्टम में व्याप्त भ्रष्टाचार की दास्तां बयां कर रहा है ।सूत्र बताते हैं कि यहां अंधेर नगरी चौपट राजा की कहानी डीपीआरओ कार्यालय द्वारा चर्चा की जा रही है यदि मामले की हुई निष्पक्ष जांच तो मामला खुलकर आएगा सामने और कई जिम्मेदारों पर आएगी कार्यवाही की आंच और कई ईमानदार चेहरे होंगे बेनकाब ।बताते चलें कि विकासखंड नकहा की ग्राम पंचायत चंहमलपुर के मजरा सादुल्लापुर में कराए जा रहे मानक विपरीत गुणवत्ता विहीन पंचायत भवन निर्माण के चलते अभी से ही दीवारों व छतों में दरारें पड़ने लगी जो सरकारी धन का दुरुपयोग होने के साथ ही साथ आम आदमी की सुरक्षा को भी खतरे में डालते नजर आ रही है। बावजूद इसके विभागीय जिम्मेदार अफसरो के कान पर जूं तक नहीं रेंगता नजर आ रहा है ।सब कुछ जानने के बाद भी अनदेखी करने में लगे हैं यहां पर शायद नियम कानून कोई अहमियत ही ना रखते हो साहब की अफसर शाही के सामने। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पंचायत भवन के निर्माण में दोयम दर्जे की ईट व अन्य सामग्री का प्रयोग कर मानक विहीन निर्माण कराया जा रहा है यही कारण है कि इस तरीके के निर्माण कार्य अल्प समय में ही क्षतिग्रस्त हो जाते हैं जिससे जान माल का खतरा बढ़ जाता है।

मुख्यमंत्री की मंशा को ग्रहण लगा रहे जिम्मेदार

सुबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ का निर्माण कार्यो को लेकर सख्त और स्पष्ट दिशा निर्देश है कि भवन निर्माण कार्य में लापरवाही और गुणवत्ता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसमें दोषी पाए जाने वाले लोगों और जिम्मेदार विभागीय अफसरों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने के सख्त आदेश जारी किए जाने के बावजूद भी अफसर की अफसर शाही के चलते जमीनी सतह पर भ्रष्टाचार और मनमानी जारी है। जैसे कि उनके ऊपर मुख्यमंत्री के फरमान लागू ही नहीं होते हो शायद। जानकारी को सच माना जाए तो खंड विकास अधिकारी नकहा ने पंचायत भवन निर्माण की जांच के आदेश दिए हैं जांच टीम में जे.ई. आर.एस.ए. डी.ओ.पंचायत व आईएसबी को नामित कर चोर की जांच डकैत से कराए जाने वाली कहावत को चरितार्थ किया जा रहा है। बी. डी.ओ. नकहा ऐसा लोगों का आरोप है। जल्दी ही जांच टीम मौके पर जाकर मांनको एवं गुणवत्ता की जांच करेगी। यह बी.डी.ओ. नकहा का कहना है। लोगों की जुबानी सत्य माने तो ऊपर तक सब की जेब गर्म करके जांच को प्रभावित कर लीपापोती का खेल बदस्तूर जारी है। जब दोषी को ही जांच टीम में किया जाएगा शामिल तो कैसे होगी निष्पक्ष जांच अहम सवाल बना हुआ है ।क्या जे.ई. आर एस और ए.डी.ओ. पंचायत इसके जिम्मेदार नहीं है या उनकी जवाब देही नहीं बनती है ।यदि हां तो फिर जांच टीम में शामिल किया जाना चोर की जांच डकैत से कराया जाना प्रतीत होता है ।और जांच पर संदेह के बादल मंडरा रहे हैं इस संबंध में जब डीपीआरओ खीरी से जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और दोषी लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खेल मैदान निर्माण में लाखों का गोलमाल किए जाने के ग्रामीणों ने लगाए आरोप

●मनरेगा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025 -26 में कराए गए निर्माण कार्यों में भारी गोलमाल किए जाने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- विकासखंड लखीमपुर की ग्राम पंचायत खतौसा में मनरेगा द्वारा ठेके पर काम करवाकर जमकर कमीशन खोरी व फर्जी हाजिरी लगाकर भ्रष्टाचार किए जाने का मामला प्रकाश में आया है ।सूत्रो द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मनरेगा योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025 -26 में कराए गए संविलियन विद्यालय में खेल मैदान निर्माण कार्य में महज चार इंच मोटी सतह बनाकर लगभग 400000 का बजट निकाल लिए जाने के आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाए गए हैं ।जानकार सूत्रों के अनुसार खेल मैदान निर्माण कार्य में व मुश्किल से एक से डेढ़ लाख रुपए ही खर्च होने की बात बताते हुए 400000 का भुगतान निकाले जाने पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं ।ग्रामीणों का कहना है कि ऐसा कौन सा निर्माण कार्य कराया गया है जिसमें चार लाख रुपए खर्च हो गए सूत्र बताते हैं कि खेल मैदान का निर्माण कार्य भले ही मनरेगा से कराया गया है लेकिन इसमें खेल के उपकरण ग्राम निधि से लगवाए गए हैं तो फिर जरा सा मैदान वह भी 4 इंच मोटी मौरंग सीमेंट और बालू लगाकर सतह बनाने में चार लाख कैसे खर्च हो गया अहम सवाल बना हुआ है? ग्रामीणों ने मामले की जांच टीम गठित कर मानक विपरीत कराए गए खेल मैदान खतौसा की जांच कराए जाने की बात कही है। इस संबंध में ग्राम पंचायत सचिव आकांक्षा जायसवाल से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि यह सभी काम मेरे कार्यकाल के नहीं है मैं अभी दो माह पहले ही खतौसा में आई हूं। वही जब ग्राम प्रधान खतौसा जसवंत वर्मा से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उनका मोबाइल फोन बंद होने के चलते उनके पक्ष की जानकारी नहीं मिल सकी।

शाहजहांपुर में फार्मर रजिस्ट्री न करने पर SDM ने सील किया जनसेवा केंद्र, दी ये चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

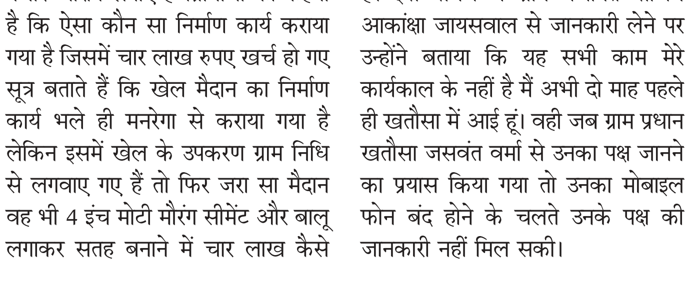

जलालाबाद। फार्मर रजिस्ट्री न करने पर एडीएम वित्त अरविंद कुमार ने जनसेवा केंद्र को सील कर दिया। उन्होंने उसकी आईडी भी निरस्त करने के निर्देश दिए। कहा कि अगर इस कार्य में किसी ने भी लापरवाही बरती या फिर रजिस्ट्री करने से इनकार किया तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मड़िया गोसाई गांव में संचालित जनसेवा केंद्र के लेखपाल ने नायब तहसीलदार रोहित कटियार से शिकायत की थी कि केंद्र संचालक फार्मर रजिस्ट्री में सहयोग नहीं कर रहा है। जब किसान पहुंचते हैं तो वह बहाने बनाता है, जिस पर शुक्रवार को एडीएम वित्त अरविंद कुमार नायब तहसीलदार व टीम को लेकर गांव पहुंचे और केंद्र को सील कर दिया।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी भी जनसेवा केंद्र संचालक के विरुद्ध शिकायत मिली की वह फार्मर रजिस्ट्री करने में बहानेबाजी कर रहा है या फिर अधिक रुपये वसूल रहा है तो उसके विरुद्ध भी यही कार्रवाई होगी। इससे पहले एडीएम ने जलालाबाद व कलान के जनसेवा केंद्र संचालकों व लेखपालों के साथ तहसील सभागार में बैठक की। उनसे कहा कि अभियान चलाकर शतप्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री कराई जाएं। ताकि किसानों को सरकार की योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के मिल सके, जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं होगी उन्हें किसान किसान सम्मान निधि, फसल खरीद सत्यापन, कृषि बीमा, सब्सिडी आदि सेवाओं व सुविधाओं का लाभ नहीं मिल सकेगा। एडीएम ने बताया कि जिले में ढाई लाख में से अब तक महज एक लाख 20 हजार ने ही फार्मर रजिस्ट्री कराई है। शेष किसान 31 दिसंबर तक पंजीकरण करा सकते हैं। नवंबर माह में 50 हजार व दिसंबर में 80 हजार पंजीकरण का लक्ष्य रखा गया है।जलालाबाद तहसील में अब तक 45 हजार 938 के सापेक्ष 26703 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री हो चुकी है।

दुधवा बाघ संरक्षण फाउण्डेशन के शाषी निकाय की 05वीं बैठक का दुधवा पर्यटन परिसर में वनमंत्री की अध्यक्षता में किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पलिया कलां (खीरी)- दुधवा बाघ संरक्षण फाउण्डेशन के शासी निकाय बैठक में वनमंत्री के साथ, शीर्षस्थ वन विभाग के अधिकारीगण रहे उपस्थित। वन एवं वन्य जीव संरक्षण संबंधी विभिन्न राजकीय कार्यों हेतु दुधवा बाघ संरक्षण फाउण्डेशन के अंर्तगत किए गए प्रावधान। दुधवा दर्शन हेतु सैलानियों के आकर्षण को ध्यान मे रखते हुए लगभग मात्र 05 प्रतिशत पर्यटन दरों में ही किया गया आंशिक संशोधन। किशनपुर वन्य जीव विहार में प्रावधानित वनमार्ग शुल्क में स्कूली वाहनों को किया गया शुल्कमुक्त। शाषी निकाय की बैठक में कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग बहराइच, दुधवा टागर रिजर्व प्रभाग, पलिया-खीरी, वन निगम की काफी टेबल बुक एवं पर्यटन टीजर का किया गया विमोचन। वन निगम के साथ पूर्ण पर्यटन को आनलाइन किए जाने पर दिया गया बल। पर्यटन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नेचर गाइड एवं वाहन चालकों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित। दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग, पलिया-खीरी के अंर्तगत संचालित दुधवा बाघ संरक्षण फाउण्डेशन की आज दिनांक 31.10.2025 को सायं 02.00 बजे से दुधवा पर्यटन परिसर में अरुण कुमार सक्सेना, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश, सरकार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक का अतिथिगणों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया गया। बैठक का संचालन सुश्री कीर्ति चौधरी, प्रभागीय वनाधिकारी, उत्तर खीरी वन प्रभाग/उप निदेशक (बफर जोन), दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित अतिथिगणों के मध्य स्वागत अभिभाषण श्रीमती अनुराधा वैमुरी, प्रधान मुख्य वन सुरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा किया गया। उनके द्वारा दुधवा की जैवविवधता, वुडलैण्ड, वेटलैण्ड एवं ग्रासलैण्ड पर प्रकाश डालते हुए पर्यटन क्षेत्र में किए गए कार्यो पर आंशिक प्रकाश डाला गया। बैठक को अनिल कुमार, प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा सम्बोधित करते हुए शाषी निकाय बैठक के सदस्यों एवं दुधवा प्रबंधन से आग्रह किया गया है कि दुधवा पर्यटन क्षेत्र के विकास में आवश्यक समस्त उपाय सुनिश्चित किए जाएं, सेमिनार का आयोजन, दुधवा वन एवं वन्य जीव आधारित चलचित्र का आयोजन किया जाए एवं अन्य आवश्यक उपाय सुनिश्चित किये जाएं।

बैठक को सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा संबोधित करते हुए बैठक में उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए सर्वप्रथम दुधवा बाघ संरक्षण फाउण्डेशन के शाषी निकाय की बैठक प्रथम बार दुधवा में आयोजित किए जाने की हार्दिक बधाई ज्ञापित की गई। साथ ही दुधवा पर्यटन क्षेत्र में आवश्यक विकास के संबंध में कैम्पा परियोजना के अंर्तगत आवश्यक प्रावधान कराते हुए अमल में लाए जाने पर बल दिया गया। दुधवा बाघ संरक्षण फाउण्डेशन के अंर्तगत विगत वर्षो में कराये गये कार्यो का प्रस्तुतिकरण डॉ0 एच0 राजामोहन, मुख्य वन संरक्षक एवं फील्ड निदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी द्वारा किया गया। अत्यंत आवश्यक कार्यो हेतु त्वरित क्रियान्वयन की दृष्टि से दुधवा बाघ संरक्षण फाउण्डेशन के अंर्तगत व्यय किया जाता है, जिसका प्रोजेक्ट टाइगर योजना के अंतर्गत प्राप्त बजट के उपरांत समायोजन कर लिया जाता है। वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण हेतु विभिन्न जगहों पर लगाई गई चेनलिंक फेंसिंग के प्रभाव की समीक्षा करते हुए वनमंत्री जी एवं श् अनिल कुमार, प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, उत्तर प्रदेश, सरकार द्वारा जानकारी ली गई। तत्क्रम में डॉ0 एच0 राजामोहन, मुख्य वन संरक्षक एवं फील्ड निदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर खीरी द्वारा संज्ञान में लाया गया कि जहां-जहां पर चेनलिंक फेंसिंग लगाई गई है, वहां चेनलिंक फेंसिंग लगाए जाने से पूर्व घटित घटनाओं पर अंकुश लगा है।

जनप्रतिनिधि बहराइच द्वारा पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने के दृष्टिगत जनपद बहराइच में हेल्प डेस्क खोले जाने एवं अन्य आवश्यक सुझाव दिए गए। प्रतिनिधि जिला पंचायत अध्यक्ष, लखीमपुर-खीरी द्वारा दुधवा के प्रचार -प्रसार की दृष्टि से अन्य जिलों में होर्डिग्स, साइनेज बोर्ड आदि लगाए जाने पर बल दिया गया।

अन्य वन्य जीव विहारों, टाइगर रिजर्व में हो रही सफारी एवं पर्यटन संबंधी दरों पर चर्चा करते हुए जगदीश आर, उप निदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग, पलिया-खीरी द्वारा आवश्यक दरों में वृद्धि किये जाने हेतु प्रस्ताव रखा गया, जिसे अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यगण द्वारा स्वीकार करते हुए कुल निर्धारित दरों में से लगभग 05 प्रतिशत दरों का आंशिक परिवर्तन किया गया है, जिसमें प्रमुखतः प्रवेश शुल्क 200 से 250, गैण्डा दर्शन हेतु नियत दर 150 से प्रति व्यक्ति 200, सामान्य कैमरा का 100 से रुपया 200 आदि दरें शामिल हैं। वनमंत्री जी दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग, पलिया-खीरी के अंर्तगत संचालित सुहेली नदी की डिसिल्टिंग के संबंध में आवश्यक कार्यवाही शीघ्र संपादित किए जाने पर बल दिया गया। अंत में कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग, दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग, वन निगम द्वारा बनाई गई काफी टेबल बुक, टीजर, वेबसाइट का विमोचन किया गया। इसके उपरांत पर्यटन क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले नेचर गाइड परसराम, जयपाल राना एवं वाहन चालक हरी ओम सिंह एवं मो0 इलियास को वनमंत्री द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गय। बैठक में अरुण कुमार, सक्सेना, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश, सरकार, अनिल कुमार, प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश, सरकार, सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश, लखनऊ, श्रीमती अनुराधा वैमुरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ, रामकुमार अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, प्रोजेक्ट टाइगर, उत्तर प्रदेश, लखनऊ, डॉ0 एच0 राजामोहन, मुख्य वन संरक्षक एवं फील्ड निदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी, जगदीश आर0 उपनिदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग, पलिया-खीरी, प्रतिनिधि, जिला पंचायत अध्यक्ष, लखीमपुर-खीरी, जनप्रतिनिधि प्रतिनिधि, बहराइच, सुश्री कीर्ति चौधरी, प्रभागीय वनाधिकारी, उत्तर खीरी वन प्रभाग/उप निदेशक (बफर जोन), दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी, सुश्री मनीषा धार्वे भ0प्र0से0 (प्रोबेशन), मुदित गुप्ता, वरिष्ठ समन्वयक, विश्व प्रकृति निधि भारत, सुरेन्द्र कुमार, प्रभारी क्षेत्रीय वन अधिकारी, दक्षिण सोनारीपुर रेंज, बिटटूलाल, अध्यक्ष ईको विकास समिति बनघुसरी, श्रीस दीक्षित सीए आदि लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

प्रगति परिषद के मंच पूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन, विधायक जाहिद बेग ने किया शुभारंभ

भदोही। प्रगति परिषद द्वारा आयोजित वार्षिक मेले का मंच पूजन कार्यक्रम आज दिनांक 1 नवंबर को बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय विधायक भदोही श्री जाहिद बेग ने विधिवत मंच पूजन कर मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रगति परिषद के अध्यक्ष श्यामबिहारी पटेल, पवन दुबे सहित परिषद के अन्य पदाधिकारी, स्थानीय गणमान्य नागरिक, व्यापारी वर्ग एवं क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे परिसर में पूजन के समय भक्तिमय वातावरण व्याप्त रहा। कार्यक्रम के बाद मेले का औपचारिक उद्घाटन हुआ, जिसमें झूले, बच्चों के मनोरंजन के साधन, हस्तशिल्प व स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी और खानपान की विविध स्टॉलों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। मेले में सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ बाहर से आमंत्रित कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। प्रगति परिषद के सदस्यों ने बताया कि यह मेला सामाजिक सद्भाव, पारंपरिक संस्कृति और जन-मनोरंजन का प्रतीक है।

यातायात पखवाड़ा शुरू किया गया

भदोही – यातायात जागरूकता माह (जिसे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह भी कहा जाता है) का आयोजन किया जा रहा है।जिसका मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना, यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करना और सुरक्षित सड़क परिवहन को बढ़ावा देना है। 01.11.2025 से प्रारम्भ हो रहे 'यातायात जागरुकता माह नवम्बर-2025' का पुलिस लाईन ज्ञानपुर में भव्य शुभारम्भ किया गया। शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा राजीव कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी यातयात व एआरटीओ भदोही व यातायात प्रभारी सहित गणमान्य व्यक्तियों व अन्य पुलिस अधि0/कर्मचारीगण की उपस्थिति में यातायात माह का शुभारंभ किया गया। यातायात जागरूकता के लिए प्रत्येक थानावार रोस्टर जारी किया गया है जिसके द्वारा जनपदीय पुलिस टीम विभिन्न स्कूलों वो,कॉलेजों आदि स्थानों पर जा कर जागरूक किया जाएगा।जीवन है तो सब कुछ है इसलिए यातायात नियमों का पालन करना चाहिए।। एक नियम का पालन सैकड़ों जिंदगियां बचा सकता है। सभी नागरिकों से अपील है कि इस माह को केवल अभियान न समझें, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

बेमौसम बरसात के बाद क्रय केंद्रों पर क्यों पहुंचे यूपी के किसान? सुबह से ही लग गई लंबी लाइन

कलवारी (मीरजापुर)। स्थानीय तहसील मड़िहान के अंतर्गत कलवारी स्थित राजकीय क्रय केंद्र पर शुक्रवार की रात से किसानों का जमावड़ा क्रय केंद्र पर टोकन लेने के लिए किसानों की भीड़ उमड़ी रही जबकि क्रय केंद्र प्रभारी जय प्रकाश यादव ने 1 नवंबर से धान खरीद का टोकन वितरित करने की बात कही। शनिवार के सुबह से ही किसान टोकन लेने के लिए राजकीय क्रय केंद्र पर पहुंचकर लाइन में लगकर टोकन प्राप्त किया। क्षेत्र में हो रही बरसात से धान की फसले जलमग्न है। क्षेत्र में बरसात की वजह की वजह से कटाई मड़ाई का कार्य बाधित है।

राजकीय क्रय केंद्र पर शनिवार की सुबह टोकन के लिए पहुंचे किसान पानी में भींगतें हुए धान बेचने के लिए नंबर लगाया। राजकीय क्रय केंद्र पर किसानों की सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा गया। क्रय केंद्र पर किसी भी प्रकार की समस्या ना हो इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था के लिए दो होमगार्ड की तैनाती की गई थी। इस संबंध में क्रय केंद्र प्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि क्रय केंद्र पर आठ सौ किसानों को टोकन वितरित किया गया है।धान की फसल सूखने से बाद किसानों से उपज की खरीद की जाएगी। क्रय केंद्र पर गेहू बेचने वाले किसानों को वरीयता दी जाएगी। नमी मापक यंत्र ने धान की नमी मापी जाएगी।

जनपद मुख्यालय कलेक्टेऊट से इतर अभोली ब्लॉक का जमीनी हकीकत जानने पहुंचे मंत्री ए. के. शर्मा

●ब्लॉक प्रमुख, अधिकारियों और ग्राम प्रधानों के साथ बैठक कर जानी धरातलीय स्थिति

दूध कलेक्शन सेन्टर, वरूणा तट पर उगने वाले खस से इत्र बनाने, सब्जियों को निर्यात करने, डैऊगन फ्रूट व फलों की खेती करने को किया प्रेरित व प्रोत्साहित

बाल व मातृत्व मृत्यु दर की समीक्षा कर पोषण पोटली उपलब्ध कराने पर दिया बल

निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुर्गागंज का निरीक्षण कर जल्द ही शुभारम्भ करने का दिया निर्देश

प्रभारी मंत्री ने वृक्षारोपण कर पर्यावरणीय संचेतना का दिया संदेश

'गौ-सेवा को आमदनी से जोड़ने और जैविक खेती पर दिया जोर'

'पेंशन योजनाओं, आयुष्मान कार्ड और प्रधानमंत्री आवास की प्रगति की ली समीक्षा'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही :- नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद भदोही के प्रभारी मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने जनपद मुख्यालय कलेक्टेऊट से इतर छोटे से ब्लाक कार्यालय अभोली में ब्लाक प्रमुख, ग्राम प्रधानों व अधिकारियों के साथ बैठक कर जमीनी हकीकत जानी। उनका यह दौरा पूरी तरह से जनसंपर्क और जमीनी हकीकत को समझने पर केंद्रित रहा। उन्होंने अभोली ब्लाक परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरणीय संचेतना का संदेश देते हुए उपस्थित जनमानस को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों से योजनाओं की वास्तविक प्रगति का जायजा लिया और शासन की नीतियों को धरातल पर उतरने का निर्देश दिया। मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सरकारी दफ्तरों में बैठकर योजनाओं की समीक्षा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि असली जिम्मेदारी है गांवों में जाकर उनकी वास्तविक स्थिति को समझना और जनता से संवाद करना। उन्होंने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी अगर गांवों में जाकर काम करेंगे, तभी योजनाओं का असर धरातल पर दिखाई देगा।

ब्लॉक स्तर की समीक्षा बैठक में जनता की बात, योजनाओं की सच्चाई

अभोली ब्लॉक कार्यालय में आयोजित बैठक में ब्लॉक प्रमुख प्रियंका बिन्द, विभिन्न ग्राम प्रधान, ब्लॉक स्तरीय अधिकारी और विभागीय कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि शासन की हर योजना का उद्देश्य गरीब, किसान, महिला और कमजोर वर्ग तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि अधिकारी गांवों का दौरा करें और सुनिश्चित करें कि पात्र व्यक्ति को लाभ मिले और अपात्र को हटाया जाए। उन्होंने बाल मृत्यु दर व मातृत्व मृत्यु

दर की समीक्षा कर कम करने हेतु गर्भवती व धात्री महिलाओं को सुचारू रूप से ससमय पोषण पोटली उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। श्री शर्मा ने कहा कि आज की सरकार जनता के विश्वास पर चलने वाली सरकार है, इसलिए भ्रष्टाचार, लापरवाही या उदासीनता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे केवल रिपोर्ट और मीटिंगों तक सीमित न रहें, बल्कि गांवों में जाकर विकास कार्यों की हकीकत देखें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, वृद्धावस्था व दिव्यांगजन, पेंशन योजनाएं, मनरेगा और अन्य जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को इस तरह लागू किया जाए कि गांव का हर परिवार सरकार की योजनाओं से जुड़ा महसूस करे। उन्होंने उपर्युक्त योजनओं से सम्बन्धित विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि गॉव में कैम्प लगाकर लाभार्थियों को योजनाओं से संतृप्त करें।

दुर्गागंज में निर्माणाधीन सीएचसी का निरीक्षण, समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निर्माण पर बल

बैठक के बाद मंत्री श्री शर्मा ने निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), दुर्गागंज का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की प्रगति, उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता और श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से और उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं ग्रामीण जीवन का आधार हैं, इसलिए अस्पतालों में स्वच्छता, औषधि उपलब्धता और चिकित्सकों की तैनाती सुनिश्चित होनी चाहिए।

श्री शर्मा ने कहा कि सीएचसी केवल इलाज का केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण स्वास्थ्य जागरूकता का केंद्र भी होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित करे, जिससे ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ पोषण, स्वच्छता और रोग-निवारण के बारे में जानकारी मिले। उन्होंने बताया कि दिसम्बर के अन्त तक इसका शुभारम्भ कर जनता को समर्पित कर दिया जायेगा, और जल्द ही क्षेत्रवासियों को उत्तम चिकित्सकीय सुविधाएं प्राप्त होगा।

पशुपालन, गौ-सेवा और जैविक खेती से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत

मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की असली ताकत खेती और पशुपालन है। उन्होंने कहा कि पशुपालन केवल गौ-सेवा नहीं, बल्कि किसानों के लिए आय का महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर गांव में पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके।उन्होंने किसानों से जैविक खेती को अपनाने की अपील की। श्री शर्मा ने कहा कि जैविक खेती से न केवल मिट्टी की सेहत सुधरती है, बल्कि उत्पादन लागत भी कम होती है और किसानों को अधिक मुनाफा मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेती-किसानी को लाभकारी और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने पराम्परागत उद्यम में मूल्य सर्म्वधन करने वाली प्रक्रियाएं जैसे स्थानीय सब्जियों को खाड़ी देशों में निर्यात, वाराणसी स्थित अमूल्य/बनास डेयरी कम्पनी पर दूध पहुँचाने हेतु स्थानीय दूध संग्रह केन्द्रो की व्यवस्था करना, जनपद में प्रवाहित वरूणा नदी के किनारे स्वत उगने वाले घास खस से इत्र बनाना, डैऊगन फ्रूट व फूलों की खेती को बढ़ावा देना आदि पर प्रेरित व प्रोत्साहित किया।

जनकल्याणकारी योजनाओं पर गहराई से समीक्षा-किसी को भी लाभ से वंचित न रखें

बैठक में मंत्री श्री शर्मा ने वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा जैसी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट मांगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले और कोई भी पात्र व्यक्ति छूटने न पाए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं की सफलता तभी मानी जाएगी जब जनता को उसका लाभ महसूस हो। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि लाभार्थियों की सूची का सत्यापन ईमानदारी से किया जाए, और जहां कहीं भी शिकायतें आएं, वहां तत्काल कार्रवाई हो। 'अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाना ही शासन का लक्ष्य-ए. के. शर्मा'

मंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि शासन की सुविधाएँ अंतिम व्यक्ति तक सम्मानपूर्वक पहुंचे। उन्होंने कहा कि 'लखनऊ के वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर योजनाएं नहीं चलतीं, उन्हें चलाने के लिए गांव की गलियों में जाना पड़ता है। 'उन्होंने कहा कि विकास की असली तस्वीर शहरों में नहीं, गांवों में दिखती है। अधिकारी और कर्मचारी अगर संवेदनशीलता और सेवा भावना से काम करें तो भदोही जैसे जिले प्रदेश के विकास का आदर्श मॉडल बन सकते हैं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, ब्लॉक प्रमुख अभोली प्रियंका बिंद, पूर्व विधायक रविंद्र त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, जिला विकास अधिकारी ज्ञान प्रकाश , उपायुक्त मनरेगा राजाराम, उपायुक्त स्वत रोजगार अनुराग राय, बीडीओ आलोक कुमार राय, डीआईओ डॉ पंकज कुमार, अधिशासी अभियंता विद्युत भदोही, व अन्य अधिकारी,ग्राम प्रधान अभोली बबलू सिंह, फत्तूपुर राजेश शर्मा व अन्य ग्राम प्रधान जनमानस उपस्थित रहे।

नेता जी राजनारायण इंटर कॉले' सरबतखानी जनपद भदोही में छात्र छात्राओं तथा शामिल हुए सभी सम्माननीय लोगों को नए कानून के प्रावधानों/कार्यवाही से कराया अवगत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा नये आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता अभियान 2.0 के सम्बन्ध में 01 जुलाई, 2024 से भारत में नये आपराधिक कानून लागू किये जा चुके हैं, इसके सम्बन्ध में प्रचार-प्रसार के क्रम में नये आपराधिक कानूनों के और प्रभावी क्रियान्वयन के लिये दिनांकः 30-10-2025 से 01-11-2025 तक 03 दिवसीय हृष्टरु जागरूकता अभियान 2.0 चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रभात राय क्षेत्राधिकारी औराई व प्रभारी निरीक्षक चौरी

द्वारा नेता जी राजनारायण इंटर कॉलेज सरबतखानी जनपद भदोही में जागरूकता अभियान चलाया गया। दिनांक 01.07.2024 से लागू 03 नए आपराधिक कानून औपनिवेशिक युग के कानूनों से एक महत्त्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है जो सामाजिक गतिशीलता को प्रदर्शित करता है। नए कानून दण्ड आधारित न होकर न्याय आधारित है। तथा इस क्रम में थाना औराई के प्रभारी निरीक्षक 'राम सरीख गौतम' द्वारा टेंडर हाई स्कूल घोसिया में छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों की मौजूदगी में नए कानून के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इसी क्रम में थाना कोइरौना पुलिस टीम द्वारा केसरी इंटर मीडिएट कॉलेज कोइरौना में छात्र छात्राओं को जागरूक किया गया। विकसित भारत में फॉरेंसिक का बेहतर उपयोग हो रहा है। महिलाओं के प्रति अपराध पर अब नहीं हो रहा कोई समझौता! संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कदम! आतंकवाद के खिलाफ अब जीरो टॉलरेंस! कानूनी प्रक्रिया हुई तेज, नियमों में हुआ सुधार!

विकसित भारत के आधार पर कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जनपद भदोही में निदेशक महिला कल्याण उ0प्र0 लखनऊ/जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देश के क्रम में नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन पर केन्द्रित तथा स्वस्थ्य नारी, सशक्त परिवार, विकसित भारत का आधार के कार्यक्रम के अन्तर्गत मिशन शक्ति फेज 5.0 के अन्तर्गत दिनॉक 17.10.2025 से 03.11.2025 तक मिशन शक्ति विशेष अभियान के अन्तर्गत आज दिनांक 01.11.2025 को विकास खण्ड औराई के अन्तर्गत कोईलरा में घरेलू हिंसा/दहेज उन्मूलन एवं जन जागरूकता विषय पर ग्राम चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जेण्डर स्पेसलिस्ट प्रियंका गुप्ता ने महिला कल्याण विभाग द्वारा

चलाई जा रही योजनाओं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड व सामान्य), पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना, वन स्टॉप सेन्टर, 1098 चाइल्ड हेल्पलाईन एवं टोलफ्री नं0-181 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना 06 श्रेणियों लाभ प्रदान किया जाता है। प्रथम श्रेणी बालिका के जन्म होने पर 5000 द्वितीय श्रेणी बालिका के एक वर्ष तक के पूर्ण टीकाकरण के उपरान्त 2000 तृतीय श्रेणी कक्षा प्रथम में बालिका के प्रवेश पर 3000 चतुर्थ श्रेणी कक्षा छः में बालिका के प्रवेश पर 3000 पंचम श्रेणी कक्षा नौ में बालिका के प्रवेश पर 5000 एवं षष्ठम् श्रेणी बालिका द्वारा 12वीं उत्तीर्ण करने के उपरान्त स्नातक अथवा दो वर्षीय या अधिक अवधि के डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश पर 7000 प्रदान किया जाता है। जनपद में कुल 18570 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका है।

इस अवसर पर रेशमा भारती, प्रियंका गुप्ता, आनन्द मौर्या, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, काफी संख्या में आशा समूह एवं ग्रामीणवासी उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने जनपद में पंजीकृत बड़े विलेखों में से 02 विक्रय विलेख तथा 1 स्टाम्प वाद से सम्बंधित विलेख का स्टांप देयता की दृष्टि से किया स्थलीय निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही – जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा जनपद में पंजीकृत बड़े विलेखों में से 02 विक्रय विलेख का स्टांप देयता की दृष्टि से स्थलीय निरीक्षण किया गया। पहला मौजा जल्लापुर और दूसरा मौजा हरियाव। पहला मौजा जल्लापुर स्थित आराजी संख्या 52 रकबा 1290 वर्ग मीटर आवासीय/अकृषक भूमि प्रतिफल 11655000 व बाजारी मूल्य मूल्यांकित कर 02 सितम्बर, 2025 को पंजीकृत कराया गया 816000 स्टाम्प शुल्क अदा किया गया , स्थल निरीक्षण में विकृत संपत्ति 3-9मीटर चौड़े इंटरलॉकिंग रास्ते पर पाई गई जिसमें 174.5मीटर बाउंड्री वाल निर्मित है। जबकि विलेख में विकृत सम्पत्ति को 3

मीटर से कम चौड़े रास्ते पर दर्शाया गया था और बाउंड्री वाल 79 रनिंग मीटर प्रदर्शित की गई है। स्थल निरीक्षण उपरांत मौके के अनुसार लगभग 07 लाख की कमी स्टाम्प शुल्क व निबंधन शुल्क पाई गई।

मौजा हरियॉंव अराजी संख्या 610 स्थित रकबा 0.346 हे0 कृषि भूमि प्रतिफल 12000000 व बाजारी मूल्य 13454000 मूल्यांकित कर 26 सिम्बर, 2025 को पंजीकृत कराया गया 942000 स्टाम्प शुल्क अदा किया गया। स्थल निरीक्षण मे विक्रीत सम्पत्ति में कृषि कार्य नही होना पाया गया। अपितु कई रास्ते बनाकर प्लांटिग का कार्य किया जाना पाया गया इस प्रकार स्थल निरीक्षण में विक्रीत सम्पत्ति अ कृषक/आवासीय पायी गयी जो 3 से 9 मीटर कच्चे रास्ते पर पायी गयी। स्थल निरीक्षण के उपरान्त मौके के अनुसार लगभग 32.78 लाख की कमी स्टाम्प शुल्क व निबन्धन शुल्क पायी गयी। जिलाधिकारी ने स्टाम्प वाद से सम्बन्धित मौजा सरोंई में भी स्थलीय निरीक्षण किया जिसमें पूर्व में उपनिबन्धक भदोही द्वारा प्रेषित स्टाम्प कमी की आख्या सही पायी गई। स्थलीय निरीक्षण के दौरान सहायक महा निरीक्षक निबंधन भदोही, उप निबंधक भदोही, तहसीलदार भदोही तथा क्षेत्रीय लेखपाल मौजूद रहे।

देवोत्थान एकादशी पर विंध्यधाम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

●दर्शन के बाद गंगा में लगाई डुबकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। देवोत्थान एकादशी पर्व पर विंध्यधाम में शनिवार को लगभग एक लाख श्रद्धालुओं ने मां विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन कर परिवार में सुख समृद्धि के लिए मन्नतें मांगी। विभिन्न प्रांतों व जिलों से आए श्रद्धालु परिवार संग गंगा में आस्था की डुबकी भी लगाई। दर्शन पूजन के बाद महिलाओं ने श्रृंगार के सामानों की खरीदारी की। वहीं, पुरुषों ने अपने लिए चुनरी तथा बच्चों ने खिलौने आदि लिया। इस दौरान भोर से लेकर देर रात घंटा-घड़ियाल व मां के जयकारे से धाम गूंजता रहा। मौसम को देखते हुए दूरदराज से आने वाले श्रद्धालु शुक्रवार को ही विंध्याचल पहुंच गए। यहां होटल, धर्मशाला, लाज व तीर्थ पुरोहितों के घरों में रात बिताई। दूसरे दिन भोर में स्नान ध्यान करने के बाद विंध्यधाम पहुंचकर कतारबद्ध हो गए। भोर चार बजे मंगला आरती के बाद कपाट खुलते ही मां विंध्यवासिनी का भव्य स्वरूप का दर्शन कर सभी धनधान्य हो गए। इस दौरान मंदिर परिसर में विराजमान मां दुर्गा, भोलनाथ, भैरो बाबा, हनुमानजी, मां सरस्वती समेत अन्य देवी देवताओं के दर्शन करने के बाद हवन कुंड का परिक्रमा कर आहुति डालकर मन्नतें मांगी। मंदिर चौकी प्रभारी अजय मिश्रा ने बताया कि श्रद्धालुओं को दर्शन पूजन में परेशानी न हो इसके लिए पुलिस कर्मी लगे रहे।

यूपी 112 पर प्राप्त सूचनाओं के त्वरित निस्तारण व मदद हेतु जनपदीय यूपी 112 का रिस्पांस टाईम हुआ बेहतर

●पीड़ितों को मात्र 04 मिनट 27 सेकण्ड में ही पहुंच रही पुलिस सहायता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही– पुलिस, पीड़ितों को अल्पसमय में बेहतर सुरक्षा व सहायता उपलब्ध कराने हेतु है प्रतिबद्ध अभिमन्यु मांगलिक,पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में तथा शुभम अग्रवाल,अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में भदोही यूपी 112 पुलिस टीम को यूपी-112 पर प्राप्त सूचनाओं/शिकायतों पर तत्काल मौके पर पहुंचकर पीड़ितों/कॉलरों को त्वरित मदद व उनके समस्या के निस्तारण हेतु निर्देश दिए जा रहे हैं। उक्त निर्देश के क्रम में भदोही यूपी 112 पुलिस टीम द्वारा सूचनाओं पर तत्काल मौके पर पहुंच कर रिस्पांस टाईम को लगातार बेहतर किया जा रहा है। माह अक्टूबर, 2025 में यूपी-112 के पीआरवी वाहनों के मौके पर पहुंचने के रिस्पांस टाईम के जोन स्तर पर की गई रैंकिंग में भदोही पीआरवी को प्रथमएवं प्रदेश स्तर की रिस्पांस टाईम की रैंकिंग में चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। जोन स्तर पर लगातार शीर्ष पर जनपदीय पीआरवी अपना स्थान कायम की है। प्राप्त शिकायतों पर पीआरवी वाहन 04 मिनट 27 सेकण्डमें मौके पर पहुंच रहे हैं, जिससे पीड़ितों को त्वरित सहायता प्राप्त हो रही है। पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा इस रिस्पांस टाईम को और बेहतर करने के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। किसी भी आपातकालीन सेवा के लिए 112 डायल करें

हिस्ट्रीशीटर की संदिग्ध मौत, शव के पास पड़ा रहा अवैध असलहा

सुलतानपुर– उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले के कूरेभार थाना क्षेत्र में आज सुबह एक हिस्ट्रीशीटर ने अपने घर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मृतक की पहचान गलिबहा गांव निवासी दुर्गेश सिंह उर्फ मोनू (35) के रूप में हुई है। उसने अवैध असलहे से कनपटी पर गोली मारी है। गोली की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जहां दुर्गेश खून से लथपथ मृत अवस्था में मिला। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष विजयंत मिश्रा साथी पुलिस बल और फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक थाने का हिस्ट्रीशीटर था। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। परिजनों के अनुसार, दुर्गेश दो दिन पहले ही अपने घर लौटा था। फिलहाल शव को विधिक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

●जनमानस की शिकायतों का निराकरण, प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता- जिलाधिकारी

राजस्व व जमीन प्रकरण शिकायत के निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर स्थलीय मुआयना कर तैयार करें स्पॉट नोट-अपर पुलिस अधीक्षक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही – जन शिकायतो के त्वरित निस्तारण एवं कार्यवाही के दृष्टिगत ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया। तहसील भदोही में जिलाधिकारी शैलेष कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, उप जिलाधिकारी अरुण गिरी, तहसील ज्ञानपुर में अपर जिलाधिकारी विजय नारायण सिंह, उप जिलाधिकारी भान सिंह, तहसील औराई में अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, उप जिलाधिकारी श्याममणि त्रिपाठी व अन्य अधिकारियो द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर फ़रियादियों की समस्याओ को गंभीरता से सुनकर निस्तारण किया गया। सभी तहसीलों में जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में सुशासन आधारित लगायें गये विभिन्न कैम्पो-बाल विकास पुष्टाहार विभाग, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, परिवार नियोजन, समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धावस्था पेंशन, महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के उन्नयन हेतु विविध योजना मिशन शक्ति, राजस्व विभाग हेल्प डेस्क, जागरूकता हेतु लगाये गये। तहसील भदोही में लगाये गये कैम्प का जिलाधिकारी ने निरीक्षण करते हुयें उनके द्वारा लाभार्थियों को दी जाने वाली योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने तहसील भदोही के संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण करते हुए सुशासन को स्थापित किया। साथ ही आईजीआरएस में प्राप्त लोक शिकायतों का निस्तारण, ऑनलाईन ''सर्विस डिलीवरी'' की सेवाओं में वृद्धि किया गया। जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध समाधान करने का निर्देश दिया। कानूनगो व लेखपाल को निर्देशित किया कि जमीन सम्बन्धी मामले में पुलिस टीम के साथ समन्वय व सहयोग बनाते हुए निस्तारण सुनिश्चित कराये। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कुछ ऐसे मामले होते है जो दो या तीन विभागों के मध्य संयुक्त रहता है। सम्पूर्ण समाधान दिवस एक ऐसा सुअवसर होता है जहा पर एक ही दिन, एक ही निश्चित समय पर सभी जनपदीय अधिकारी उपस्थित होते है। अर्न्तविभागीय समन्वय स्थापित करते हुयें ऐसे सभी मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि प्रदेश सरकार की मंशानुरूप जनता जनार्दन को अपने तहसील स्तर पर ही उनकी शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाएं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस द्वारा शासन त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। तहसील दिवस में आए जनता की समस्याओं का पुलिस व राजस्व अधिकारी संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण करते हुए न्यायोचित निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रो को अधिकारी गुणवत्तापूर्ण ढंग से एक सप्ताह के अन्दर निस्तारण कराना सुनिश्चित कराये। उन्होंने जनपद में शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने हेतु सभी को प्रोत्साहित किया। गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के मंशानुरूप सुशासन को निर्धारित समय सीमा में जनपदवासियों को अच्छादित किया जाय। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की बातो को गम्भीरता से अवश्य सुने। जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त कुल 78 शिकायतों में से 05 का तत्काल निस्तारण कर शेष पर प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग स्तर पर ही शिकायतकर्ताओं को संतुष्टि के साथ शिकायत निस्तारण सुनिश्चित करें। यदि प्राथमिक स्तर पर ही विकास खण्ड कार्यालय उप जिलाधिकारी कार्यालय व विभागाध्यक्ष द्वारा गुणवत्ता व संतुष्टिपरक समय-सीमा में शिकायतों का निस्तारण कर लिया जाय तो फरियादियों को जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त व सीएम पोर्टल पर शिकायत करने की स्थिति ही नही आयेगी। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रो को अधिकारी गुणवत्तापूर्ण ढंग से एक सप्ताह के अन्दर निस्तारण कराना सुनिश्चित कराये। ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि राजस्व व जमीन प्रकरण शिकायत के निस्तारण हेतु राजस्व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर जॉच करते समय शिकायतकर्ता अथवा वहॉ पर उपस्थित व्यक्तियो के हस्ताक्षर अवश्य कराये तथा फोटोग्राफ्स भी सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त खबरें

विवाहिता की हत्या,आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

चुनार, मिर्जापुर। शनिवार को कोतवाली क्षेत्र के पचेवरा गांव में दहेज को लेकर विवाहिता 22 वर्षीय अंशी सिंह पत्नी अजीत सिंह की हत्या कर दी गई है। घटना की जानकारी मिलते ही चुनार कोतवाल विजय शंकर सिंह रात्रि में ही मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतिका के पिता शिवेंद्र सिंह निवासी मगरहा ने घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पहुंच कर तहरीर देते हुए बताया कि अपनी पुत्री आशि का विवाह बड़े धूमधाम से इसी वर्ष अप्रैल माह में अजीत पुत्र पारस सिंह निवासी पचेवरा कोतवाली चुनार के साथ किया था। जब से शादी किया था कुछ दिन बाद से ही मेरी पुत्री को दहेज को लेकर पति अजीत सिंह ,ससुर पारस सिंह, सास आशा सिंह, ननद रेनू सिंह सहित अन्य परिवार के लोग दहेज को लेकर प्रताड़ित किया करतें थे,शनिवार की रात में मेरी पुत्री को जहर देकर हत्या कर दिए हैं। कोतवाल विजय शंकर सिंह ने बताया कि मृतिका के पिता द्वारा तहरीर प्राप्त कर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपीयों के गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

कोहरगड्डी चौराहे पर बाबा के जन्मोत्सव पर भंडारा: देव उठनी एकादशी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पचपेड़वा (बलरामपुर)। देव उठनी एकादशी के अवसर पर शनिवार को कोहरगड्डी चौराहे पर बाबा के जन्मोत्सव पर भंडारे का आयोजन किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व समाजसेवी जय सिंह गुप्ता और उनके पिता बलराम गुप्ता ने किया। मनीष गुप्ता, लाला गुप्ता, करन गुप्ता, बबलू गुप्ता सहित स्थानीय श्रद्धालु और श्याम भक्तों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सुबह से ही भक्ति संगीत और जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। बड़ी संख्या में भक्तों ने बाबा के दरबार में पहुंचकर दर्शन किए। श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें छोला, पूड़ी और बूंदी का प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद ग्रहण करने के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि यह भंडारा हर वर्ष देव उठनी एकादशी के दिन आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य समाज में आपसी प्रेम, एकता और भक्ति भाव को बढ़ावा देना है। स्थानीय लोगों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से आध्यात्मिकता के साथ-साथ समाज में भाईचारे की भावना भी मजबूत होती है। शाम तक भक्तों की भीड़ लगातार बनी रही।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत जनपद बलरामपुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

बलरामपुर – ग्राम स्वराज अभियान योजनान्तर्गत जनपद बलरामपुर के 199 लक्षित प्रतिभागियों (प्रधान व सचिव) का जनपद स्तरीय 1 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 3 नवम्बर 2025 को प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक डी0पी0आर0सी0, विकास भवन परिसर बलरामपुर के सभागार में कराया जाना सुनिश्चित है। उक्त प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले प्रत्येक प्रतिभागियों का टी0एम0पी0 पोर्टल पर आधार प्रमाणीकरण भी किया जायेगा तथा उक्त प्रशिक्षण में सभी वांछित प्रतिभागियों (ग्राम पंचायत प्रधान तथा सचिव) को स्वयं प्रतिभाग करना अनिवार्य होगा। सहायक विकास पंचायत अधिकारी विकासखंड तुलसीपुर मानिक राम मौर्य में बताया कि विकासखंड तुलसीपुर की 2011 जनगणना के अनुसार प्रथम चरण में 1500 की आबादी की ग्राम पंचायतो के सभी प्रधान व संबंधित सचिव उक्त कार्यक्रम में भाग लेंगे उक्त प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत को स्वयं के आए सृजन शख्त में जागरूक करने शासन की व्यवस्था के अनुसार सरकार ने यह निर्णय लिया है की जितनी धनराज का संग्रह स्वयं के संसाधनों से ग्राम पंचायत करेगी अपनी ही धनराशि सरकार उनकी क्षमता संवर्धन हेतु अलग से देगी आर्थिक रूप से सक्षम बनाने हेतु यह प्रशिक्षण होना है।

विशेष एससी/एसटी अदालत ने झूठी एफआईआर दर्ज कराने पर दलित महिला को 3 साल की कैद की सजा सुनाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। एससी/एसटी अधिनियम के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने गुरुवार को एक दलित महिला को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत तीन व्यक्तियों के खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज कराने के आरोप में तीन साल की कैद की सजा सुनाई।अतिरिक्त जिला न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी, जो विशेष एससी/एसटी अधिनियम अदालत की अध्यक्षता कर रहे हैं, ने ममता (जिसका एक नाम है) को सजा सुनाई। सरकारी वकील अरविंद मिश्रा ने कहा, 'आदेश सुनाते हुए, अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश भी जारी किए कि अगर महिला (ममता) को एससी/एसटी अधिनियम के तहत मुआवजा राशि दी जाती है, तो वह उससे वसूल की जाए।' 'अदालत ने राहत राशि के भुगतान के लिए भी दिशानिर्देश जारी किए। ममता ने भारतीय किसान यूनियन के नेता विनोद कुमार, किशन कुमार और अर्जुन कुमार के कहने पर उसी यूनियन के दो गुटों के बीच प्रतिद्वंद्विता के कारण एफआईआर दर्ज कराई थी।2 अगस्त, 2019 को राज्य की राजधानी के माल पुलिस स्टेशन में एससी/एसटी अधिनियम के तहत कई आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। तत्कालीन क्षेत्राधिकारी शेषमणि पाठक द्वारा की गई जाँच में पता चला कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई थी। अधिकारी ने अदालत में अंतिम रिपोर्ट दाखिल की।

मुख्य निर्देश इस प्रकार हैं – राहत राशि का भुगतानः अदालत ने निर्देश दिया कि यदि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत पीड़ित को कोई राहत राशि दी गई है, तो उसे आरोपी से वसूला जाना चाहिए।

दिशानिर्देश– अदालत ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) नियम, 1995 के तहत राहत राशि के भुगतान के लिए भी दिशानिर्देश जारी किए। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि राहत चरणबद्ध तरीके से प्रदान की जानी चाहिए, जिसमें प्राथमिकी दर्ज होने पर राहत राशि का 10% से 25% और आरोप पत्र दाखिल होने पर 50% देय होगा।

प्रतिबंध– न्यायालय ने निर्देश दिया है कि यदि प्राथमिकी झूठी पाई जाती है या न्यायालय द्वारा अंतिम रिपोर्ट स्वीकार कर ली जाती है, तो पीड़ित को कोई राहत नहीं दी जानी चाहिए।

दिशानिर्देशों का कार्यान्वयन– न्यायालय ने जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि दिशानिर्देशों का अक्षरशः कार्यान्वयन किया जाए।

इस निर्णय का उद्देश्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अधिनियम (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के दुरुपयोग को रोकना है, यह सुनिश्चित करके कि राहत केवल वास्तविक मामलों में ही प्रदान की जाए।इस निर्णय का उद्देश्य अत्याचार के पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा करना भी है, यह सुनिश्चित करके कि उन्हें समय पर और पर्याप्त राहत मिले।

सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी है, महा प्रबंधक नरेश पाल सिंह

● सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत संगोष्ठी का आयोजन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस सप्ताह के तहत आज उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे नरेश पाल सिंह के मुख्य आतिथ्य में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में महाप्रबंधक ने कहा कि, इस वर्ष की थीम सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने इस थीम के दो मुख्य अर्थों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि, सिस्टम में भ्रष्टाचार रोकने और पारदर्शिता लाने के लिए केवल सतर्कता विभाग ही नहीं, बल्कि सबको मिलजुलकर काम करना पड़ेगा। सभी को अपने-अपने तरीके से योगदान देकर इस जिम्मेदारी को निभाना है। उन्होंने सतर्कता को सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख कदमों पर प्रकाश डाला और कहा कि, स्टाफ ग्रीवान्सेज और शिकायतों को प्रभावी ढंग से और स्थाई व्यवस्था के तहत हैण्डल करना आवश्यक है। डी एंड आर केसों के संदर्भ में सतर्क रहने की आवश्यकता है। जानबूझकर देरी करने से गलत लोगों को छूट मिल जाती है और वे प्रोत्साहित होते हैं। नियम-कानूनों की जानकारी के अभाव में अनजाने में होने वाली गलतियों को रोकने के लिए स्टाफ को जागरूक करना और उन्हें नियम-कायदों की जानकारी देना जरूरी है साथ ही सिस्टम में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए आई.टी. टूल्स, डिजिटल इनीशिएटिव और वेब-पोर्टल का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। महाप्रबंधक नरेश पाल ने सभी से इस भावना को केवल तीन महीने या एक सप्ताह तक सीमित न रखकर, सालभर जीवंत रखने और तटस्थ न रहने बल्कि सक्रिय रहने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता शरत सुधाकर चंद्रायन प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ने चेंजिंग दी माइंडसेट विषय पर अपना प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने कहा कि, साझा जिम्मेदारी की शुरुआत व्यक्तिगत सक्रियता से होनी है और परिवर्तनकारी बदलाव के लिए यह सतत प्रयास की आवश्यकता होती है, जिस पर तुरंत शुरुआत करना आवश्यक है। इस अवसर पर, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक ने मुख्य अतिथि सहित सभी विशिष्ट आमंत्रित अतिथियों और विभागाध्यक्षों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह के दौरान उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज, झाँसी व आगरा मंडलों में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराये जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि सप्ताह के कार्यक्रमों के क्रम में मुख्य सतर्कता आयुक्त के निर्देशानुसार आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए। अवसर पर सतर्कता जागरूकता पत्रिका 'जागृति' का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे के सभी विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुणाल 'मेरनॉक्स' भास्कर- बीजीएमआई की नई ताकत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धनबाद, झारखंड। कुणाल भास्कर, जिन्हें गेमिंग कम्युनिटी में मेरनॉक्स के नाम से जाना जाता है, महज़ 21 साल की उम्र में, बीजीएमआई (बैटलग्राउंड्स मोबाइल इंडिया) की प्रतिस्पर्धी दुनिया में जाना-माना नाम बन गए हैं। इंस्टाग्राम पर 1.7 हजार से ज्यादा और यूट्यूब पर 1.2 हजार फॉलोअर्स के साथ, मेरनॉक्स नए ज़माने के भारतीय ईस्पोर्ट्स एथलीट हैं, जो मेहनती और अनुशासित है, और जीत के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। उनकी यात्रा वर्ष 2020 में शुरू हुई, जब उन्होंने शौकिया तौर पर बीजीएमआई खेलना शुरू किया। वर्ष 2021 तक धीरे-धीरे इस जूनून ने पेशेवर रूप ले लिया, क्योंकि फर्स्ट-पर्सन शूटर की तेज़ रफ्तार वाली दुनिया में उनकी रुचि और अधिक बढ़ गई। आज, मेरनॉक्स गर्व के साथ टीम इंसेन ईस्पोर्ट्स का

प्रतिनिधित्व करते हैं, जहाँ वे अपने साथियों- ड्रीम्स, एगी और जेडीगेमिंग के साथ महत्वपूर्ण सपोर्ट रोल निभाते हैं। साथ मिलकर, उन्होंने बड़े प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट्स में अपनी पकड़ और लचीलेपन के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है।

हर सफलता की कहानी के पीछे मेहनत छिपी होती है और मेरनॉक्स के लिए इसका मतलब रोज़ाना 6-8 घंटे की प्रैक्टिस करना है, जिसमें वॉर्मअप, स्क्रम्स और टूर्नामेंट्स शामिल हैं। मेरनॉक्स क्राफ्टन के राइजिंग स्टार प्रोग्राम के तहत भी एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिसे वे सम्मान और सीखने का अवसर दोनों मानते हैं। उन्होंने कहा, 'इस प्रोग्राम का हिस्सा होना मुझे हमेशा नए आइडियाज़ और कॉन्टेंट एक्सप्लोर करने के लिए प्रेरित करता है। इसने मुझे प्रतिस्पर्धी गेमिंग से भी आगे बढ़ने में मदद की। क्राफ्टन का समर्थन उन्हें स्ट्रीमिंग और कॉन्टेंट क्रिएशन के लिए जरूरी टूल्स और एक्सेसरीज़ प्रदान करने में अहम् रहा, जिससे एक सफल ईस्पोर्ट्स एथलीट और बहुआयामी कॉन्टेंट क्रिएटर बनने का उनका लक्ष्य और भी मजबूत हुआ। मुश्किलों का सामना करने के बावजूद, उनकी आपसी समझ और तालमेल उन्हें वर्चुअल बैटलफील्ड में बेहतर प्रदर्शन और सफलता की ओर ले जाता है। छोटे-से शहर से शुरुआत करके समूचे देश तक पहुँचने वाला मेरनॉक्स का यह सफर भारत के बढ़ते ईस्पोर्ट्स इकोसिस्टम का उदाहरण है, जहाँ जूनून, लगातार मेहनत और नए विचार देश के अगले गेमिंग सुपरस्टार्स को बढ़ावा दे रहे हैं।

दबाव पर झुके फडणवीस- डॉक्टर से रेप और मर्डर में एसआईटी जांच का आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सतारा के एक होटल में मृत पाई गई बीड की एक महिला डॉक्टर की कथित आत्महत्या मामले की जाँच के लिए एक विशेष जाँच दल (SIT) गठित करने का आदेश दिया है। सरकार ने यह कदम नागरिकों और राजनीतिक दलों के दबाव के बीच उठाया है। तमाम राजनीतिक-सामाजिक संगठन महिला डॉक्टर के परिवार के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। पीड़िता के परिवार ने भी दोषियों को कड़ी सज़ा सुनिश्चित करने के लिए SIT जाँच की अपील की थी। गृह विभाग का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री फडणवीस ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (DGP) को तुरंत एक महिला IPS अधिकारी के नेतृत्व में SIT गठित करने का निर्देश दिया है।

मध्य महाराष्ट्र के बीड जिले की रहने वाली यह डॉक्टर 23 अक्टूबर को फलटन के एक होटल के कमरे में फंदे से लटकी मिली थीं। उन्होंने अपनी हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में आरोप लगाया था कि सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडाने ने उनके साथ कई बार रेप किया, जबकि प्रशांत बाणकर, जो एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर है, ने उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाद में इस मामले में एक बीजेपी सांसद का नाम भी परेशान करने वालों में आया। मुख्यमंत्री को नागरिकों और राजनीतिक दलों के भारी दबाव के बाद ही SIT गठित करने का फैसला लेना पड़ा। घटना 23 अक्टूबर को हुई, और SIT का आदेश 9 दिनों बाद आया। आलोचकों का मानना है कि यदि सरकार न्याय के प्रति गंभीर होती, तो वह इतना समय नहीं लेती और तत्काल जाँच के आदेश देती। इस देरी को सरकार द्वारा मामले को 'लीपापोती' करने की कोशिश के रूप में देखा गया, खासकर जब सुसाइड नोट में एक पुलिस अधिकारी पर सीधे तौर पर रेप और दूसरे आरोपी पर उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था।

पंचायत बनाम विधानसभा : दो सूचियां, एक मतदाता - फिर अंतर क्यों?

●उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनावों की तैयारियों के बीच सबसे बड़ा सवाल खड़ा है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बृजभूषण तिवारी

लखनऊ। जब मतदाता वही हैं, गांव वही है, तो सूची अलग क्यों? विधानसभा मतदाता सूची में जहां 1000 वोटर दर्ज हैं, वहीं ग्राम पंचायत की सूची में वही संख्या 1300 तक पहुंच जाती है। तीन सौ वोटरों का यह अंतर कोई मामूली गलती नहीं – यह उस चुनावी सिस्टम की कमजोरी का आईना है, जो हर पांच साल बाद लोकतंत्र की बुनियाद को हिला देता है। क्या यह अंतर राज्य निर्वाचन आयोग और भारत निर्वाचन आयोग – दोनों की कार्यप्रणाली पर सवाल नहीं उठाता? जब देश का संविधान नागरिक को एक ही पहचान देता है, तो अलग-अलग स्तरों पर मतदाता की दो-दो पहचान आखिर क्यों? यह स्थिति केवल तकनीकी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक साख का संकट है।

फर्जी वोटरों का खेल – गांव की राजनीति की दिशा बदल देता है

कई पंचायतों में देखा गया है कि विधानसभा सूची में जिन लोगों के नाम हट चुके हैं, वे पंचायत सूची में आज भी 'मतदाता' हैं। कुछ लोग जो शहरों में नौकरी कर रहे हैं या वर्षों पहले प्रवास कर चुके हैं, उनके नाम अब भी ग्राम सभा के वोटर सूची में मौजूद हैं। यही वे नाम हैं जो चुनाव के दिन 'फर्जी वोटिंग' के जरिये गांव की सत्ता की दिशा बदल देते हैं। यह सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही नहीं – बल्कि लोकतंत्र के साथ चुनावी छल है।

जवाबदेही कौन लेगा? — राज्य और केंद्र दोनों जिम्मेदार

पंचायत चुनाव का संचालन राज्य निर्वाचन आयोग करता है, जबकि विधानसभा और लोकसभा चुनाव भारत निर्वाचन आयोग के अधीन आते हैं। दोनों संस्थाओं का दायरा अलग है, लेकिन मतदाता तो एक ही नागरिक है। फिर दो सूचियां कैसे? कहीं किसी गांव में मतदाता दुगना, कहीं आधा – क्या यह चुनावी निष्पक्षता की गारंटी है या एक प्रशासनिक भ्रम की दीवार? सवाल सीधा है – अगर मतदाता वही हैं, तो राज्य और केंद्र दोनों आयोग एकीकृत मतदाता सूची (nified Voter List) क्यों नहीं तैयार करते? क्या यह गलती नहीं, बल्कि एक 'सुविधाजनक चूक' है, जिस पर अब तक आंख मूंद ली गई है?

SIR प्रक्रिया : सुधार का सुनहरा अवसर

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू की गई स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) देशभर में मतदाता सूचियों की शुद्धता सुनिश्चित करने का अभियान है। 28 अक्टूबर 2025 से शुरू यह प्रक्रिया 7 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस दौरान BLO घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे हैं – मृत, प्रवासी और डुप्लिकेट नाम हटाए जा रहे हैं। फिर प्रश्न यह उठता है कि जब विधानसभा चुनावों के लिए स्क्रब लागू है, तो पंचायत चुनावों में क्यों नहीं? यदि पंचायत चुनाव भी SIR के मानक से गुजारे जाएं, तो उत्तर प्रदेश पारदर्शी चुनाव की नई मिसाल बन सकता है।

आधार लिंकिंग : फर्जी मतदाता की जड़ पर चोट

जब बैंक खाता, गैस सब्सिडी, राशन कार्ड, यहां तक कि स्कूल में दाखिला तक आधार से जुड़ा है, तो मतदाता सूची को इससे अलग क्यों रखा गया है? यदि हर मतदाता का नाम आधार से लिंक हो जाए, तो दोहराए गए और फर्जी नाम स्वतः समाप्त हो जाएंगे। जब BLO घर-घर सत्यापन कर रहा है, तो उसी के साथ आधार सत्यापन जोड़ देना फर्जी मतदान के पूरे खेल पर अंतिम ताला लग सकता है।

अब नहीं चलेगी 'अलग-अलग सूची' की दोहरी व्यवस्था

राज्य और केंद्र – दोनों आयोगों को अब यह स्वीकार करना होगा कि दोहरी सूची व्यवस्था अब लोकतंत्र के लिए खतरा बन चुकी है। 2026 के पंचायत चुनाव को अवसर बनाकर एकीकृत मतदाता डेटाबेस (nified Voter Database) तैयार किया जाए,जहां हर नागरिक का नाम सिर्फ एक बार और सही स्थान पर दर्ज हो।यदि आयोग और सरकार इस दिशा में कदम नहीं उठाते, तो यह माना जाएगा कि विसंगति जानबूझकर जिंदा रखी जा रही है, ताकि चुनावी समीकरण मनचाहे ढंग से साधे जा सकें।

विधायक पंचायत प्रतिनिधि सिर्फ विकास के लिए वोट मांगते रहे लेकिन लोगों के हित में विकास आज भी नहीं हुआ

●साल 1999 में असम के बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के ऐंगलर बाजार और बढ़तल में लोग तीन न्यायसंगत मांगों के लिए अभूतपूर्व लोकतांत्रिक आंदोलन में सफल मतदान बहिष्कार किया! लेकिन आज भी न्यायसंगत मांग पूरी नहीं हुई, यह क्रोध छदीओल विज़न एन.जी.ओ. द्वारा जताया गया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि – विगत 1999 के लोकसभा चुनाव में असम के बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के ऐंगलर बाजार और बढ़तल क्षेत्र में एक अभूतपूर्व लोकतांत्रिक आंदोलन के माध्यम से इतिहास रचा गया था। उस समय क्षेत्रवासियों ने एकजुट होकर कुल 6 मतदान केंद्रों में मतदान का बहिष्कार किया था, तीन मौलिक जनहित संबंधी मांगों को पूरा करने की मांग के साथ।उनकी मांगें थीं:1/ बदरपुर विधानसभा क्षेत्र की प्रत्येक सड़क का पक्का निर्माण,2/ प्रत्येक गांव में बिजली सुविधा,3/ स्वच्छ पानी और जल आपूर्ति की व्यवस्था। इस आंदोलन का नेतृत्व बदरपुर एन.सी. कॉलेज के तत्कालीन छात्र रियाजुर रहमान परवीन छदीओल और हरिनादिक गांव के दिवंगत सिद्दिक अली ने किया था। क्षेत्रवासियों के अनुसार, उनके नेतृत्व और तत्कालीन युवा समाज की सक्रिय भागीदारी के कारण लोग मतदान की बजाय लोकतांत्रिक विरोध का मार्ग चुनने को मजबूर हुए। उस समय बदरपुर विधायक थे अबु साहेल नज्मुद्दीन। मतदान बहिष्कार के एक सप्ताह बाद करीमगंज के तत्कालीन जिला उपायुक्त के आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में रियाजुर रहमान परवीन छदीओल उपस्थित थे। बैठक में रियाजुर रहमान परवीन छदीओल, बदरपुर टाउन कमिटी के पूर्व अध्यक्ष सय्यद कमर उद्दीन, प्रभात बरुआ, सय्यद साहाब उद्दीन और मस्ताक अहमद सहित कई गण्यमान्य लोग उपस्थित थे। उस बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि जनता की तीन मांगों को असम सरकार के सहयोग से चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। लेकिन वास्तविकता कुछ और ही थी; लंबी 26 साल की अवधि बीत जाने के बाद भी इन मांगों का पूरा क्रियान्वयन आज तक नहीं हुआ। बदरपुर क्षेत्र के कई गांव अब भी शुद्ध पानी और जल संकट से जूझ रहे हैं। राजनीतिक इतिहास के अनुसार, 2001 में जमाल उद्दीन अहमद, 2006 में अनवरुल हक, 2011 और 2016 में फिर से जमाल उद्दीन अहमद, और 2021 में अब्दुल अजीज बदरपुर के विधायक के रूप में चुने गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन नेताओं में केवल जमाल उद्दीन अहमद ने विकास में क्रांतिकारी भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल में बदरपुर की लगभग 95% सड़कें पक्की की गईं, 90% क्षेत्रों में बिजली का कनेक्शन दिया गया, और 60% क्षेत्रों में शुद्ध पानी की व्यवस्था की गई। हालांकि अन्य विधायकों के कार्यकाल में ऐसा कोई वास्तविक विकास आम जनता को दिखाई नहीं दिया, ऐसा ही लोगों का आरोप है। 1991 और 1996 में विधायक रहते हुए अब1996 में विधायक रहते हुए, अबु सालेह नज्मुद्दीन ने राज्य के मंत्री के रूप में पहले चार वर्षों में कई बेरोज़गार युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान किए, लेकिन विपक्षी दल में रहते समय विकास रुक गया। गत 31 (अक्टूबर) शुक्रवार को छदीओल विज़न एनजीओ की संपादिका नाज़मा छदीओल और सह-संपादक मस्तक अहमद एवं समाजसेवी फैजुर रहमान ने स्पष्ट शब्दों में कहा, '1999 में जनता की न्यायसंगत मांगों की कोई कदर नहीं की गई, पूर्व विधायक अनवारुल हक और वर्तमान विधायक अब्दुल अजिज द्वारा। बदरपुर आज विकास की राह में पीछे रह गया है। वर्तमान विधायक अब्दुल अजिज के कारण हमने बदरपुर संवद्ध क्षेत्र को खो दिया है, जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। उन्होंने असम सरकार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से अपील की 1999 के ऐतिहासिक मतदान बहिष्कार की तीन न्यायसंगत मांगों को जल्दी से लागू करने के उपाय करें।' 26 साल बाद भी बदरपुर में 1999 के वोट बहिष्कार की अधूरी तीन मांगों का गुस्सा आज भी जागृत है, उत्साही संगठन और क्षेत्रवासी अपना गुस्सा दिखाकर पत्रकार सम्मेलन में अपनी राय व्यक्त की और सरकार का ध्यान इसे लागू करने की ओर आकर्षित किया।

हसनयन हत्या कांड में नामजद आरोपी सईद बाबा की गिरफ्तारी अभी तक क्यों नहीं

●पुलिस सवालों के घेरे में ?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र के कनौजा खुर्द गांव में 14 वर्षी हसनैन की अपहरण करने के बाद हत्या कर दी गई थी। उसकी लाश गुलचपा गांव के पास एक नहर के किनारे फेंक दी गईथी?। इस घटना से पूरे गांव में गम का माहौल व्याप्त हो गया था।और पुलिस की लापरवाही के प्रति आक्रोश दिखाई पड़ा था। लोगों का कहना है कि हसनैन की मां द्वारा इफको चौकी की पुलिस को मंगलवार को सूचना सुबह देने के बाद भी अगर तुरंत कार्रवाई के कर दी गई होती तो शायद हसनैन की हत्या होने से बच जाता। घटना के बारे में बताते चलें कि सोमवार को गांव के विद्यालय के पास हसनैन लड़कों के साथ घूम रहा था की सायं काल संदलपुर निवासी शहीद बाबा के लड़के मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे और उसे लेकर चले गए। शाहिद हसनैन की मां के मामा लगते हैं जिससे वह लड़का उनको जानता पहचानता था और उनके कहने पर वह उनकी मोटरसाइकिल पर बैठकर चला गया उस मासूम को यह नहीं मालूम था कि यह लोग हत्या के इरादे से उसे लेकर जा रहे हैं। उसकी मां जब काफी देर के बाद उसका लड़का घर नहीं लौटा तो उसने पता लगाया और मालूम हुआ कि उसके मामा के लड़के हसनैन को लेकर के गए हैं।हसनैन की मां को तुरंत संदेह हो गया कि उसके लड़के की जान खतरे में है और वह रात भर रोती रही रह गई और शहीद बाबा के ऊपर आरोप लगाती रही ।कि उन्होंने हमारे बच्चे की अपहरण करके उसके साथ कुछ अनहोनी कर डालेंगे। सुबह मंगलवार को उसने अपने भाई के साथ इफको चौकी पुलिस पर गई और यह सूचना दी ।और शहीद बाबा को आरोपित करते हुए यह बताया कि उन्होंने अपहरण अपने लड़कों से कराया है। लेकिन चौकी के प्रभारी ने उसको उल्टी सीधी फटकार लगाते हुए अपने अधिकारियों और प्रभारी निरीक्षक तक को गुमराह किया।

उसकी मां के बताने के बावजूद भी कि मेरे मायके वालों से मेरे मामा की दुश्मनी है इसलिए मुझे अनहोनी की आशंका है। पुलिस सक्रियता नहीं दिखाई इसी बीच किसी समाचार चैनल वाले ने प्रभारी निरीक्षक को टेलीफोन से सूचना भी दी थी कि आपके क्षेत्र में किसी लड़के का अपहरण हो गया है तो प्रभारी निरीक्षक भी यही जवाब दिया कि उसका रिश्तेदार ही उसको बैठा कर ले गया है इसलिए अपहरण कहां से हो गया। यह भी गंभीरता को नहीं समझ पाए लेकिन जब प्रभारी निरीक्षक को फिर किसी ने फोन करके यह बताया की सूचना देने वाले को मोबाइल चौकीईंचार्ज ने छीन कर तोड़ दिया तो प्रभारी निरीक्षक ने तुरंत चौकी इंचार्ज को इस बात पर नाराजगी जताते हुए तुरंत छानबीन करने का निर्देश दिया। ।लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। और जाट पड़ताल करते हुए यादव चौराहे के सीसी कमरे में उसे ले जाते हुए फोटो कैद हो गई थी तो उसकी मां को बुलाकर पहचान कराई गई इसके बावजूद चौकी इंचार्ज सहमत नहीं थे। लेकिन उन्होंने कहा की जांच पड़ताल चल

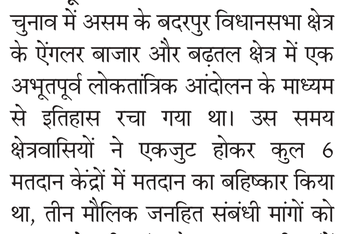

रही है प्रयास किया जा रहा है लेकिन रात भर बीतने के बावजूद अभियुक्त के घर तक नहीं गए न ही आरोपी से पूछ ताछ किए सवाल यह शहीद बाबा को नामजद करने के बावजूद उनके घर वालों से कड़ाई से पूछताछ क्यों नहीं की गई। थी। लोगों का कहना है कि अगर उसी रात पुलिस सक्रिय हो गई होती तो बालक की हत्या शायद न हो पाती। उसे रात में ही मार करके हत्या करके गांव से करीब 5 किलोमीटर दूर गांव के पास एक नहर के किनारे फेंक दिया गया था ग्रामीणों में इस बात पर भी आक्रोश है कि पुलिस को यह घटना की जानकारी होने के बावजूद जब लाश बरामद हुई तो उसके घर वालों से बिना बुलाए और पहचान कराए सीधे पोस्टमार्टम में लाश को भेज दिया गया। पोस्टमार्टम हाउस में उसके परिवार वाले वहां जाकर के पहचान कर पाए ।आखिर पुलिस इसको क्यों छुपाना चाहती थी क्या लापरवाही पर पर्दा डालना चाहती थी या नामजद बाबा के रसूक को देखकर के उस पर हाथ नहीं डालना चाहती थी। और अंत में उस बालक की हत्या हो गई इस संबंध में सहायक पुलिस अधीक्षक से दो बार बातचीत करने की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया और उन्होंने एक व्हाइट जारी करके इस घटना को तोड़ मरोड़ करके पेश किया। लोगों का कहना है कि गुमशुदा होने सूचना पर भी सुबह उसकी लाश मिली तो पता कराया गया कि हसनैन है। कनौजा खुर्द गांव के लोगों का और आसपास के लोगों का स्पष्ट मानना है की पुलिस की लापरवाही के कारण से मासूम की हत्या हो गई थी। घटना के बाद खैर प्रभारी निरीक्षक ने दो दिन के अंदर चार नामजद लोगों को पकड़ा लेकिन शहीद बाबा कोपुलिस ने आज तक क्यों नहीं पकड़ पाई यह रहस्य के घेरे में है। और पुलिस पर सवाल उठ रहे है। बताया जाता है कि सईद बाबा मजार पर गांव में झाड़ फूक का काम करता है और रसूख दार लोगो तक उसकी पहुंच है जिससे कही न कही दबाव में है। लेकिन आम लोगों में चर्चा है कि सईद बाबा ने पुलिस को मैनेज कर लिया है।इसलिए उसकी गिरफ्तारी नहीं हो रही है। सवाल यह उठता है कि क्या सईद बाबा के बगैर जानकारी में उनके लड़कों ने हत्या जैसी वारदात कर सकते है?दूसरी बात यह है कि सईद बाबा कार्य प्रणाली के बारे में आश पास के लोगों के विचार अच्छे नहीं है। झाड़ फूक की आड़ में वहां क्या होता है इसकी गहराई से जांच हो जाय तो अनेक रहस्य खुल सकता है।लेकिन सईद बाबा नाम जद होने के बाद गिरफ्तार पुलिस क्यों नहीं कर पा रही है यह प्रश्न पुलिस पर अनेक सवाल खड़े कर रही है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि गिरफ्तारी के लिए, पुलिस प्रयास रत है वह घर छोड़कर भाग रहा। है उनके विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया जारी है। नहीं मिलेगा तो कुर्की आदि के कारवाही होगी।

संक्षिप्त खबरें

केन्द्रीय समिति सदस्या उपासना मरांडी की पहल पर लकड़ापहाड़ी और श्यामसुन्दरपुर में लगा नया ट्रांसफार्मर

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्डः- पाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत पंचायत राजपोखर के ग्राम लकड़ापहाड़ी में 100 केवीए तथा श्यामसुन्दरपुर ग्राम में 63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इन ट्रांसफार्मरों की स्थापना की पहल केंद्रीय समिति सदस्या उपासना मरांडी द्वारा की गई। लंबे समय से खराब ट्रांसफार्मर के कारण ग्रामीण अंधेरे में जीवन-यापन करने को विवश थे। बिजली के अभाव में ग्रामीणों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। अपनी परेशानियाँ ग्रामीणों ने उपासना मरांडी के समक्ष रखीं। इस पर उन्होंने तत्परता दिखाते हुए बिजली विभाग से संपर्क कर दोनों गांवों में नए ट्रांसफार्मर लगवाए। नए ट्रांसफार्मर लगने से दोनों गांवों में रोशनी लौट आई। ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी और संतोष झलक उठा। सभी ने उपासना मरांडी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे हमेशा जनता की समस्याओं के समाधान के लिए आगे रहती हैं। उनके प्रयासों से महेशपुर विधानसभा क्षेत्र में जनहित के कार्यों में निरंतर वृद्धि हो रही है और यह क्षेत्र विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है।

सड़क सुरक्षा को मिलेगी नई मजबूती -डीबीएल कोल कंपनी ने सीएसआर मद से जिला प्रशासन को सौंपे 50 आधुनिक ट्रैफिक बैरियर

पाकुड़, झारखंडः- पाकुड़ जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से डीबीएल कोल कंपनी द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) मद के अंतर्गत कुल 50 आधुनिक ट्रैफिक बैरियर जिला प्रशासन, पाकुड़ को प्रदान किए । यह पहल जिले में सुचारू एवं सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। उपायुक्त मनीष कुमार ने डीबीएल कंपनी के इस सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इन ट्रैफिक बैरियर्स की सहायता से शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात नियंत्रण को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा। यह संसाधन पुलिस प्रशासन के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाएगा तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में भी सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह सहयोग जिला प्रशासन और निजी संस्थाओं के बीच सार्वजनिक हित में समन्वित प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है। सभी ट्रैफिक बैरियर्स को प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं संवेदनशील स्थलों पर स्थापित किया जाएगा ताकि यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित बनाया जा सके।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, विशेष कार्य पदाधिकारी, डीबीएल कोल कंपनी के प्रतिनिधि समेत अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

शोहरतगढ़ में नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

सिद्धार्थनगर। बीआरसी शोहरतगढ़ के परिसर में शनिवार को नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। डा. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल दिल्ली टीम द्वारा नेत्र जांच शिविर में चिकित्सको ने 45 बच्चों का जांच किया। जिसमें 7 बच्चों के आँख का ऑपरेशन करने लिए रेफर किया गया। 28 बच्चों को चश्मा लगाने के लिए चिन्हित किया गया। शेष 10 बच्चों स्वस्थ्य पाएंगे गए। डा. जमुना प्रसाद गौतम ने कहा कि दृष्टिबाधित अथवा अल्प दृष्टि वाले बच्चों की जांच के लिए डा. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल दिल्ली के तहत बीआरसी पर नेत्र परिक्षण के लिए शिविर लगाई जा रही है। इन बच्चों को आखो की रोशनी के लिए चैरिटी आई हॉस्पिटल कटिबद्ध है। जांच किए गए बच्चों का ऑपरेशन से लेकर उनके सारी सुविधा निःशुल्क किया जाएगा।

इस दौरान जांच टीम के विद्या प्रकाश, संजीव कुमार, रानु प्रिया, पूजा भगत, सोनिया गुप्ता और जितेंद्र कुमार, रामभरत, अभिषेक, राघवेंद्र मिश्र, खुर्शीद आलम, इंद्रजीत, बाबूलाल ,मुस्तन शेरुल्लाह आदि लोग रहे।

पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा बैठक में दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

●कालाजार, टीबी, तंबाकू नियंत्रण और कुष्ठ निवारण पर दिया जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंडः- पाकुड़ समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में चल रहे विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों–कालाजार, यक्ष्मा (टीबी) नियंत्रण, तंबाकू नियंत्रण, कुष्ठ निवारण एवं मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि जिले में वर्तमान में 84 पीकेडीएल मरीजों का उपचार जारी है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी मरीजों से प्रतिदिन संपर्क कर उन्हें नियमित रूप से दवा सेवन के लिए प्रेरित किया जाए। इसके लिए एक कंप्यूटर ऑपरेटर को नामित कर कॉलिंग की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही बी.वी.डी. से संबंधित सभी आंकड़ों की एंट्री जिला एवं प्रखंड स्तर पर समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (W H O) की टीम आगामी 7 नवंबर 2025 को पाकुड़ जिले का दौरा करेगी, इसलिए सभी स्वास्थ्य केंद्र अपनी तैयारियाँ पूर्ण रखें।

तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रखंडों और जिला मुख्यालय में तंबाकू विक्रेताओं पर छापामारी अभियान चलाया जाए। साथ ही युवाओं और बच्चों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों से जागरूक करने के लिए विशेष कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँ। टीबी नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी कम से कम 51 टीबी मरीजों को गोद लें, जबकि सिविल सर्जन कार्यालय और उपाधीक्षक कार्यालय भी 51-51 मरीजों को गोद लेने की जिम्मेदारी निभाएँ।

कुष्ठ निवारण कार्यक्रम के तहत उपायुक्त ने बताया कि 10 से 25 नवंबर 2025 तक एलसीडीसी अभियान चलाया जाएगा, जिसका थीम 'आगे आएँ और दाग बताएँ' रखा गया है। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को सघन अभियान चलाकर नए मरीजों की पहचान और समुचित इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी स्वास्थ्य संस्थानों को नियमित समय पर खोलने, स्वच्छता बनाए रखने तथा उपकरणों को कार्यशील रखने का निर्देश दिया। साथ ही रिंची ट्रस्ट अस्पताल, लिट्टीपाड़ा में संस्थागत प्रसव प्रारंभ करने को कहा और जिला आरसीएच पदाधिकारी को निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं को आवश्यक जांच सुविधाएँ उपलब्ध कराने और नियमित टीकाकरण की उपलब्धि बढ़ाने के निर्देश दिए। अंत में उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुँचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे समर्पण और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

थाने के पास बड़ा हादसा टलाः पीसीआर वैन की टक्कर से स्कूली छात्र घायल, पुलिस ने दिखाई तत्परता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखंडः- चंदवा थाना परिसर के पास शनिवार की सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब थाना की ही पीसीआर वैन ने एक स्कूली बच्चे को टक्कर मार दी। हादसे में छात्र संजीत कुमार, पिता संजय उरांव, ग्राम टुड़हामू, गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, थाना का पीसीआर वाहन, जिसे तुरी नामक ड्राइवर चला रहा था, इंदिरा गांधी चौक की ओर से थाना की दिशा में तेज रफ्तार में आ रहा था। इसी दौरान थाना के दक्षिण-पश्चिमी बाउंड्रीवाल के सामने वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क पार कर रहे बालक को टक्कर मारते हुए दीवार से जा भिड़ा। टक्कर के बाद वाहन में सवार पुलिसकर्मी आनन-फानन में उतरकर थाना परिसर की ओर भागे। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दुर्घटनाग्रस्त वाहन को मौके से हटाया और घायल छात्र व चालक दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चंदवा पहुंचाया। डॉ. नीलिमा ने दोनों का उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत खतरे से बाहर है। संजीत कुमार को प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल में भर्ती रखा गया है, जबकि वाहन चालक को छोड़ दिया गया। इस घटना पर चंदवा थानाध्यक्ष रंधीर कुमार ने बताया कि चालक को मिर्गी का दौरा पड़ता है और इसी कारण वाहन पर नियंत्रण खो गया। इससे पहले भी उसे ऐसी समस्या के चलते हादसा हो चुका है। थोड़ी देर के लिए मची अफरा-तफरी के बावजूद, पुलिस की त्वरित कार्रवाई और घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने से बड़ा हादसा टल गया।

दोस्त बनकर फोन की गोपनीय जानकारी हासिल कर दिया धोखा

●रुपये ट्रांजेक्शन कर 32 हजार रुपये हड़पने का आरोप

न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। दोस्त बनकर पहले विश्वास जीता और फिर मोबाइल फोन की गोपनीय जानकारी हासिल कर धोखाधड़ी से कथित तौर पर रुपयों का ट्रांजेक्शन कर साइबर अपराध को अंजाम दे दिया गया। मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस व आलाधिकारियों से की गयी, लेकिन कार्यवाही नहीं हुयी। क्षुब्ध पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली है, अब न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। शहर क्षेत्रांतर्गत मोहल्ला चौबयाना निवासी सत्यम शंकर कुशवाहा पुत्र ओमप्रकाश ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दावा प्रस्तुत किया है। सत्यम शंकर ने न्यायालय को अवगत कराया कि मोहल्ले में पीली कोठी के पास रहने वाला आकाश कंचन (कुशवाहा) पुत्र अनिल कंचन उसका मित्र है और प्रतिदिन मिलना-जुलना था। बताया कि विश्वास में लेकर आकाश कंचन ने उसके मोबाइल फोन के पासवर्ड, यूपीआई आई.डी., पिन आदि गोपनीय जानकारी ज्ञात कर ली। आगे बताया कि 19 मई से 11 जून के मध्य आकाश कंचन ने उसके मोबाइल फोन का दुरुपयोग कर, बिना अनुमति के लगभग 32 हजार रुपये की राशि यूपीआई के माध्यम से अन्य खातों में स्थानांतरित कर दी। 16 जून को उसे जब जानकारी हुई, जब उसने स्वयं ट्रांजेक्शन करने का प्रयास किया, परन्तु खाते में कोई राशि नहीं थी। पूछताछ करने पर आकाश कंचन ने ट्रांजेक्शन करने से इंकार कर दिया। अगले दिन 17 जून को सुबह 8 बजे वह अपने पिता ओमप्रकाश व भाई उमाशंकर कुशवाहा के साथ आकाश के घर पहुंचा और उसके परिजनों को इस धोखाधड़ी के बारे में बताया तो आकाश व उसके परिजनों ने गालियां दीं। आरोप है कि उक्त लोगों ने धमकाया कि जहां शिकायत करनी है कर दो, उन पर सत्ता पक्ष के नेताओं का हाथ है। इसलिए कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा। अधिक नेतागिरी दिखाओगे तो झूठे मुकदमे में फंसा दूंगा। मामले की शिकायत उसी दिन 17 जून को एसपी के समक्ष की गयी और रजिस्टर्ड डाक से प्रार्थना पत्र भेजा गया, लेकिन कार्यवाही नहीं हुयी। कार्यवाही न होने से आकाश कंचन व उसके परिजन आये दिन धमकाते हुये झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। आरोप है कि उक्त लोग कई लोगों से इस प्रकार का धोखा कर सकते हैं। न्यायालय ने मामला गंभीरता से संज्ञान लेकर कोतवाली पुलिस को मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही के निर्देश दिये। निर्देश मिलने पर कोतवाली पुलिस ने आकाश कुशवाहा (कंचन) के खिलाफ बीएनएस की धारा 316, 318, 351 (2) व आई.टी. एक्ट की धारा 66 सी व 66 डी के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

दूसरी महिला के चक्कर में पत्नी को घर से निकाला

●बार-बार समझाने पर महिला व उसके परिजनों को धमकाया

कोतवाली पुलिस ने महिला की तहरीर पर दर्ज की एफआईआर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। शहर क्षेत्र के मोहल्ला तालाबपुरा स्थित सुधासागर इंटर कॉलेज के पास रहने वाली स्वाति पुत्री गंगाराम सेन ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि पांच साल पहले उसकी शादी तालाबपुरा बालाजी मंदिर में मौसम पुत्र गंगाराम के साथ हुयी थी। शादी के बाद पति मौसम, ससुर गंगाराम सेन, सास किरन, देवर आकाश, देवरानी चंचल सोनी व ननद वर्षा उसे परेशान करते आ रहे हैं। स्वाति का आरोप है कि उसके पति मौसम के मोहल्ला चौबयाना निवासी दीपिका झां पत्नी विक्रांत के साथ सम्बन्ध हैं, जिसका उलाहना देने पर पति ने उसे धमकाया। मामले की जानकारी मिलने पर जब उसके माता-पिता ने ससुराल आकर उसके पति को समझाया तो पति ने उनके साथ गालियां देते हुए अभद्रता की और मंत्री के यहां काम करने की धमकी देते हुए झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। महिला ने बताया कि शादी के बाद उसे एक पुत्र हुआ, जिसे लेकर वह मायके आकर रहने लगी। यहां रहते हुए उसने नेमवि में प्रवेश लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन की तैयारी करने लगी, पढ़ाई के दौरान उसका नाम बीटीसी में आ गया। अब उसका पति उसे कोई सुविधा, खर्चा इत्यादि नहीं दे रहा है। करीब 2 माह से वह मायके में निवासरत है। बताया कि करवा चौथ की रात करीब 1 बजे मौसम अपने भाई आकाश के साथ घर ग्राम बिल्ला स्थित घर आकर अभद्रता की। इसके बाद पंचायत करने की बात कहने पर उक्त लोग जाने लगे, इसकी शिकायत थाना बानपुर में करने की बात कही तो उक्त लोगों ने उसके पुत्र को ले जाने का प्रयास किया। इसी बीच डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति ने धमकाया है कि उसकी पहुंच लखनऊ तक है, वह उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। इसके बाद एक पंचायत तुवन मंदिर पर हुयी, जिसमें उक्त लोगों ने धमकाया। स्वाति की तहरीर पर पुलिस ने ससुरालियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 85, 352, 115 (2), 351 (3) व दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

रास्ते में रोककर एकराय होकर हमला करने का आरोप

●पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। मध्य प्रदेश के जिला रीवा अंतर्गत थाना सेमरिया के ग्राम झगरहा निवासी प्रतीक कुमार मिश्रा पुत्र सीताराम मिश्रा ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि बीती 30 अक्टूबर को रात करीब 9 बजे वह अपने साथी मध्य प्रदेश के जिला दतिया अंतर्गत थाना बड़ौनी के ग्राम बड़ौनी खुर्द निवासी संदीप राजा पुत्र मुलायम सिंह परमार व ललितपुर के मोहल्ला तालाबपुरा निवासी सजन पुत्र मनोज कुमार के साथ ग्राम खिरकन बांसी से वापस इलाइट चौराहा के पास चरक अल्ट्रासाउंड वाली गली में शिवम हाउस की ओर आ रहे थे। रास्ते में अमर पैलेस के पास योगी रजक, उत्कर्ष साहू अपने कुछ अज्ञात साथियों के साथ मिले, जिन्होंने उन्हें देखकर गालियां दीं। मना करने पर उक्त लोगों ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। हमले के दौरान संदीप राजा को गंभीर चोटें आयीं हैं। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 115 (2) व 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

जमीरा रक्सी गांव की दर्दनाक घटना पर झामुमो का शोक, पीड़ित परिवार को दी आर्थिक मदद और संवेदना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, लातेहार, झारखंडः- जमीरा रक्सी गांव में तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चों की हुई दर्दनाक मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। इस दुखद घटना पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना जताई है। जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव के निर्देशानुसार झामुमो का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को पीड़ित परिवार से मिलने जमीरा रक्सी गांव पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और पार्टी की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। पार्टी की ओर से पीड़ित परिवार को खाद्य सामग्री, आवश्यक वस्तुएं और आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मौके पर झामुमो जिला उपाध्यक्ष सितमोहन मुंडा, प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला उपाध्यक्ष नौशाद अंसारी, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अंकित तिवारी, राशिद खान, संजय यादव, ब्रह्मदेव प्रजापति, छोटू उर्फ असगर, और शंकर प्रजापति मौजूद रहे।

वहीं, प्रशासनिक स्तर पर भी मदद का हाथ बढ़ाया गया। अंचल अधिकारी के निर्देश पर राजस्व कर्मचारी प्रतिमा इक्का मौके पर पहुंचीं और पीड़ित परिवार को तत्काल सरकारी आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने बताया कि मुआवजा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है तथा परिवार को जल्द ही सभी सरकारी लाभ सुनिश्चित किए जाएंगे। इस मौके पर झामुमो नेताओं ने कहा कि पार्टी सदैव जनहित और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित है। इस कठिन घड़ी में झारखंड मुक्ति मोर्चा पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है और हर संभव सरकारी एवं सामाजिक सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। गांव के लोगों ने झामुमो प्रतिनिधियों की इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे संवेदनशील कदम समाज में मानवता और एकजुटता की मिसाल पेश करते हैं।

खदान विवाद में फायरिंग और मारपीट के दो आरोपी गिरफ्तार

●SIT की कार्रवाई, अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंड- हिरणपुर थाना क्षेत्र के बेलपहाड़ी स्थित खदान विवाद में हुई फायरिंग और मारपीट की घटना के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पाकुड़ द्वारा गठित विशेष जांच दल (SIT) ने की। पाकुड़ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) दयानंद आजाद ने शनिवार को अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता कर मामले की पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीते 26 अक्टूबर को बेलपहाड़ी में अजहर इस्लाम के खदान संचालन को लेकर विवाद के दौरान कुछ लोगों ने लाठी, डंडा और पिस्तौल से लैस होकर धोवाडांगाल निवासी मनोहर यादव सहित स्थानीय ग्रामीणों पर हमला किया था। इस दौरान फायरिंग भी की गई थी, जिसमें कई लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद हिरणपुर थाना में कांड संख्या 105/25 दर्ज की गई थी। मामले में भारतीय दंड संहिता (BNS) की कई धाराओं के साथ-साथ 27 आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गईं।

एसडीपीओ आजाद ने बताया कि SIT टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस कांड में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उनसारूल शेख उर्फ अरुण (22 वर्ष), पिता अब्दुल कादिर, और दिलवर हुसैन (26 वर्ष), पिता जेकेर अली, दोनों निवासी चाचकी, थाना पाकुड़ (मुफस्सिल) के रूप में की गई है। छापामारी दल का नेतृत्व हिरणपुर थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने किया। टीम में पुअनि गोपाल कुमार महतो, गौरी शंकर प्रसाद, गौतम कुमार, संजीव कुमार झा (तकनीकी शाखा), सअनि दिलीप कुमार, किशोर कुमार टुडू, सनातन मांझी, सुरेश उरांव सहित हिरणपुर थाना के रिजर्व गार्ड शामिल थे। एसडीपीओ दयानंद आजाद ने बताया कि इस प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और कानून के दायरे में लाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए करें आत्ममंथन : डीएम

● दुर्घटनाओं को रोकने में स्वयं की जागरूकता भी आवश्यक : एसपी

यातायात माह नवम्बर का हुआ विधिवत शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। शनिवार को घण्टाघर सीओ कार्यालय परिसर में यातायात माह नवम्बर 2025 का विधिवत शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी सत्य प्रकाश, पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक समेत अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्जवलन किया। तदोपरान्त आयोजित एक संगोष्ठी में आमंत्रित अतिथियों ने अपने-अपने विचारों को रखते हुए यातायात व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाये जाने की दिशा में और बेहतर कार्य किये जाने की आवश्यकता पर बल दिया। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए केवल पुलिस या अधिकारियों पर ही आश्रित न होकर पहले लोग स्वयं आत्ममंथन करें। उन्होंने कहा कि किसी भी अच्छे कार्य की शुरुआत पहले खुद से की जाती है, इसलिए यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए पहले लोग स्वयं को बदलें और दूसरों को भी जागरूक करें। डीएम ने कहा कि दोषार्पण करना बहुत सरल कार्य है, लेकिन लोग स्वयं भी अपनी जिम्मेवारी समझें और कार्य करें तो सरकारी अधिकारियों व पुलिस को भी मदद मिल सकेगी। डीएम ने स्पष्ट किया कि दुकानदारों व फुटपाथ पर व्यापार करने वाले लोगों से भी वार्ता की जाएगी, इसके बाद जो सरलतम उपाय होगा, उसे अमल में लाया जायेगा। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने कहा कि यातायात नियमों का पालन हम सभी को कर्तव्यनिष्ठा के साथ करना चाहिए। कहा कि आम तौर पर देखने में आ रहा है कि बाइक से बाइक की भिड़ंत हो रही है, जिसमें कई लोग घायल हो रहे हैं। इससे यह तो स्पष्ट है कि लोग तेज गति से वाहनों को चलाने में रुचि ले रहे हैं, लेकिन किसी भी कार्य को जाते हुये समय निकालकर जायें, जिससे दुर्घटना न हो। एसपी ने कहा कि ललितपुर में स्मार्ट सिटी की सुविधाएं देने के लिए करीब 14 चौराहों पर सीसीटीवी कैमरों उनकी देखभाल के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। वहीं काली फिल्म लगाकर चार पहिया वाहन चलाने वालों पर भी कार्यवाही की जा रही है। कहा कि काली फिल्म को परिवार का स्टेटस सिम्बल न बनायें, कार पर काली फिल्म लगाना, यह गैर कानूनी है। एसपी ने कहा कि स्टंटबाजी के खिलाफ अभियान चलाते हुए अब ऐसे वाहन चालकों पर एफआईआर भी दर्ज करायी जा रही है और स्टंट करने वालों को जेल भी भेजा जा रहा है। एसपी ने स्पष्ट किया कि नाबालिग बच्चों को किसी भी दशा में वाहन न दें, अन्यथा अभिभावक भी सख्त कार्यवाही के लिए तैयार रहें, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जायेगी। हेलमेट की आवश्यकता पर बल देते हुए एसपी ने कहा कि दुर्घटना होने पर व्यक्ति की हेलमेट लगाने से प्राण अवश्य बच जायेंगे। वहीं उन्होंने कहा कि ट्रैफिक सिग्नल लाइट को लेकर कार्य किया जायेगा। इसके अलावा एसपी ने शहर में फैले अतिक्रमण को लेकर भी शीघ्र ही स्थाई समाधान निकाले जाने की बात कही। इसके पहले सराफा व्यापारी मनमोहन जड़िया, पत्रकार अजय बरया, सौरभ गोस्वामी, अजय साइकिल, संजय ताम्रकार, मनीष अग्रवाल ने भी संबोधित किया। इस दौरान एएसपी कालू सिंह, सीओ यातायात राजेश कुमार श्रीवास्तव, मुख्य अग्निशमन अधिकारी तबारक हुसैन, ईओ नगर पालिका दिनेश कुमार विश्वकर्मा, प्रतिसार निरीक्षक जगदीशचंद्र, प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी, यातायात प्रभारी आलोक कुमार तिवारी, टीएसआई अब्दुल नफीस, पीटीओ लिली चौधरी, ओएसडी अनिल कुमार दीक्षित, डीआईओ के अलावा अनेकों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अनिल कुमार रावत ने किया। अंत में सभी आगंतुकों का आभार यातायात प्रभारी आलोक कुमार तिवारी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम उपरान्त डीएम-एसपी ने जागरूकता रैली को भी रवाना किया गया। इस दौरान अधिकारियों व पुलिस कर्मियों को सम्मानित भी किया गया। वहीं सेल्फी प्वाइंट का डीएम-एसपी ने शुभारंभ कर फोटो क्लिक करायी। एसपी ने तीन नये कानूनों की जानकारी दी

यातायात माह नवम्बर के शुभारंभ अवसर पर पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने केन्द्र सरकार द्वारा प्रभावी किये गये तीन नये कानूनों की जानकारी भी लोगों को दी। एसपी ने बताया कि तीन नये कानूनों की जानकारी देने के लिए स्कूलों, कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इन कानून में परिस्थिति के अनुसार कार्यवाहियां सुनिश्चित हैं। एसपी ने जीरो एफआईआर और ई-एफआईआर के प्रयोग पर भी बल देते हुए इसे नवीनतम कार्य बताया। संगठित अपराध के लिए धारा 111 व 112 का जिक्र करते हुए एसपी ने कहा कि ऐसे कानून से अपराधियों को अधिकतम सजा का प्रावधान है। वहीं महिलाओं पर अपराध की सजा बढ़ाये जाने और कठोर होने की जानकारी दी। इसके अलावा फोरेंसिक वाहनसे तकनीकी जांच घटनास्थल पर ही होना भी जांच में लाभप्रद बताया। उन्होंने आह्वान किया कि जीरो एफआईआर व ई-एफआईआर का उपयोग करें।

बच्चे का नाम कम्प्यूटर सूची में चढ़ाने के नाम पर मांगी घूस

●रुपये न देने पर जातिसूचक शब्दों से किया अपमानित, मारपीट

धमकाने वाले के.वी. विद्या मंदिर के प्रबंधक, प्रिंसिपल समेत तीन पर एफआईआर दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। विद्यालय के हाजिरी रजिस्टर में अंकित नाम को कम्प्यूटरीकृत किये जाने की बात को लेकर विवाद का प्रकरण प्रकाश में आया है। विवाद के दौरान विद्यालय प्रबंधक, प्रधानाचार्य व एक अन्य व्यक्ति पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करने और दबंगई दिखाते हुए मारपीट कर धमकाने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर पीड़ित पक्ष की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। ग्राम चढरऊ व हाल शान्तिनगर निवासी

दरयाव सिंह पुत्र पहलवान सिंह ने पुलिस को दिये शिकायती पत्र में बताया कि उसका पुत्र प्राइवेट विद्यालय के.वी. विद्या मंदिर बड़ी नहर के पास चौकाबाग की कक्षा 5 में अध्ययनरत है। बताया कि उसके पुत्र का नाम हाजिरी रजिस्टर में दर्ज है, जबकिकंप्यूटर में उसके पुत्र का नाम दर्ज नहीं किया गया है। इस सम्बन्ध में बीती 3 अक्टूबर को जब वह विद्यालय प्रबंधक राजेश साहू के पास पहुंचा तो वहां उसे विगत दो माह पूर्व से गुमराह किया जा रहा है। आरोप है कि कंप्यूटर सूची में बच्चे का नाम चढ़ाने के नाम पर उससे चार हजार रुपये की मांग की गयी। इस प्रकरण की रिकॉर्डिंग भी पीड़ित के पास सुरक्षित है। जब पीड़ित ने इस घटना का विरोध किया तो विद्यालय प्रबंधक राजेश साहू,

प्रिंसिपल शमीम बेगम व हरिशंकर साहू नाम के व्यक्ति ने उसके साथ गालियां

देते हुये कॉलर पकड़ कर मारपीट की। आरोप तो यह भी है कि जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उसे अपमानित भी किया गया, यह घटनाक्रम भी विद्यालय के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड है। पीड़ित ने बताया कि मामले की जानकारी बीएसए को दी गयी, लेकिन उन्होंने कोई कार्यवाही नहीं की। प्रबंधक को कार्यवाही का पता चला तो उन्होंने बच्चे का नाम कम्प्यूटर की सूची में अंकित करने से मना कर दिया, जिससे सरकारी स्कूल के सुविधा में बच्चे का प्रवेश वर्जित है। पीड़ित का आरोप है कि विद्यालय प्रबंधक काफी दबंग किस्म का व्यक्ति है और वह आये दिन उसे धमका रहा है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने विद्यालय प्रबंधक राजेश साहू, प्रिंसिपल समीम बेगम व हरिशंकर साहू के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 115 (2), 351 (3) एस.सी.एस.टी. एक्ट की धारा 3 (1)(द), 3 (1)(घ), 3 (2)(व्ही.ए.) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए समर्पित मिशन शक्ति अभियान – खोड़ारे पुलिस ने चलाया जनजागरूकता कार्यक्रम

मनकापुर, गोण्डा। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को लेकर शनिवार को थाना खोड़ारे पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक गोण्डा विनीत जायसवाल के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक मनोज रावत व क्षेत्राधिकारी मनकापुर डॉ. विनय कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में तथा थाना प्रभारी निरीक्षक प्रबोध कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान माता प्रसाद साहू किसान इंटर कॉलेज, कुकनगर में छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, एवं नए कानूनों – भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) व भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही हेल्पलाइन नंबर – 112, 1090, 1076, 108, 1930, 1098, 102 आदि की जानकारी देकर छात्राओं को सतर्क रहने की प्रेरणा दी गई।इस दौरान मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीम के सदस्य उपनिरीक्षक ज्ञानेंद्र शुक्ल, मुख्य आरक्षी ऋषि कुमार, कांस्टेबल गौरव मिश्रा, महिला आरक्षी शिखा चौधरी व वंदना अग्निहोत्री उपस्थित रहीं।

राष्ट्रीय एकता के रूप में मनाई गई सरदार पटेल की जयंती

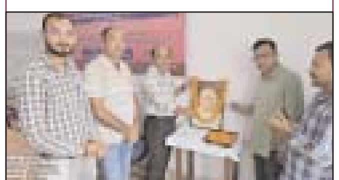

मिर्जापुर। महाविद्यालय में आई॰क्यू॰ए॰सी॰ द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में बड़े उल्लास के साथ मनाया गया।उक्त दिवस पर महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, इत्यादि विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन सम्पन्न हुआ जिसमे महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो॰ सूबेदार यादव ने अपने सम्बोधन में छात्र-छात्राओं को सरदार पटेल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से सीख लेने के लिए प्रेरित किया । साथ ही उन्होंने पटेल जी के भारतीय राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता में योगदान पर प्रकाश डाला।समाजशास्त्र के प्राध्यापक डॉ॰ जितेन्द्र कुमार सिंह ने सरदार पटेल के जीवन एवं स्वतंत्रता के पश्चात भारत के एकीकरण में उनके योगदान पर पर विस्तार से व्याख्यान दिया।इस दौरान सम्पन्न भाषण प्रतियोगिता में अर्पिता तिवारी बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर ने प्रथम,खुशी पाल बी0एससी0 प्रथम सेमेस्टर ने द्वितीय एवं बेबी यादव बी0एससी0 प्रथम सेमेस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान डॉ अनुपम वर्मा, डॉ शैलेन्द्र कुमार, डॉ जितेन्द्र कुमार मौर्य,श्रीमती अनीता देवी, सुनील कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा उपस्थिति थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ राजेन्द्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ मनोज प्रजापति ने किया।

जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग की लिखित परीक्षा को सम्पन्न कराये जाने के लिए परीक्षा केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

प्रयागराज – जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने शनिवार को उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग द्वारा कम्प्यूटर आपरेटर ग्रेड-ए, पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय), पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) एवं पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के पदों पर भर्ती हेतु आयोजित लिखित परीक्षा को सकुशलढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत परीक्षा के प्रथम दिन जनपद के विभिन्न केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश देते रहे । जिलाधिकारी ने ईश्वर शरण इण्टर कालेज, कर्नलगंज इण्टर कालेज, आर्यकन्या इण्टर कालेज सहित अन्य परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होने परीक्षा केन्द्रों में लिखित परीक्षा की मानीटरिंग हेतु बनाये गये कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए वहां पर सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता व इसके माध्यम से हो रही मानीटरिंग का परीक्षण किया। जिलाधिकारी ने प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर नियुक्त स्टैटिक मजिस्ट्रेट, प्रधानाचार्य व अन्य सम्बंधित से परीक्षा केन्द्र पर कुल कितने अभ्यर्थियों का नामांकन है तथा उसके सापेक्ष कितने अभ्यर्थी आज की परीक्षा में सम्मिलित हुए है तथा सम्बंधित केन्द्र में परीक्षा कितने कक्षों में आयोजित हो रही है एवं उनके बैठने के सीटिंग अरेजमेंट व अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी के द्वारा केन्द्र के प्रत्येक परीक्षा कक्ष का निरीक्षण किया गया।

श्री राम सेवा समिति का 11वां साप्ताहिक खिचड़ी भंडारा संपन्न, सेवा कार्य जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा/सोनभद्र। ओबरा क्षेत्र में सामाजिक समरसता और निस्वार्थ मानव सेवा का पर्याय बन चुकी श्री राम सेवा समिति ने एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है। समिति द्वारा प्रत्येक शनिवार को आयोजित साप्ताहिक खिचड़ी भंडारा ने 1 नवंबर शनिवार को अपना 11वां सफल सप्ताह पूरा कर लिया है। समिति का यह कार्य सेवा समर्पण के निस्वार्थ भाव से किया जा रहा है। समिति के संस्थापक पत्रकार अजीत सिंह का दृढ़ विश्वास है कि यह भंडारा तब तक निरंतर चलता रहेगा जब तक उन्हें प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त होता रहेगा। यह पुनीत पहल समिति के अध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह के कुशल मार्गदर्शन और सभी समर्पित सदस्यों के सक्रिय सहयोग से की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य पर्वों की खुशियों में समाज के हर वर्ग को शामिल करना और आपसी भाईचारे की भावना को मजबूती प्रदान करना है। श्री राम सेवा समिति ओबरा में अपने साप्ताहिक खिचड़ी भंडारा के लिए पहले से ही व्यापक रूप से प्रशंसित है, जो नियमित रूप से प्रत्येक शनिवार को संचालित होता है। इस भंडारे की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण विशेषता इसका भेदभाव रहित स्वरूप है। न गरीब, न अमीर के सिद्धांत पर सभी लोग एक साथ बैठकर प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण करते हैं। यह क्रिया समाज को मानव सेवा और सामाजिक एकता का सशक्त संदेश देती है, जो आज के समय में अत्यंत आवश्यक है। समिति द्वारा पर्व त्योहारों पर विशेष प्रसाद जैसे खीर और हलवा भी वितरित किए जाते हैं।इस सेवा कार्य को सफल बनाने में समिति के समस्त पदाधिकारियों और सक्रिय सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान है। इन सभी के सामूहिक प्रयास से यह भंडारा नियमित रूप से संचालित हो रहा है संरक्षक सर्वे दुबे ,ओमप्रकाश सिंह, रणजीत तिवारी, राम आश्रय बिंद उपाध्यक्ष पुष्पा दुबे ,सचिव सरिता सिंह, कोषाध्यक्ष रीता कुमारी महामंत्री हेमलता जायसवाल सक्रिय कार्यकर्ता माया चौहान, विनय दुबे ,पत्रकार पवन सिंह ,संतोष साहनी, विनोद तिवारी, कुंम्धन चौधरी, हलवाई बाबूलाल आपको बताते चलें देव दीपावली पर होने वाला यह विशेष खिचड़ी वितरण कार्यक्रम (और छठ पर्व पर विशेष खीर वितरण कार्यक्रम) समिति के इसी सेवा संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा और पर्व के पावन अवसर पर लोगों को एक साथ आने का मौका देगा। यह पहल दर्शाती है कि समाज के सजग और समर्पित नागरिक किस प्रकार निस्वार्थ सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक और स्थायी बदलाव ला सकते हैं।

सोनभद्र में भारी वर्षा से फ़सलें तबाह तेजस्वी संगठन न्यास ने तत्काल मुआवज़े की मांग की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र- 1 नवम्बर 2025 सोनभद्र जनपद के किसानों पर प्राकृतिक आपदा का दोहरा मार पड़ा है। लगातार भारी वर्षा, ओलावृष्टि और तेज़ हवाओं के कारण खेतों में लगी प्रमुख फसलें 70 से 100 प्रतिशत तक नष्ट हो चुकी हैं। इस विकट स्थिति में किसानों को त्वरित राहत पहुँचाने के लिए, तेजस्वी संगठन न्यास के संस्थापक ई. प्रकाश पाण्डेय ने जिला अधिकारी सोनभद्र को एक पत्र लिखकर तत्काल फसल क्षति सर्वेक्षण और मुआवजा वितरण की मांग की है। न्यास द्वारा जारी पत्र संख्या TSN/AGRI/2025/02 दिनांक 01 नवम्बर 2025 में बताया गया है कि जिले के सभी विकासखंड करमा, घोरावल, राबर्ट्सगंज, चतरा, रामगढ़, चोपन, म्योरपुर, बभनी, दुद्धी, नगवां और गढ़वा में फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। प्रमुख नष्ट हुई फसलें, धान ,टमाटर,मिर्च,अरहर, दलहनी फसलें, इसके अलावा, कई प्रभावित ग्राम पंचायतों जैसे वेलाही, तिलौली कला, खरुआव, कमेटी, डोमखरी, बमौरी, बकौली, गुरेठ, खुटहनिया, चौरा, करकी, बरसोत, बेलथर, डाला, ओबरा, राबर्ट्सगंज ग्रामीण क्षेत्र आदि में किसानों की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। आपदा की गंभीरता यह है कि कई किसानों के घरों में दरारें पड़ी हैं और पशुचारा भी समाप्त हो गया है। ई. प्रकाश पाण्डेय ने किसानों को राहत पहुँचाने के लिए प्रशासन से निम्नलिखित चार बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। राजस्व और कृषि विभाग की एक संयुक्त टीम बनाकर तत्काल विस्तृत फसल क्षति सर्वे कराया जाए। प्रभावित किसानों को शीघ्रता से राहत सहायता व मुआवजा राशि वितरित की जाए।प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमा दावों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।बीमा से वंचित किसानों को विशेष राहत पैकेज के तहत सहायता प्रदान की जाए। किसानों की सहायता सुनिश्चित करने के लिए, ई. प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि यह पत्र जिला अधिकारी व जिला कृषि अधिकारी सोनभद्र को ईमेल, व्हाट्सऐप, टेलीफोनिक संपर्क और IGRS पोर्टल के माध्यम से भी भेजा गया है, ताकि इस पर त्वरित संज्ञान लिया जा सके। ई. प्रकाश पाण्डेय ने सरकार से मार्मिक अपील करते हुए कहा किसानों की फसल ही उनकी जीवनरेखा है। प्राकृतिक आपदा ने उन्हें बुरी तरह तोड़ दिया है। सरकार से अपेक्षा है कि प्रत्येक प्रभावित किसान को शीघ्र राहत दी जाए। संस्था का विवरण संपर्क जानकारी संस्था तेजस्वी संगठन न्यास संस्थापक ई. प्रकाश पाण्डेय पता वेलाही, तिलौली कला, करमा, घोरावल, सोनभद्र (उ.प्र.)वेबसाइट www.tejasvisangathan.in

मोबाइल +91 8127948307 क्या आप सोनभद्र प्रशासन द्वारा इस पत्र पर की गई कार्रवाई के बारे में कोई अपडेट जानना चाहेंगे?

छह लाख रुपये न मिलने पर पत्नी को करंट देकर मारने का प्रयास

●पिता की तहरीर पर पुत्री के ससुरालियों पर दर्ज हुई एफआईआर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। शहर क्षेत्र के मोहल्ला नेहरू नगर निवासी संतोष कुमार पुत्र स्व.गनेश अहिरवार ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपा है। पत्र में पीड़ित ने पुत्री के ससुरालियों पर अतिरिक्त दहेज में 6 लाख रुपये की मांग करने और रुपये न देने पर पुत्री को प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए विवश करने जैसे गंभीर आरोप लगाये है। मामले में एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने ससुरालियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। संतोष ने बताया कि चार वर्ष पहले उसने अपनी पुत्री अनुराधा की शादी म.प्र. के जिला टीकमगढ़ अंतर्गत थाना लिधौरा के गंज मोहल्ला बड़ा लिधौरा निवासी पुष्पेंद्र पुत्र पप्पू अहिरवार के साथ अपनी हैसियत अनुसार दान दहेज देकर की थी।

आरोप है कि शादी के बाद ससुर पप्पू पुत्र रल्ली, सास शारदा, ननद क्रान्ति पत्नी हरदयाल, चांदनी पत्नी सुरेश, विनीत उर्फ कल्लो पत्नी स्वामी प्रसाद, करिश्मा पत्नी नीरज व पति पुष्पेन्द्र एक राय होकर उसकी पुत्री से अतिरिक्त दहेज में 6 लाख रुपये लाने की बात कहते हुये आये दिन मारपीट करने लगे। आरोप है कि ससुरालियों ने उसकी पुत्री को इतना प्रताड़ित किया कि वह हाथ की नस काटने को विवश हो जाये। प्रताड़ित होकर उसकी पुत्री मायके आ गयी, लेकिन ससुरालियों ने माफी मांगी और पुत्री को घर ले गये। आरोप है कि ससुरालियों ने उसकी पुत्री को करंट देकर मारने का प्रयास किया और मरणासन्न होने पर उसकी पुत्री का वीडियो बनाकर उसके रिश्तेदारों को भेज दिया। लेकिन पीड़ित ने अपनी पुत्री को ले जाकर उपचार कराया और अब वह ठीक है। पीड़ित ने ससुरालियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुत्री की जानमाल को खतरा बताया। संतोष की तहरीर व एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने ससुरालियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 85, 115 (2), 351 (3) व दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती एकता दिवस के रूप में मनाई गई अनपरा में हुआ वृक्षारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अनपरा (सोनभद्र)- अखंड भारत के निर्माता, भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती अनपरा में एकता एवं अखंडता दिवस के रूप में अत्यंत श्रद्धापूर्वक मनाई गई। पटेल सेवा समिति अनपरा के तत्वाधान में यह भव्य कार्यक्रम पटेल उद्यान, अनपरा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (ष्टत्ररू) अनपरा तापीय परियोजना, इं. जे. पी. कटियार द्वारा सरदार पटेल जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इं. अदालत वर्मा, कार्यक्रम का संचालन अभिषेक सिंह मुख्य महाप्रबंधक इं. जे.पी. कटियार ने अपने संबोधन में कहा कि देश की छोटी-बड़ी अलग-अलग रियासतों को एक करने में सरदार पटेल की अहम भूमिका थी। भारत देश को आजादी दिलाने तथा देश की एकता और अखंडता के लिए उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। जयंती समारोह के अवसर पर सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा पटेल उद्यान परिसर में वृक्षारोपण किया गया। ष्टत्ररू कटियार ने इस पहल को सराहनीय कदम बताया और कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए आगे भी लोगों को वृक्षारोपण का कार्य करते रहना चाहिए। इस क्रिया के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। विभिन्न वक्ताओं ने सरदार पटेल के जीवन और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला इं. दूधनाथ (मुख्य अभियंता)उन्होंने देश को संगठित करने में पटेल जी के बहुत बड़े योगदान को रेखांकित किया।

आनंद पटेल उर्फ दयालू (मुख्य वक्ता) उन्होंने कहा कि देश को पटेल जी जैसे नेताओं की अभी बहुत जरूरत है। सरोज सिंह उन्होंने गुजरात में बनी पटेल जी की प्रतिमा स्टैचू ऑफ यूनिटी को सबसे बड़ी स्टैचू बताया। श्याम बिहारी यादव उन्होंने सरदार पटेल को एक बुद्धिमान और देश के सबसे बड़े कानून के जानकार के रूप में याद किया। डॉ. लोकपति सिंह पटेल उन्होंने बताया कि पटेल जी को सरदार की उपाधि देश की महिलाओं ने ही दी थी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा कई मेधावी बच्चों को मेडल और प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख अतिथियों में मुख्य अभियंता मधु मुखरैया, मुख्य अभियंता अ एवं ब ताप इं. दूध नाथ, मुख्य अभियंता राजीव कुमार, मुख्य अभियंता प्रशासन इं. निखिल चतुर्वेदी, मुख्य अभियंता द ताप इं. प्रशांत त्रिपाठी, तथा ज्योति पुंज महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती सुमन कटियार सहित कई वरिष्ठ अभियंता और गणमान्य नागरिक शामिल थे। अनपरा के सभी पत्रकार बंधु सहित इं. बीआर पटेल, इं. सुभाष पटेल, इं. प्रभाकर सिंह, इं. ज्ञानेंद्र सिंह, इं. संजय महतो, श्रीमती माधुरी पटेल एवं बृजेश सिंह, अनिल सिंह, प्रभाकर सिंह, अभय सिंह, दिलीप वर्मा जैसे बड़ी संख्या में समिति के सदस्य और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय बीघा खेत में एमडीएम की सामग्री चोरी

●आंगनबाड़ी केंद्र का पोषाहार, स्मार्ट क्लास की टीवी भी ले गये चोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। प्राथमिक विद्यालय विद्या खेत में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। इस सम्बन्ध में इंचार्ज प्रधानाध्यापिका ने अमरपुर मंडी चौकी पुलिस को तहरीर देकर एफआईआर दर्ज करायी है। मूल रूप से मध्य प्रदेश के जिला शिवपुरी अंतर्गत थाना भौती पिछोर के ग्राम महोबा निवासी ज्योति राजा पत्नी अरुण प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि वह प्राथमिक विद्यालय बीघा खेत में इंचार्ज प्रधानाध्यापिका पद पर तैनात हैं। बताया कि 29 अक्टूबर को वह विद्यालय के सारे ताले बंद करके घर चली गयी थी। इसके बाद 30 अक्टूबर को जब वह सुबह 8:40 बजे विद्यालय पहुंची तो देखा कि विद्यालय के सभी ताले टूटे पड़े हैं और विद्यालय के अंदर रखी हुई मध्याह्न भोजन की सामग्री में गैस चूल्हा, सिलेंडर, कुर्सियां, स्मार्ट क्लास की टी.वी., म्यूजिक सिस्टम आदि चोरी हो गया है। इसके अलावा विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र से 2 बोरियां पोषाहार, वजन मशीन, स्टेशनरी का सामान भी चोरी हो गया। इसके अलावा उन्होंने कई सामान चोरी होने की बात कही। पुलिस ने इं.प्रा.अ. की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

आपरेशन सिंदूर' थीम पर सजेगी देव दीपावली - सर्वेश सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार मिर्जापुर। चुनार में देव - दीपावली अब केवल एक पर्व नहीं,बल्कि नगर की उत्सवधर्मिता का प्रतीक बन चुकी है। कार्तिक पूर्णिमा की सांध्य बेला में देश की सीमाओं पर तैनात वीर सैनिकों को नमन करने के उद्देश्य से इस बार की थीम 'आपरेशन सिंदूर' रखी गई है, साथ ही महिला सशक्तीकरण के लिए प्रदेश सरकार की ओर से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान को भी केंद्र में रखा जाएगा।चुनार क्लब के संयोजन में पांच नवंबर को बालूघाट स्थित साहित्य संत धाम (किला छोर) पर चुनार बालूघाट स्थित साहित्य संत धाम की सफाई करते श्रमिक जागरणं 21000 हजार दीपों से घाट को आलोकित करने की तैयारी जोरों पर है। बुधवार घाट पर साफ सफाई,समतलीकरण के साथ चूना पेंटिंग का काम भी करवाया गया। घाट पर एक भव्य मंच तैयार कराया जा रहा है। नगर के नागरिक भी मां गंगा की आरती के दौरान हजारों दीपदान करेंगे।

क्लब के संयोजक इं. सर्वेश सिंह ने बताया कि घाट पर भारतीय सेना को समर्पित भव्य रंगोली बनाई जाएगी, जिसके साथ 'स्वास्तिक', 'ओम' और अन्य शुभ आकृतियों के बीच दीपों की आभा से राष्ट्रभक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम साकार करने की योजना पर काम किया जा रहा है। इस पावन अवसर की तैयारी में साथ चुनार क्लब के स्वयंसेवी आनंद, चंद्रकेश, देवेश चक्रवाल, सुरेश प्रजापति, गोलू, ऋतुराज सिंह, वीर सिंह पटेल, समर्थ सिंह पटेल, प्रदीप जायसवाल, एलेक्स बंटी, पिंटू गुप्ता आदि युवा जुटे हुए हैं।

जाखलौन फादर ड्रीम एकेडमी में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती मनाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जाखलौन। ललितपुर राष्ट्रीय एकता दिवस विशेष लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती के शुभ अवसर पर फादर ड्रीम्स अकैडमी में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बड़े भाई प्रदीप पटेल ऐरा रहे उन्होंने आकर सर्वप्रथम पटेल साहब जी के चित्र पर माल्यार्पण कर तत्पश्चात बच्चों को आशीर्वाद दिया और बच्चों को सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के बारे में समझाया जिसमे विद्यालय प्रबंधन समिति ने उनका आभार व्यक्त किया सरदार वल्लभ भाई पटेल जी अमर रहे नारा लगाकर कार्यक्रम समापन किया।

नए कानूनों के प्रचार-प्रसार हेतु बच्चा लाल यादव इण्टरमीडिएट कॉलेज में छात्र/छात्राओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज- पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार चलाये जा रहे राज्यव्यापी 'नए आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता अभियान 2.0' के तहत, सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर व थाना फूलपुर पुलिस द्वारा आज दिनांक-01.11.2025 को थाना फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत बच्चा लाल यादव इण्टरमीडिएट कॉलेज ईफको फूलपुर प्रयागराज में जागरुकता कार्यक्रम चलाकर छात्र-छात्राओं को जागरुक कर 03 नये कानून भारतीय न्याय संहिता-2023 (BNS), दण्ड प्रक्रिया संहिता के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 (BNSS) एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 (BSA) के सम्बंध में निबन्ध लेखन/नुक्कड नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । 03 नये आपराधिक कानूनों की निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आशी यादव, द्वितीय स्थान काजल पटेल व तृतीय स्थान खुशबू यादव को थाना प्रभारी फूलपुर द्वारा पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया गया ।

कार्यक्रम के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर द्वारा छात्र-छात्राओं को 01 जुलाई, 2024 से लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) के विस्तृत प्रावधानों के बारे में जानकारी दी गयी । कार्यक्रम में पूर्व प्रचलित आपराधिक कानून भारतीय दण्ड संहिता, दण्ड प्रक्रिया संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर नये कानून की आवश्यकता एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। जहां पूर्व में दण्ड व्यवस्था को अत्यधिक महत्व दिया जाता था, उसके स्थान पर नये कानूनों में न्याय व्यवस्था स्थापित करते हुए कानूनों को और अधिक व्यावहारिक एवं पीड़ित केन्द्रित बनाया गया है। इस प्रकार पूर्व प्रचलित भारतीय दण्ड संहिता के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता-2023 (BNS), दण्ड प्रक्रिया संहिता के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 (BNSS) एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 (BSA) को 01 जुलाई, 2024 से लागू कर दिया गया है । कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने नये आपराधिक कानूनों की प्रमुख विशेषताओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विशेष रूप से 'शून्य एफआईआर' (Zero FIR), E-FIR, समयबद्ध न्याय, महिला एवं बाल संरक्षण संबंधी प्रावधान, नये अपराधों की परिभाषा, तथा फोरेंसिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग से जुड़े प्रावधानों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया ।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने आगामी माघ मेला की तैयारियों की समीक्षा बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

●माघ मेला की तैयारी को एक माह के अंदर पूर्ण करने के निर्देश।

जनप्रतिनिधियों की शिकायतो पर ऊर्जा मंत्री का रुख सख्त– 'बिना वजह कनेक्शन काटने वालों को करें सस्पेंड।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज । नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने प्रयागराज प्रवास के दौरान सर्किट हाउस सभागार में बैठक कर आगामी माघ मेला 2026 की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएँ समयबद्ध, व्यवस्थित और जनसुविधा केंद्रित रूप में पूर्ण करने के निर्देश दिए। महाकुंभ 2025 को सकुशल संपन्न कराने में नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग की भूमिका सराहनीय रही है। उल्लेखनीय कार्यों के लिए स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने मंत्री ए. के. शर्मा का सम्मान किया और उनके नेतृत्व में हुए विकास कार्यों विशेषता महाकुंभ में सफाई व्यवस्था एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति की प्रशंसा की। मंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिस प्रकार महाकुंभ के दौरान स्वच्छता कार्यों की सराहना पूरी दुनिया ने की, उसी तरह की उत्कृष्ट तैयारियाँ माघ मेला में भी सुनिश्चित की जाएं। श्री शर्मा ने इस अवसर पर स्वच्छता कर्मियों और मिशन शक्ति वॉलेंटियर्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उनकी सेवा भावना और समर्पण से ही स्वच्छता की यह पहचान बनी है। जनप्रतिनिधियों ने मंत्री जी से मांग की है कि ने नगर निगम घरों के कर भुगतान हेतु 'OTS सिस्टम' (वन टाइम सेटलमेंट) लागू करने के लिए अनुरोध किया, जिससे नागरिक आसानी से अपना हाउस टैक्स जमा कर सकें। ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री श्री शर्मा ने चीफ इंजीनियर को यमुना पार क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। खुले इलेक्ट्रिक जंक्शन बॉक्स को तुरंत सुरक्षित ढंग से कवर किया जाए, ताकि जन सुरक्षा बनी रहे।उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिना वजह छोटे उपभोक्ताओं को परेशान करने वाले या कनेक्शन काटने वाले विद्युत कर्मियों को तत्काल सस्पेंड किया जाए।उन्होंने यह भी स्मरण कराया कि नव विस्तारित क्षेत्रों के ऊर्जा संबंधी कार्यों हेतु नगर विकास विभाग द्वारा ऊर्जा विभाग को लगभग 1000 करोड़ की राशि प्रदान की गई है, उसके संबंध में उन्होंने सही और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि माघ मेला प्रदेश की आस्था, श्रद्धा और स्वच्छता की पहचान है। इसलिए हर स्तर पर व्यवस्थाएँ ऐसी हों जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिले और प्रयागराज एक बार फिर 'स्वच्छता और सेवा' का आदर्श मॉडल बने। इस अवसर पर महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य, विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी सहित अन्य माननीय जनप्रतिनिधिगणों के अलावा संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

उज्जवला योजना के लाभार्थी सब्सिडी हेतु गैस एजेन्सी से ई-केवाईसी करायें-जिला पूर्ति अधिकारी

प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी ने बताया है कि जनपद में प्रधानमंत्री उज्वला योजना के अन्तर्गत कुल 270978 लाभार्थियों को आच्छादित करते हुए उनके गैस कनेक्शन निर्गत किये गये है। वर्तमान में प्रधानमंत्री उज्वला योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों द्वारा गैस सिलेण्डर रिफिल कराये जाने पर केन्द्र सरकार द्वारा 350 रूपये एवं राज्य सरकार द्वारा 558. रूपये की सब्सिडी धनराशि लाभार्थी के खाते में अन्तरित की जाती है। जनपद में दीपावली के अवसर पर 29 अक्टूबर तक कुल 57298 उज्वला लाभार्थियों द्वारा सिलेण्डर रिफिल कराया गया है, जिनमें से 45301 उज्वला लाभार्थियों को उनके बैंक खाते में सरकार द्वारा निर्धारित सब्सिडी की धनराशि अन्तरित की जा चुकी है। ऐसे शेष उज्वला लाभार्थी जिनके द्वारा दीपावली के समय प्रधानमंत्री उज्वला योजना के अन्तर्गत गैस सिलेण्डर रिफिल कराया गया है, जिनकी सब्सिडी की धनराशि उनके बैंक खाते में यथाशीघ्र अन्तरित हो जायेगी। सब्सिडी अन्तरित न होने के कारणों में लाभार्थियों का ई-केवाईसी न होना, लाभार्थियों का आधार उनके बैंक खाते से लिंक न होना व उनके आधारकार्ड/राशनकार्ड में डुप्लीकेशी होना है। उन्होने जनपद के समस्त उज्वला लाभार्थियों से अनुरोध किया है कि वे अपने सम्बंधित गैस एजेंसी से ई-केवाईसी कराना, सम्बंधित बैंक खाते से अपना आधार लिंक कराना व आधारकार्ड राशनकार्ड से डुप्लीकेशी का उन्मूलन कराना सुनिश्चित करे, जिससे कि भविष्य में उन्हें प्रधानमंत्री उज्वला योजना अन्तर्गत गैस सिलेण्डर रिफिल के उपरान्त निर्धारित सब्सिडी की धनराशि उनके खाते में निर्बाध रूप से अन्तरित हो सके।

समाधान दिवस में आई एक सौ उन्तालिस शिकायतें, बारह निस्तारित

लालगंज, प्रतापगढ़। तहसील सभागार में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम व सीओ ने फरियादियों की समस्याओं पर सुनवाई की। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल एक सौ उन्तालिस शिकायतें आयी। जिनमे से अफसरो ने मौके पर बारह शिकायतों का निस्तारण कराया। सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की उन्यासी, पुलिस की अड़तालिस रही। शिकायतों पर सुनवाई करते हुए एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने मातहतो से लंबित शिकायतो की पारदर्शितापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये। पुलिस से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई करते हुए सीओ आशुतोष मिश्र ने शिकायतों पर कार्रवाई के बाबत थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिये। समाधान दिवस का संचालन तहसीलदार गरिमा वर्मा ने किया। इस मौके पर नायब तहसीलदार वीरेन्द्र मिश्र, ईओ इंद्र प्रताप, एसडीओ विद्युत आशुतोष कुमार, पूर्ति निरीक्षक अमित शुक्ला, वन क्षेत्राधिकारी एसपी मिश्र आदि रहे।

UP के स्कूलों में अब नहीं चलेगी लेट एंट्री, हाईकोर्ट सख्त, कहा- टीचरों की ऑनटाइम अटेंडेंस अनिवार्य

उत्तर प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में अब शिक्षकों की लेट एंट्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि सभी स्कूलों में टीचरों की ऑनटाइम अटेंडेंस सुनिश्चित की जाए। कोर्ट ने साफ कहा कि ग्रामीण इलाकों में गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए यह कदम बेहद जरूरी है। यह आदेश जस्टिस पी.के. गिरी की पीठ ने शिक्षिकाओं इंद्रा देवी और लीना सिंह चौहान की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया।

तकनीक से होगी मॉनिटरिंग: कोर्ट

सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि सरकार इस विषय पर मुख्य सचिव स्तर पर बैठकें कर रही है। अदालत ने टिप्पणी की, 'आजादी के बाद से अब तक शिक्षकों की समय पर उपस्थिति के लिए कोई प्रभावी प्रणाली नहीं बनी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे मामलों में अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है।' कोर्ट ने सुझाव दिया कि डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम (जैसे पोर्टल या मोबाइल ऐप) के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज कराई जा सकती है ताकि रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव हो सके।

सिर्फ 10 मिनट की देरी तक मिलेगी छूट

कोर्ट ने कहा कि किसी शिक्षक को अधिकतम 10 मिनट की देरी तक ही छूट दी जा सकती है। इसके बाद अनुपस्थिति या अनुशासनात्मक कार्रवाई लागू की जा सकती है। पीठ ने याचिकाकर्ता शिक्षिकाओं को पहली गलती मानते हुए राहत दी और भविष्य में समय से उपस्थिति दर्ज करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 10 नवंबर 2025 को होगी।

लायंस क्लब के साथी सेवा कार्य से समाज में पहचान बनाएं - डॉ. अर्पण धर दुबे

● विश्व के 210 देशों में लायंस क्लब के 14 लाख से अधिक सदस्य - सौरभकांत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

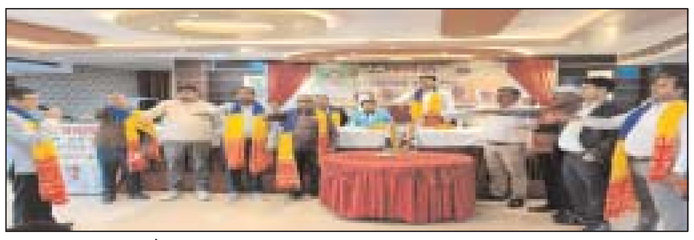

प्रतापगढ़। लायंस क्लब इंटरनेशनल 321 के मंडल अध्यक्ष एमजेएफ लायन डॉ. अर्पण धर दुबे ने कहा कि लायंस क्लब के सदस्य सेवा कार्यो के माध्यम से समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। लायंस क्लब का प्रमुख उद्देश्य समाज के निर्बल और असहाय वर्गो को सहायता पहुंचाकर उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ना है।उन्होंने कहा कि क्लब के सदस्य रक्तदान, चिकित्सा शिविर, पर्यावरण संरक्षण एवं शिक्षा क्षेत्र में कार्य कर समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनें। अधिक से अधिक रक्तदान कर जरूरतमंदों को जीवनदान देना सबसे बड़ी सेवा है। डॉ. दुबे प्रतापगढ़ में आयोजित 'लायंस क्लब प्रतापगढ़ अवध' के अधिष्ठापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने सदस्यों से स्थायी परियोजनाओं के संचालन पर बल देने का आह्वान किया।समारोह के मुख्य वक्ता एमजेएफ सौरभकांत श्रीवास्तव ने बताया कि लायंस इंटरनेशनल विश्व के 210 देशों में कार्यरत है और इसके 14 लाख से अधिक सदस्य हैं। यह विश्व की सबसे बड़ी सेवा संस्थाओं में से एक है।उपमंडलाध्यक्ष प्रथम एमजेएफ उदय चंदानी ने लायंस क्लब प्रतापगढ़ अवध के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और उन्हें सेवा भावना के साथ कार्य करने का संदेश दिया।उपमंडलाध्यक्ष एमजेएफ उमेश कक्कड़ ने नवीन सदस्यों को दीक्षा दी।

समारोह को पूर्व मंडलाध्यक्ष सतीश चंद्र श्रीवास्तव, मंडल सचिव मनोज खत्री, मंडल कोषाध्यक्ष एसके शुक्ला तथा जोन चेयरपर्सन डॉ. अवंतिका पांडे ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष डॉ. उमाकांत ओझा ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।मुख्य अतिथि सहित लायंस क्लब हर्ष, गौरव, शक्ति के पी.एस.टी. एवं अन्य पदाधिकारियों को अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब अवध के प्रशासक संतोष पांडे, सचिव श्याम शंकर द्विवेदी,उपाध्यक्ष रामकुमार पांडे, उदय मिश्र, मार्केटिंग कम्युनिकेश चेयरपर्सन के.के. पांडेय, रक्तदान चेयरपर्सन अजय मिश्रा, निदेशक नीलेश मिश्रा सर्विस चेयरपरसन डा.ए.के. सिंह, अजय मिश्र ने शपथ ग्रहण किया। इस अवसर पर डॉ. पीयूषकांत शर्मा, श्रीश श्रीवास्तव, आशुतोष तिवारी, आरबी सिंह, अशोक सिंह, हरिशंकर सिंह हैप्पी, क्षितिज श्रीवास्तव, अजय पाण्डेय, कुसुम गुप्ता पिंकी दयाल, लक्ष्मी मिश्रा, अनीता पाण्डेय, प्रमिला शुक्ला, अमोलक सिंह, अर्पित खण्डेलवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन संतोष भगवन ने किया।

बेमौसम बरसात से फसल क्षतिग्रस्त होने पर 72 घंटे के अन्दर करें शिकायत-उप कृषि निदेशक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने बताया है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जनपद में खरीफ 2025 सत्र के दौरान खरीफ फसले अधिसूचित की गई हैं। जनपद के कुल 40475 किसानों ने अपनी खरीफ फसल का बीमा कराया है। हाल ही में आए मोन्था चक्रवात के कारण जिले में मध्यम से भारी वर्षा हो रही है, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचना स्वाभाविक है। ऐसी परिस्थिति में किसानों को सूचित किया जाता है कि वर्तमान में मौसम की स्थिति खराब है। ऐसे में क्षेत्र में कटी पड़ी फसल में बेमौसम वर्षा से व्यक्तिगत स्तर पर क्षति पहुंचती है तो वो सभी ऐसे कृषक जिन्होंने अपनी फसल का बीमा करवाया है केवल वही कृषक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के नियमानुसार फसल नुकसान की सूचना पी0एम0एफ़0बी0वाई0/कंपनी के टोल फ्री नंबर-14447 पर 72 घंटे (03 दिन) के अन्दर आनलाइन दर्ज करवा सकते है, यदि आपकी शिकायत किसी कारण से ऑनलाइन दर्ज नही हो पा रही है तो लिखित रूप में समस्त दस्तावेज आधार कार्ड, पासबुक एवं खतौनी की फोटो कॉपी सहित शिकायत पत्र संबंधित बैंक शाखा एवं जनपद में स्थित कार्यालय उप कृषि निदेशक में फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधि को दे सकते है। सूचना प्राप्त होने पर संयुक्त टीम (कृषि विभाग, राजस्व विभाग एवं बीमा कंपनी के प्रतिनिधि) द्वारा क्षति का सही आकलन किया जाएगा, ताकि प्रभावित किसानों को उचित क्षतिपूर्ति प्रदान की जा सके। प्रतापगढ़ जनपद में यूनिवर्शल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को फसल बीमा कार्य के लिए अधिकृत किया गया है।

बेमौसम बरसात से प्रभावित किसानों को मुआवजे के लिए प्रमोद व मोना ने लिखा सीएम को पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना व राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने चक्रवाती तूफान मोंथा से खरीफ की फसल को हुए नुकसान पर गहरी चिंता जतायी है। सांसद प्रमोद तिवारी व विधायक आराधना मिश्रा मोना ने शनिवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कहा है कि चक्रवाती तूफान के कारण प्रतापगढ़ समेत प्रयागराज, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर कौशाम्बी, जौनपुर, मीरजापुर, फतेहपुर, सोनभद्र, वाराणसी, भदोही समेत लगभग पूरे प्रदेश में तेज हवा के साथ कई दिनों से बेमौसम बरसात हुई है। नेताद्वय ने सीएम को लिखे पत्र में कहा है कि इस बेमौसम बरसात के कारण किसानों की खरीफ की प्रमुख फसल धान लगभग पूरी तरह से बर्बाद हो गयी है। सांसद प्रमोद तिवारी व विधायक मोना ने कहा कि खेतों में धान की फसल की कटाई के साथ खड़ी फसल को बेमौसम बारिश से भारी नुकसान हुआ है। पत्र में विधायक एवं सांसद द्वारा मुख्यमंत्री का ध्यान बेमौसम बरसात के साथ ओलावृष्टि के कारण उत्पन्न भयावह स्थिति पर भी आकृष्ट किया गया है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि आलू, मटर, सरसों आदि के भी उत्पादन में ओलावृष्टि और बारिश विपरीत प्रभाव अत्यन्त चिन्ताजनक है। सीएम को लिखे पत्र में कहा गया है कि खरीफ की फसल के साथ ही इस बेमौसम बरसात से रवी की फसल भी प्रभावित होगी। नेताद्वय ने कहा है कि इससे किसानों को दोहरी मार पड़ेगी। वहीं इस आपदा से किसान परिवारों के सामने भरण-पोषण व बच्चों की शिक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। वहीं मवेशियों के लिए चारे की व्यवस्था न हो सकने की स्थिति में छुटटा जानवरों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी होगी। सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में अनुरोध किया है कि फसल नुकसान की गंभीर समस्या को देखते हुए किसानों को प्रति एकड़ के हिसाब से अधिक से अधिक मुआवजा दिया जाय। नेताद्वय के द्वारा सीएम को लिखे पत्र की जानकारी यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने जारी विज्ञप्ति मे दी है।

सिद्धार्थनगर के बर्डपुर में निकली खाटू श्याम की भव्य निशान यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के नगर पंचायत कपिलवस्तु के बर्डपुर कस्बे में शनिवार को खाटू वाले श्याम बाबा की मनमोहक झांकी सजाकर गाजे-बाजे के साथ निशान शोभायात्रा बड़े ही धूमधाम के साथ निकाली गई। खाटू वाले श्याम तेरा ही सहारा, तेरे सिवा दुनिया में कोई न हमारा, जिस घर में खाटू वाले की तस्वीर लगाई जाती है, जिस घर का छोटा बच्चा भी श्री श्याम की माला जपता है, वहां श्याम का पहरा रहता है... के भजनों पर भक्ति में सराबोर श्रद्धालुओं ने नाचते गाते निशान यात्रा निकालकर पूरे शहर में फूलों की होली खेली। श्रद्धालु अबीर-गुलाल उड़ाते हुए खाटू श्याम बाबा का जयकारा लगाते हुए चल रहे थे। पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।शोभायात्रा से श्री सिद्धेश्वरनाथ महादेव मंदिर से खाटू श्याम बाबा व निशान की विधि विधान से पूजा-अर्चना की। आरती के बाद शोभायात्रा यात्रा यहां से निकलकर बर्डपुर , नौगढ़ मार्ग से कपिलवस्तु तिराहे से होते हुए रामलीला मैदान में आकर समाप्त हुई। श्रद्धालु हाथ में खाटू श्याम बाबा का निशान लेकर अबीर गुलाल उड़ाते हुए हारे के सहारे श्याम बाबा हमारे, ओ सांवरे मुझे तेरी ज़रूरत है आदि भक्ति गीतों पर थिरकते रहे। महिलाएं व नवयुवतियां निशान यात्रा लेकर बाबा का जयकारा लगाते हुए चल रही थीं। रास्ते में लोग अपने घरों की छतों से शोभायात्रा पर फूलों की वर्षा की। नवयुवक व नवयुवतियां उत्साह व उमंग से ओतप्रोत होकर इस क्षण को कैमरे में कैद करने के लिए सेल्फी लेते रहें। इस दौरान ओम प्रकाश यादव, नीतेश पाण्डेय, अमित उपाध्याय,राजकमल जायसवाल आशीष गिरि आदि मौजूद रहे।

श्री खाटू श्याम जयंती शोभा यात्रा निकाली गई

बिस्कोहर। नगर पंचायत बिस्कोहर के प्राइवेट बस अड्डे के बजाज ऐजेंसी के सामने से श्री खाटू श्याम सेवा समिति फूल मोदनवाल, पंकज गुप्ता की ओर से शनिवार को भव्य निशान शोभायात्रा निकाली गई। जो चेयर मैन अजय गुप्ता ने लोगों को श्री खाटू श्याम निशान वाला झण्डा दिखा कर शोभा यात्रा आगे बढ़ाया ।नगर की माताएं बहिनें, नौजवान लोगों ने हाथ में झण्डा लेकर जयकारा लगाते हुए हारे का सहारा है श्री खाटू श्याम हमारा है यही नारा बुलंद करते हुए शोभा यात्रा बस अड्डे के बजाज ऐजेंसी से विश्वनाथ नगर से शुरू होकर पुराना बैंक रोड , राम जानकी मोहल्ला, मुख्य कस्बा व अटलनगर होते हुए वापस बस अड्डे पर आकर समाप्त हुआ । जगह-जगह दुकानदारों ने पुष्पवर्षा कर निशान यात्रा का स्वागत किया किया। इस निशान यात्रा में चेयरमैन अजय गुप्ता, सुबास मोदनवाल, पंकज गुप्ता, बैजनाथ गुप्ता, फूल मोदनवाल, राजा गुप्ता, मनीष जायसवाल, रोहित कसौधन, बच्चा राम पांडेय, ओंकार पेंटर, अभिषेक मोदनवाल, मुकेश मोदनवाल, राम नरेश पासवान, अमन चौरसिया, माया देवी, रीना देवी, कुसुम देवी, शिवा मोदनवाल, कल्लू शाहू, आदि लोग मौजूद रहे।आदि श्याम भक्त शामिल रहे।

पत्नी ने पति को ज्वलनशील पदार्थ डालकर जलाया, तीन दिन तक तड़पने के बाद मौत

● पत्नी के अवैध संबन्ध का करता था मृतक राम सवरे विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज थाना क्षेत्र के कुड़ी गांव में तीसरी पत्नी पूनम ने अपने पति राम सवारे को ज्वलनशील पदार्थ डालकर जिंदा जला दिया ।गंभीर रूप से झुलसे राम सवारे की गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में तीन दिन तक चले इलाज के बाद शुक्रवार देर रात मौत हो गई। यह घटना बुधवार देर रात की है। मृतक के बेटे कमलेश की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पत्नी पूनम के खिलाफ के दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अब हत्या की पुष्टि होने के बाद मुकदमे में संबंधित धाराएं बढ़ाई जाएगी। 29 अक्टूबर बुधवार देर रात घर के भीतर से चीखें सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने देखा कि राम सवारे आग की लपटों में घिरे हुए थे। ग्रामीणों और परिजनों ने हिम्मत कर आग बुझाई, लेकिन तब तक उनका शरीर बुरी तरह जल चुका था। उन्हें तत्काल बेवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था।

इस घटना के पीछे अवैध संबंधों की साजिश का मामला बताया जा रहा है। मृतक राम सवारे की यह तीसरी शादी थी। उनकी पहली पत्नी की मौत हो चुकी थी और दूसरी पत्नी उन्हें छोड़कर चली गई थी। आरोपी पूनम की भी यह तीसरी शादी थी, उसने भी अपने दो पतियों को पहले छोड़ दिया चुकी हैं। मृतक राम सवारे के पहली पत्नी से एक बेटा प्रेम प्रकाश (36) है। तीसरी पत्नी पूनम से उनके तीन बेटे थे कमलेश (30), -वीरेंद्र (28) और विनोद, जिसकी एक साल पहले मुंबई में मौत हो चुकी थी। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक श्री प्रकाश यादव का कहना है कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मृतक की पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया और मामले की जांच की जा रही है ।

डीएम व एसपी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी फरियादियों की शिकायत, 12 शिकायतों का हुआ निस्तारण

● शिकायत का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें-जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में तहसील रानीगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। रानीगंज तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 188 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से 12 शिकायते इस प्रकृति की पायी गयी जिनका डीएम ने मौके पर निस्तारण कराया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 188 शिकायतों में से 96 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 39, विकास विभाग से 14, समाज कल्याण से 01 एवं 38 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। शिकायतकर्ता मुन्नी देवी निवासी ग्राम चघईपुर ने शिकायत किया कि प्रार्थिनी की आबादी में गांव के इकरार ने जबरन गुण्डई के बल पर कब्जा कर लिये है और उत्पीड़न कर रहे है। इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने एसओ देल्हूपुर को निर्देशित किया है कि प्रकरण की जांच कर शिकायत का निस्तारण करायें। शिकायतकर्ता शकीला बेगम निवासी ग्राम पाली ने शिकायत किया कि ग्राम बैरमपुर की गाटा संख्या 555 में 1.296 हेक्टेयर में से 0.051 हेक्टेयर की सहखातेदार है, भूमि में अपने हिस्से में बाउण्ड्रीवाल बनाकर काबिज चली आ रही है, बाउण्ड्रीवाल को द्वितीय पक्ष नसीमउद्दीन व सलीमउद्दीन द्वारा जेसीबीसे प्रार्थिनी की बाउण्ड्री वाल को तोड़कर कब्जा करना चाह रहे है।इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी रानीगंज को निर्देशित किया कि संयुक्त टीम बनाकर प्रकरण की जांच कराकर शिकायत का निस्तारण करायें। इसी प्रकार सम्पूर्ण समाधान में प्राप्त अन्य शिकायतों के सम्बन्ध डीएम ने उपजिलाधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों हस्तगत करते हुये निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये।

डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं में जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सर्वोपरि है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गरीब, वंचित और जरूरतमंदों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाये, साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश भी दिए। कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये, इसका विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने उप जिलाधिकारी तथा थाना प्रभारियों से कहा कि जो भूमि संबंधी मामले हैं उसमें राजस्व, चकबंदी तथा पुलिस की संयुक्त टीम गठित करके मौके पर भेजकर निस्तारण कराएं। उन्होंने कहा कि शासन का सख्त निर्देश है की जमीन संबंधी मामलों को तत्काल निस्तारण कराएं। शिकायकतकर्ताओं की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाय।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान में पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय-सीमा के अन्दर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने पुलिस अधिकारियों/थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि जो भी शिकायकर्ता अपनी शिकायत लेकर आयें उनकी शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुने, प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें और प्रत्येक दशा में पीड़ित को न्याय मिले। इस दौरान उपजिलाधिकारी रानीगंज विमल कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 एएन प्रसाद, जिला विकास अधिकारी केएन पाण्डेय, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, तहसीलदार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिवक्ता सुरक्षा विधेयक को लेकर वकीलों ने भरी हुंकार, किया विरोध प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। अधिवक्ता सुरक्षा विधेयक की मांग को लेकर शनिवार को यहां कचहरी में वकीलों ने विरोध प्रदर्शन किया। वही मांग के समर्थन में परिसर मे हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। आल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल, महासचिव अनिल त्रिपाठी महेश व जिलाध्यक्ष अंजनी सिंह बाबा की संयुक्त अगुवाई में वकीलों ने अधिवक्ताओं की सुरक्षा को लेकर कानून बनाए जाने की मांग को लेकर नारेबाजी की। वहीं एसोसिएसन की हुई आम सभा में केन्द्र सरकार से संसद के शीतकालीन सत्र में विधेयक पारित कराए जाने की मांग उठाई गयी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि प्रतापगढ़ जिले समेत प्रदेश व देश के कई हिस्सो मे रोज अधिवक्ताओ पर प्राणघातक हमले हो रहे है। उन्होने यूपी बार कौंसिल के आसन्न चुनाव में अधिवक्ताओ से विधेयक के समर्थन में आवाज उठाने वाले अधिवक्ताओ को प्रतिनिधि बनाने पर जोर दिया।

राष्ट्रीय महासचिव अनिल त्रिपाठी महेश ने बताया कि प्रदेश भर मे जिला मुख्यालय एवं तहसील मुख्यालयो पर अधिवक्ताओं से सघन संपर्क के जरिए अधिवक्ता सुरक्षा कानून की मुहिम को तेज किया जाएगा। अध्यक्षता जूनियर बार एसोसिएसन के पूर्व महामंत्री जेपी मिश्र व संचालन जिलाध्यक्ष अंजनी सिंह बाबा ने किया। इसके पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल व महासचिव अनिल त्रिपाठी महेश ने कलेक्ट्रेट कचहरी तथा दीवानी परिसर के साथ सदर तहसील मे भी अभियान को लेकर साथी अधिवक्ताओं से मुलाकात की। इस मौके पर विनय सिंह, शक्ति सिंह, दीपक दुबे, सचीन्द्र सिंह, अनिल पाण्डेय, मनीष सिंह, अनिल सिंह, आशीष श्रीवास्तव, उत्तम सिंह, शिवम सिंह, अवधेश गुप्ता, श्रीविलास शुक्ला, राजेश तिवारी, दिनेश सिंह आदि अधिवक्ता रहे।

UP की मंडी में खुला सरकारी बस घोटाला! दस्तावेज़ों में ई-रिक्शा, ज़मीन पर रोडवेज बस में प्याज की ढुलाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव – उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। जहां नवीन मंडी में सरकारी रोडवेज बस से प्याज की ढुलाई का मामला उजागर हुआ है। लेकिन जब दस्तावेज़ों की जांच की गई, तो कहानी और भी हैरान कर देने वाली निकली। मंडी समिति के कागज़ातों में तो ई-रिक्शा और डंफर जैसे वाहनों के नंबर दर्ज पाए गए, जबकि हकीकत में प्याज सरकारी बस में लाया गया था।

व्यापारियों ने इस पूरे मामले की जांच की मांग की

यह पूरा मामला उन्नाव की नवीन मंडी का है। जहां मध्य प्रदेश के शिवपुरी से करीब 350 किलोमीटर दूर, 95 कुंतल प्याज एक सरकारी रोडवेज बस में भरकर लाया गया। जब पत्रकारों ने मंडी अधिकारियों से सवाल किया और वीडियो बनाने की कोशिश की, तो उन्होंने कैमरे के सामने आने से मना कर दिया। इसके बाद जब दस्तावेज़ मांगे गए, तो जो नंबर सामने आए वो किसी ई-रिक्शा और डंपर के निकले। अब सवाल ये है कि जब दस्तावेजों में ई-रिक्शा और डंफर दर्ज हैं, तो फिर सरकारी बस में माल कैसे आया? क्या मंडी अधिकारियों और परिवहन विभाग की मिलीभगत से यह खेल खेला गया ? स्थानीय व्यापारियों ने इस पूरे मामले की जांच की मांग की है। लोगों का कहना है कि अगर सरकारी बसों का इस्तेमाल व्यावसायिक कामों में होने लगा, तो यह सीधा-सीधा सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग है। अब प्रशासन के लिए बड़ा सवाल है कि क्या मंडी में 'दस्तावेज़ों का खेल' चल रहा है ? सरकारी बस में प्याज की ढुलाई के पीछे कौन जिम्मेदार है ? जांच अगर निष्पक्ष हुई तो कई चेहरे बेनकाब हो सकते हैं। फिलहाल मंडी परिसर में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। सवाल यह भी है कि सरकारी बसों को आखिर किसकी शह पर माल ढुलाई के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है ?

संक्षिप्त खबरें

सावधान! नामी कंपनियों का स्टीकर लगाकर धड़ल्ले से बेच रहे नकली वायर, पुलिस ने जब्त किया 12 लाख का माल

मेरठ। परतापुर थाना पुलिस ने शुक्रवार देर रात में इंटरचेंज पर वाहन चेकिंग के दौरान कंपनी का स्टीकर लगी 12 लाख रुपये कीमत की नकली वायर से भरी पिकअप गाड़ी पकड़ी है। पुलिस ने चालक सहित पिकअप व वायर को कब्जे में ले लिया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार देर रात में क्राम्पटन कंपनी के मैनेजर की शिकायत पर पुलिस टीम ने परतापुर इंटरचेंज पर चेंकिग के दौरान एक पिकअप को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान पिकअप से क्राम्पटन, पोलीकैब, गोल्ड मेडल व वीगार्ड का स्टीकर लगी भारी मात्रा में नकली वायर बरामद हुई। चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसकी पहचान सिराजुद्दीन निवासी मोदीनगर के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार चालक से पूछताछ में सामने आया है कि यह नकली वायर दिल्ली व गाजियाबाद में तैयार कर पश्चिमी यूपी में सप्लाई किया जा रहा था। पुलिस ने कंपनी के मैनेजर की शिकायत पर चालक सिराजुद्दीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

साढ़े चार घंटे डिवाइडर पर टंगी रही कार, जाम से जूझते रहे वाहन चालक

मेरठ – मवाना रोड पर पुराने गंगानगर थाने के सामने एक महिला ने कार को डिवाइडर पर चढ़ा दिया। गनीमत रही कि इसमें महिला को ज्यादा चोट नहीं आई। हादसे के बाद मवाना रोड पर जाम के हालात बन गए। पुलिस ने किसी तरह साढ़े चार घंटे बाद कार को डिवाइडर से उतरवाया। शुक्रवार दोपहर 12:30 एक महिला कार लेकर शहर से मवाना की तरफ तेज रफ्तार से जा रही थी। जब वह पुराने गंगानगर थाने के सामने पहुंची तो अचानक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। गनीमत रही कि कार पलटी नहीं अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। राहगीरों ने किसी तरह महिला को सकुशल कार से बाहर निकाला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। इस दौरान मवाना रोड पर जाम के हालात बन गए। शाम पांच बजे पुलिस ने कार को नीचे उतरवाया। इस बीच रूककर वाहन चलते रहे।

मेरठ में औद्योगिक गलियारा का विरोध, आज महापंचायत कर आगे की रणनीति बनाएंगे किसान

मेरठ। औद्योगिक गलियारा के दूसरे चरण की योजना का विरोध कर रहे तीन गांवों छतरी, खड़खड़ी और गोविंदपुरी के किसान गांव छतरी के बाहर करीब एक साल से धरना दे रहे हैं। किसान नेता राजकुमार सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन ने तीन गांवों के 800 किसानों की जमीन खरीदने की योजना तैयार की है। किसानों का कहना है कि जमीन चली जाएगी तो उनकी आजीविका का साधन ही नहीं बचेगा। उन्होंने इस योजना को निरस्त करने की मांग की है। राजकुमार सिंह ने बताया कि धरनास्थल पर शनिवार को किसानों की महापंचायत होगी, जिसमें बड़ा निर्णय लिया जा सकता है। भाजपा के पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी भी आएंगे। शासन और प्रशासन किसानों को गुमराह कर रहा है।

ग्रेटर नोएडा में दर्दनाक सड़क हादसा- ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, तीन की मौत

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में भीषण सड़क हादसा हो गया. इस हादसे में तीन लोगों की जान चली गई. हादसा उस वक्त हुआ जब तीन दोस्त एक बाइक पर सवार होकर जा रहे थे. वहीं पीछे से आ रह तेज रफ्तार ने बाइक में टक्कर मार दी. ट्रक की टक्कर लगने से तीनों दोस्त बाइक समेत सड़क पर गिर गए. ट्रक ने तीनों को रौंद दिया. पुलिस ने तीनों के शव को कब्जे में ले लिया है.जानकारी के मुताहिक, हादसा ग्रेटर नोएडा में दादरी थाना क्षेत्र के अजाबपुर चौकी के पास हुआ. पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार थे, तेज रफ्तार ट्रक ने उनको रौंद दिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. वहीं. हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई. लोगों ने हादसे की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच में जुट गई है।

बाइक को ट्रक ने मारी टक्कर

लोगों ने बताया कि बाइक सवार तीनों युवकों को ट्रक ने टक्कर मार दी. तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को पीछे से जोरदार टक्कर मारी जिससे तीनों बाइक समेत सड़क पर ही गिर गए. तीनों युवक ट्रक के नीचे आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई है. वहीं हादसे के बाद सड़क पर भारी भीड़ जुट गई।

मखदुमपुर गंगा मेला : भव्य व दिव्य आरती, पूजा-अर्चना और फीता कटने के साथ ही गूंज उठा...गंगे मैया की जय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हस्तिनापुर (मेरठ)। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर शनिवार को मखदुमपुर गंगा घाट पर लगने वाले गंगा मेले का उद्घाटन राज्यमंत्री दिनेश खटीकर, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी, डीएम डा. वीके सिंह व एसएसपी डा. विपिन ताड़ा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके बाद पतित पावनी गंगा मैया के घाट पर गंगा मैया की पूजा अर्चना की गई। गंगा घाट पर की गई भव्य आरती ने सभी का मन मोह लिया। उद्घाटन के अवसर पर गंगा का तट मां गंगे के जयकारों से गुंजायमान हो गया। मखदुमपुर गंगा घाट पर लगने वाले पांच दिवसीय गंगा मेले का विधिवत रूप से पूजा अर्चना के साथ शुभारंभ हो गया। इस मौके राज्यमंत्री दिनेश खटीक ने कहा कि मेले हमारी कला एवं संस्कृति को संजोकर रखने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। गंगा मेला सद्भावना और सौहार्द का प्रतीक होता है। मेले में प्रत्येक श्रद्धालु की भावना गंगा मैया से जुड़ी होती है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अपेक्षा की है कि मेले को शांतिपूर्वक आयोजित करने में सहयोग करें। जिपं अध्यक्ष गौरव चौधरी ने श्रद्धालुओं से मेले को भव्य व सफल बनाने में सहयोग की अपेक्षा की है।

डीएम डा. वीके सिंह ने सभी से सौहार्द बनाने की बात कही। उन्होंने कहा गंगा मेला हमारी आस्था का प्रतीक है। इसलिए हम सभी को मेले में श्रद्धा भाव से पहुंचना चाहिए और पवित्र स्नान कर पूजा अर्चना करनी चाहिए। गंगा मैया उनकी मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण करेंगी। वहीं गंगा को प्रदूषित होने से भी बचाए। एसएसपी डा. विपिन ताड़ा ने कहा कि घाट पर की गई बेरिकेड़िग के सभी प्वाइंटों पर पुलिस तैनात रहे। किसी भी हालत में ट्रैक्टर ट्राली व बुग्गी आदि बेरिकेड़िग से आगे न जा पाए। वहीं, लाइट की समुचित व्यवस्था व घाट पर अलाउंस सेंट सिस्टम लगा होना चाहिए। मेले में श्रद्धालुओं का पहुंचना प्रारंभ हो गया है। दुकानदारों ने अपनी दुकानों को लगाना प्रारंभ कर दिया है। श्रद्धालुओं के पेयजल के लिये हैंडपंप लगाए जा रहे है। मुख्य मार्ग को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। मेले के उद्घाटन से पूर्व ही गंगा घाट पर रौनक बढ़ती दिखाई देने लगी है। वहीं श्रद्धालुओं ने भी अपने तंबू लगाने शुरू कर दिए है। उद्घाटन के अवसर पर एसडीएम संतोष कुमार सिंह, अपर मुख्य अधिकारी वीएस कुशवाहा,ग थानाध्यक्ष शशांक द्विवेदी, मेला प्रभारी विष्णु कौशिक, राम प्रकाश शर्माग व पुनीत पांडे आदि रहे।

बांकेबिहारी मंदिर में कौन से श्रद्धालु कर पाएंगे VIP दर्शन? सेवायतों की बैठक में हो गया फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में फिलहाल प्रोटोकाल वाले श्रद्धालु ही वीआइपी दर्शन कर पाएंगे। शुक्रवार को मंदिर सेवायतों के साथ हुई बैठक में सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्चाधिकार प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने यह साफ कर दिया। सेवायतों ने कहा कि वीआइपी दर्शन कौन करेगा, इसकी कैटेगरी तय हो, हमारे यजमानों को भी शामिल किया जाए। अध्यक्ष ने कहा कि यजमानों को वीआइपी दर्शन के प्रस्ताव पर अगली बैठक में चर्चा होगी। समिति ने 30 सितंबर से दर्शन का समय बढ़ाने का आदेश दिए थे, लेकिन वह लागू नहीं हुआ। पहले तीन नवंबर से नए समय पर मंदिर के पट खोलें, हम आपकी बातों पर विचार करेंगे। सेवायतों ने फिलहाल कोई स्पष्ट जवाब न देकर कहा कि हम गोस्वामी समाज के लोगों से वार्ता के बाद ही नए दर्शन समय पर निर्णय लेंगे। शहीद लक्ष्मण स्मारक भवन में शुक्रवार दोपहर मंदिर उच्चाधिकार प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशोक कुमार, सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुकेश मिश्र ने दो दर्जन सेवायतों संग बैठक की। सेवायतों ने वीआइपी दर्शन में प्रोटोकाल तय करने की मांग की। कहा जिस प्रकार टोल बैरियरों पर वीआइपी के प्रोटोकाल की सूची चस्पा होती है।

मंदिर में भी इसी तरह की सूची वीआइपी प्रोटोकाल की चस्पा हो। इसके अलावा कोई दूसरा व्यक्ति वीआइपी दर्शन न कर सके। फिर कहा कि हमारे यजमानों के लिए भी वीआइपी दर्शन व्यवस्था लागू करें। समिति अध्यक्ष ने साफ किया कि वीआइपी प्रोटोकाल वाले लोगों को ही वीआइपी कटहरा में दर्शन होंगे। पुलिस द्वारा कुछ लोगों को दर्शन कराने की शिकायतें मिली हैं, उस पर समिति में विचार-विमर्श कर हल निकाला जाएगा। सेवायतों के यजमानों को वीआइपी दर्शन व्यवस्था पर 19 नवंबर को होने वाली बैठक में चर्चा होगी। पूर्व में समिति ने मंदिर के अंदर सेवादार की संख्या करने को कहा था, लेकिन इस पर रोक नहीं लगी।

अध्यक्ष ने कहा कि ठाकुरजी का भोग प्रसाद अर्पित करने अथवा किसी अन्य कार्य के लिए सेवायत और उनके सेवादारों की संख्या अधिक होती है। यह संख्या कम होनी चाहिए, ताकि भीड़ का दबाव कम हो। इस पर सेवायतों ने कहा सेवादारों की संख्या तय कर ली जाएगी, उनका ड्रेसकोड तय कर दिया जाए और पास दिए जाएं, पास पर गोस्वामी का नाम भी अंकित हो। सेवायतों ने अपने लिए बंद कोठरी का ताला खुलवाने की मांग की।

रुड़की की आइआइटी टीम करेगी रेलिंग व्यवस्था को सर्वे

अध्यक्ष ने कहा कि मंदिर प्रांगण में भीड़ नियंत्रण के लिए रेलिंग लगवाई जाएंगी। इससे पहले सर्वे कार्य कराया जाएगा, ताकि पारदर्शिता के साथ इमारत को कोई क्षति न पहुंचे। रुड़की आइआइटी की टीम से संपर्क किया गया है। जल्द ही वह सर्वे कार्य पूरा करेगी और मंदिर में रेलिंग व्यवस्था लागू कर दी जाएगी।

सेवायत बोले, ई-पंजीकरण भी अच्छा समाधान

सेवायत रजत गोस्वामी ने प्रस्ताव रखा कि दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं का ई-पंजीकरण हो। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के साथ सप्तदेवालयों में दर्शन के लिए भी पंजीकरण हो, ताकि बांकेबिहारी मंदिर दर्शन के लिए वे अपने समय पर ही पहुंचें। बाकी समय में सप्तदेवालयों के दर्शन करने पहुंचेंगे, तो भीड़ का फैलाव होगा और मंदिर पर भीड़ का दबाव भी नहीं बनेगा। उन्होंने तिरुपति मंदिर में पंजीकरण व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा मंदिर में तय समय पर ही श्रद्धालु और उनके वाहन पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं के वाहन जल्द पहुंचते हैं, तो उनके चालान काट दिए जाते हैं। सेवायतों ने कहा मंदिर के दोनों निकास द्वार द्वार नंबर एक व चार के बाहर चबूतरे पर स्वास्थ्य टीम तैनात होनी चाहिए। ताकि भीड़ के बीच से निकलकर जब लोग निकास द्वार पर पहुंचते हैं, तो उन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार मिल सके।

वृंदावन में बीड़ी कारोबारी पिता की गोली मारकर हत्या, बेटे ने खुद भी किया सुसाइड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

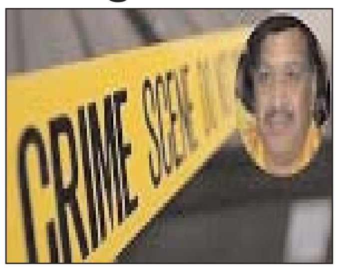

वृंदावन। गौरा नगर में दिनेश बीडी नाम से बीड़ी का कारोबार करने वाले पिता ने शराब पीकर आए बेटे को टोका तो बेटे ने लाइसेंस पिस्टल से पिता को गोली मार दी। पिता की मौके पर ही मृत्यु हो गई। इसके बाद बेटे ने भी कनपटी पर पिस्टल रखकर खुद को गोली मार ली। स्वजन दोनों को अस्पताल ले गए, जहां दोनों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार रात हुई इस घटना से सनसनी फैल गई।

पिता के छाती पर गोली मारी, फिर कनपटी पर खुद पिस्टल रख गोली चलाई

गौरा नगर निवासी 75 वर्षीय सुरेश चंद्र का बीडी का बड़ा कारोबार है। वह रात नौ बजे घर के बरामदे में थे। इसी बीच उनके बेटे 48 वर्षीय नरेश अग्रवाल शराब पीकर घर पहुंच गए। इस पर सुरेश चंद्र ने उन्हें टोका तो पिता -पुत्र में कहासुनी होने लगी। नरेश के पास लाइसेंसी पिस्टल थी। उन्होंने अपनी पिस्टल निकाल ली। पुलिस के मुताबिक, पिता ने पिस्टल छीनने की कोशिश की, इस दौरान नरेश ने गोली चला दी। छाती में गोली लगने से पिता मौके पर ही जमीन पर गिर गए। गोली की आवाज सुनकर घर के अंदर से लोग बाहर भागे।

दिनेश बीड़ी के नाम से कई राज्यों में है बीड़ी का कारोबार

पिता को खून से लथपथ जमीन पर छटपटाते देख नरेश ने अपनी कनपटी पर पिस्टल सटा ली और खुद को गोली मार दी। छोटे बेटे महेश दोनों को लेकर रामकृष्ण मिशन अस्पताल पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बीड़ी कारोबारी के घर और बरामदे को पुलिस ने सील कर दिया। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। सुरेश चंद्र का दिनेश बीड़ी के नाम से बीड़ी का बड़ा ब्रांड है। यह बीड़ी का ब्रांड बड़े बेटे दिनेश के नाम पर था। उनका कई राज्यों में बीड़ी का कारोबार है। आसपास के लोगों ने बताया कि आए दिन नरेश से शराब पीने को लेकर पिता सुरेश चंद्र का विवाद होता था। सीओ सदर संदीप सिंह ने बताया कि शराब पीने से टोकने पर बेटे ने पिता को गोली मारकर खुद जान दे दी। अभी स्वजन की ओर से कोई शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस जांच कर रही है।

दिल्ली में अवैध ई-वेस्ट कारोबारियों पर नगर निगम की सख्ती, 35 गोदामों पर चस्पा किए नोटिस, कार्रवाई की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। ई-वेस्ट पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। इसे देखते हुए उत्तर-पूर्वी जिले में अवैध रूप से ई-वेस्ट का कारोबार करने वालों पर नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। निगम के शाहदरा उत्तरी जोन कार्यालय ने मुस्तफाबाद इलाके से ई-वेस्ट के गोदामों को चिह्नित करने का कार्य शुरू किया है। इस इलाके में 80 से अधिक गोदामों की सूची बनाई गई है, जो आवासीय परिसरों में चल रहे हैं। इनमें से 35 पर उपायुक्त द्वारा जारी नोटिस चस्पा कर दिया गया है। नोटिस में कहा गया है कि 48 घंटे के भीतर गतिविधि बंद नहीं की तो परिसर सील कर दिया जाएगा। निगम अधिकारियों ने बताया कि इन पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि ई-वेस्ट के अनुचित निस्तारण से भूमि, जल और वायु प्रदूषण बढ़ता है। इनमें मौजूद हानिकारक रसायन जैसे सीसा, पारा और कैडमियम मानव स्वास्थ्य के लिए घातक हैं। निगम ने लोगों से भी अपील की है कि वे ऐसे अवैध कारोबारियों की जानकारी स्थानीय कार्यालय को दें, ताकि पर्यावरण की रक्षा की जा सके।

नगर निगम का यह अभियान आने वाले दिनों में अन्य इलाकों तक भी चलाया जाएगा। निगम सूत्रों की मानें तो गोकलपुरी, सीमापुरी, सीलमपुर समेत कई इलाकों में ई-वेस्ट के अवैध गोदाम व दुकानें चल रही हैं।

केमिकल की अवैध इकाइयों पर नजर, सर्वे शुरू

उत्तर पूर्वी जिले में केमिकल की अवैध इकाइयां चल रही हैं। इनसे दूषित पानी और खतरनाक केमिकल निकलते हैं। शुक्रवार को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की टीम ने पुलिस, प्रशासन और निगम के साथ मिलकर घोंडा में सर्वे किया। इस दौरान तीन इकाइयों को चिह्नित किया गया। काफी लोग अपनी इकाइयां बंद करके भाग खड़े हुए। दो इकाइयां सोनिया विहार में चिह्नित की गई हैं। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि इन इकाइयों को नोटिस देकर सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

बलिया निर्वाचन प्रपत्रों का मुद्रण स्थानीय दरों पर:निर्वाचन कार्य में बलिया छरूका फैसला, 2.74 लाख की होगी बचत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के गणना प्रपत्रों (Form for Electoral Roll Revision) के मुद्रण को लेकर बलिया के जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने एक अहम फैसला लिया है।उन्होंने कहा कि समयबद्धता और वित्तीय बचत को ध्यान में रखते हुए यह कार्य पूर्व स्वीकृत स्थानीय दरों पर ही कराया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गणना प्रपत्रों का मुद्रण 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025 के बीच किया जाना तय है। इसके बाद 4 नवंबर से बी.एल.ओ. (BLOs) द्वारा घर-घर वितरण शुरू होगा।मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश ने इस मुद्रण की अधिकतम दर 1.83 प्रति पृष्ठ (जीएसटी सहित) तय की थी। लेकिन आदेश 28 अक्टूबर को जारी हुआ था, जिससे जेम पोर्टल या ई-टेंडर प्रक्रिया से निविदा फाइनल करना संभव नहीं था।इस स्थिति में जिलाधिकारी ने वर्ष 2024 में स्वीकृत स्थानीय जेम निविदा दरों पर मुद्रण कराने का फैसला लिया।

दो फर्मों को मिला काम, तय दर से कम पर तैयार

स्थानीय फर्म भारद्वाज स्टेशनर्स, हरपुर बलिया ने चार विधानसभा क्षेत्रों के लिए 1.15 प्रति पृष्ठ (लेजर प्रिंटिंग) और 0.6254 प्रति पृष्ठ (फोटोकॉपी) की पूर्व स्वीकृत दर पर सहमति दी।जीएसटी मिलाकर कुल दर 1.7754 प्रति पृष्ठ तय हुई है। इसी दर पर शिवम स्टेशनर्स, रामपुर उदयभान ने भी तीन विधानसभा क्षेत्रों के लिए कार्य स्वीकार किया है।यह दर निर्धारित अधिकतम दर 1.83 प्रति पृष्ठ से कम है, जिससे जिले को सीधी बचत होगी।

50 लाख से ज्यादा पृष्ठों का होगा प्रिंटिंग, 2.74 लाख की बचत

बलिया जिले की सात विधानसभा क्षेत्रों में कुल 25,10,596 मतदाता पंजीकृत हैं।प्रत्येक मतदाता के लिए दो प्रतियों में गणना प्रपत्र तैयार करने होंगे, यानी कुल 50,21,192 पृष्ठों का मुद्रण किया जाएगा। 1.7754 प्रति पृष्ठ की दर से लगभग 89,14,624.27 का खर्च आएगा, जबकि 1.83 की दर से यह खर्च 91,88,781.36 होता।इस तरह करीब 2.74 लाख की बचत होगी। डीएम मंगला प्रसाद सिंह ने बताया कि यह निर्णय राजकीय कार्यहित में लिया गया है।उन्होंने कहा, कार्य स्वीकृत स्थानीय दरों पर ही कराया जा रहा है ताकि समय पर चुनावी प्रक्रिया पूरी हो और किसी तरह की वित्तीय अनियमितता न हो। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रस्ताव के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश से औपचारिक स्वीकृति मांगी गई है, ताकि निर्धारित कार्यक्रम के तहत कार्य समय पर पूर्ण कराया जा सके। यानी अब बलिया में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम न सिर्फ तय समय में पूरा होगा, बल्कि सरकारी खजाने से लाखों रुपये की बचत भी होगी।

बलिया में ददरी मेले के झूलों की रिकॉर्ड नीलामी:1.30 करोड़ की लगाई गई बोली, मेले की आय में वृद्धि होगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया में ददरी मेले के झूलों और प्रदर्शनी की खुली नीलामी में रिकॉर्ड 1.30 करोड़ रुपए की बोली लगाई गई। शुक्रवार को गंगा बहुद्देशीय सभागार में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज की अध्यक्षता में यह नीलामी संपन्न हुई। यह बोली वर्ष 2025 के लिए लगाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह ददरी मेले के इतिहास में झूलों के लिए अब तक की सर्वाधिक बोली है। यह राशि पिछले वर्ष 2024 में प्राप्त 82.10 लाख रुपए की तुलना में 47.90 लाख रुपए अधिक है। इस रिकॉर्ड बोली से मेले की आय में वृद्धि होगी और प्रबंधन को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। जिलाधिकारी के निर्देश पर गठित समिति के समक्ष हुई यह नीलामी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही। इसे यू-ट्यूब के माध्यम से लाइव प्रसारित भी किया गया, जिससे प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित हुई। मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने इस सफल और पारदर्शी प्रक्रिया के लिए समिति के सदस्यों, मीडिया प्रतिनिधियों और बोलीकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ददरी मेला अब नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। इस नीलामी प्रक्रिया में सीआरओ त्रिभुवन, अधिशासी अधिकारी सुभाष कुमार, मीडियाकर्मी, दर्शक और संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

48 घंटे से हो रही बारिश, 500 ज्यादा गांवों की बिजली गुल, सड़कों पर जलभराव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। चक्रवाती तूफान मोंथा का असर जिले में तीसरे दिन भी रहा। बृहस्पतिवार की रात से शुरू बारिश शुक्रवार की देर शाम तक होती रही। खेतों में धान की फसल गिर गई है। सड़कों पर जलभराव हो गया है। जिले में 51.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। तार टूटने व पेड़ की डाली गिरने से 500 से अधिक गांवों की बिजली गुल रही। शुक्रवार की रात 10 बजे से मध्यम गति की मूसलाधार बारिश को जो दौर शुरू हुआ, वह अगले दिन शाम तक जारी रहा। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक शनिवार को भी बारिश जारी रहेगी। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के निदेशक आशीष कुमार ने बताया कि शनिवार को भी आसमान में बादल छाए रहेंगे। कुछ जगहों पर मामूली बूंदाबांदी हो सकती है। रविवार से मौसम साफ होने की संभावना है। बारिश में पेड़ गिरने, खंभे व तार टूटने से लगभग 500 गांवों की बिजली 15-20 घंटे तक गुल रही। सिकंदरपुर संवाददाता के अनुसार तहसील क्षेत्र में लगातार बूंदाबांदी और ठंडी हवाओं से तापमान में गिरावट आई। नगरा, मनियर, बसारिकपुर, चैनपुर और कन्हईपुर समेत कई इलाकों में गेहूं, चना, मसूर और मटर की बोआई शुरू हो गई थी, लेकिन खेतों में पानी भर जाने से बीज सड़ने और मिट्टी बिगड़ने का खतरा बढ़ गया है। ठंडी हवाओं से टमाटर, गोभी, आलू और मिर्च की पौध प्रभावित हो रही है। बेल्थरारोड, बांसडीह रोड, सुखपुरा में बारिश से धान की फसलों को काफी नुकसान हुआ है। 24 घंटे से 50 से अधिक गांवों की बिजली गुल रही।

शहर की निचले इलाकों व जीराबस्ती में फिर भरा पानी : मोंथा चक्रवाती तूफान से अनवरत हुई बारिश से शहर के दालपट्टी, आवास विकास कालोनी, बेदुआ, आनंद नगर, टैगोर नगर, हरपुर, काजीपुरा, बहादुरपुर व चंद्रशेखरनगर इलाके में लोगों को जलभराव का सामना करना पड़ा। वहीं, जीराबस्ती नई व पटखौली में एक माह पूर्व बारिश में निकाला गया पानी फिर भर गया। लोगों के घरों के अंदर तक पानी प्रवेश कर गया है। रोडवेज वर्कशाप में एक फीट तक पानी जमा हो गया। प्रशासन ने इस क्षेत्र लगातार एक माह से पंप से पानी निकाल रहा था लेकिन फिर स्थिति जस की तस हो गई। रात को कटी बिजली, अगले दिन शाम तक नहीं हुई बहाल : बारिश के बीच टूटे तार व खंभे समेत अन्य फॉल्ट से बृहस्पतिवार की रात को कटी बिजली अगले दिन सुबह तक बहाल नहीं हो सकी। बैरिया, जय प्रकाश नगर, सुखपुरा, मनियर, बांसडीह, सहतवार, चितबड़ागांव, गड़वार आदि क्षेत्रों में आपूर्ति 15-20 घंटे तक ठप रही। कैथवली विद्युत उपकेंद्र व बसंतपुर पावर हाउस से बिजली आपूर्ति प्रभावित रही।

बैरिया क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति पिछले 56 घंटे से पूरी तरह से ठप है। 200 गांव प्रभावित हैं। विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी हंसराज यादव ने बताया कि भारी बरसात से कई लाइनो में फॉल्ट आ गया है। इसे ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी तरह से चितबड़ागांव में बृहस्पतिवार की रात 11 बजे से शुक्रवार सुबह 11 बजे तक कस्बे सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति ठप रही। रतसर में भी विद्युत आपूर्ति बेपटरी हो गई है। पूरी रात विद्युत नदारद रही। खेतों में भरा पानी, फसलें डूबीं : मोंथा तूफान से खेती का नुकसान हुआ है। अधिकांश किसानों की लहलहाती धान की फसलें जमीन पर गिर गई हैं। डूमाडाड के किसान हरिपाल यादव का कहना है कि धान की फसल पक कर तैयार हो गई थी। उसे सुखाने के लिए खेतों में छोड़ा गया था। बारिश ने बर्बाद कर दिया है। किसानों का कहना है कि धूप होने के बाद फसल सुखाने के लिए 15 से 20 दिन का समय लग सकता है। भारतीय किसान संघ के जिला मंत्री राजीव कुमार सिंह व प्रदेश महामंत्री अजय कुमार सिंह ने कहा कि तूफान से किसानों की भारी क्षति हुई है। शासन को चाहिए कि लेखपाल व राजस्व निरीक्षक से पूरे जनपद का सर्वे करा कर किसानों को क्षतिपूर्ति दे।

धान के साथ सब्जी, अरहर और सरसों की खेती को नुकसान : नसीरपुर कलां निवासी किसान दीपक कुमार सिंह व पलिगरा कलां निवासी श्रीकांत यादव ने कहा कि कृषि विभाग की ओर से नुकसान का सर्वे तो दूर, अब तक प्रशासन की कोई सक्रियता नहीं दिखी। किसान चंद्रभूषण सिंह ने कहा कि अगर फसल कुछ बच भी गई तो गुणवत्ता खराब हो जाएगी। किसान मान सिंह यादव ने बताया कि फसल सड़ने लगी है। किसान संजय मिश्रा सहित कई किसानों ने बताया कि धान के साथ-साथ सब्जी, अरहर और सरसों जैसी फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

बिहार विधानसभा चुनाव भोजपुरी एक्टर रवि किशन को गोली मारने की धमकी, आरा से आया था फोन, पुलिस ने मामला किया दर्ज

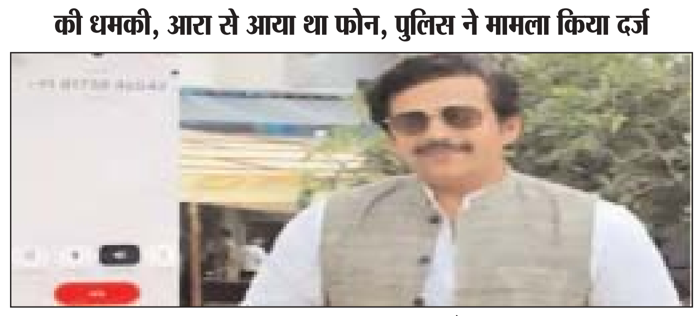

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार– गोरखपुर से लिखी यह खबर किसी फ़िल्मी पटकथा से कम नहीं, मगर हक़ीक़त कड़वी है। शुक्रवार को सांसद रवि किशन शुक्ला के निजी सचिव शिवम द्विवेदी के नंबर पर एक शख़्स ने फ़ोन कर खुलेआम कहा कि वह रवि किशन को गोली मार देगा। कॉल करने वाले ने खुद को बिहार के आरा ज़िले के जवनिया गाँव का अजय कुमार यादव बताया। मामला चुनावी माहौल के बीच अंजाम तक पहुँचने की धमकी फ़ाइल जैसा बन गया और पुलिस ने शिकायत पर फ़ौरन तफ्तीश चालू कर दी। कॉल में आरोपी ने न केवल जान से मारने की धमकी दी बल्कि अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया।माँ और प्रभु श्रीराम के बारे में भी आपत्तिजनक लहज़े में बयान दिये गए, जिसके कारण मामला सांप्रदायिकता की सननाह लिए चिन्हित किया गया है। सांसद के सचिव का कहना है कि सांसद ने कभी किसी ख़ास समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी नहीं की, बावजूद इसके धमकीकार बदक़िस्मती और उकसावे पर उतारू निकला। पुलिस ने कहा है कि कॉल के रिकॉर्ड और नंबर ट्रेस कर जल्द आरोपी तक पहुँचा जाएगा। धमकीकार ने बातचीत के दौरान राजद केउम्मीदवार खेसारी लाल यादव का भी नाम लेकर उससे समर्थन का इज़हार किया ।धमकी चुनावी तनातनी के सन्दर्भ में रिकॉर्ड की गयी है। गोरखपुर पुलिस के आला अफ़सरों ने कहा कि पटरी पर रहने वाली तफ्तीश में फ़ोन कॉल की रेकॉर्डिंग, सिम-डेटा और लोकेशन ट्रेस किए जाएंगे ताकि शकश की पहचान और गिरफ़्तारी में देर न हो यह वाकया उस खतरनाक मोड़ की निशानदही करता है जहाँ चुनावी बहसें गलत लहज़ों में बदलकर जान-माल के खतरे में तब्दील हो सकती हैं।